रांची, सोमवार
28.10.2024
वर्ष : 9, अंक : 324 पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरे हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org bihanbharat@gmail.com @bihan_bharat Bihan Bharat RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

इस वर्ष दिवाली के त्योहारों पर 4.25 लाख करोड़ रुपये के व्यापार की उम्मीदः कैट

नई दिल्ली : कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री एवं चांदनी चौक से सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने रविवार को कहा कि इस वर्ष दीपावली के त्योहारों पर 4.25 लाख करोड़ रुपये का कारोबार होने की उम्मीद है। श्री खंडेलवाल ने आज यहां बताया कि दिल्ली और देश भर के बाजारों में दिवाली और अन्य त्योहारों की श्रृंखला को देखते हुए बड़े जोर शोर से तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने बताया, दिल्ली सहित देश के सभी महानगरों, टियर-2 तथा टियर- 3 शहरों सहित कस्बों तथा गाँवों के बाजारों में दुकानों को दिवाली की थीम के अनुसार सजाया जाएगा। रंग-बिरंगी लाइट्स, रंगोली,और अन्य सजावट का खास ख्याल रखा जा रहा है, ताकि ग्राहकों को त्योहार का माहौल मिले और अधिक से अधिक लोग बाजारों की तरफ आकर्षित हो सकें।

बुनियादी ढांचे के निर्माण की कमजोर बुनियाद पर राहुल का तीखा हमला

नई दिल्ली : लोकसभा में विपक्ष के नेता तथा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने निर्माण कार्यों में धांधली पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि निर्माण कार्य कुछ समय बाद ही ढह रहे हैं जिससे लोगों की जान जा रही है और विकास कार्य की बुनियाद कमजोर हो रही है और इसमें पारदर्शिता की सख्त जरूरत है। श्री गांधी ने कहा, उद्घाटन और प्रचार तभी अच्छे हैं जब उनके पीछे ऐसी बुनियाद हो जो जनता की सेवा के लिए असल में काम करे। जब सार्वजनिक संपत्ति के रख- रखाव के अभाव और उपेक्षा के कारण लोगों की जान जाने लगे और पुल, प्लेटफार्म या मूर्तियां रिबन काटने के साथ ही गिरने लगें, तो यह गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने निर्माण कार्यों की कमजोर होने के उदाहरण देते हुए कहा, हाल ही में मुंबई के बांद्रा टर्मिनस स्टेशन पर हुई भगदड़, भारत के ढहते बुनियादी ढांचे की कड़ी में सबसे ताजा उदाहरण है। पिछले साल जून में बालासोर ट्रेन हादसे में 300 लोगों की जान चली गई लेकिन पीड़ितों को मुआवजा देने के बजाय भाजपा सरकार ने उन्हें लंबे कानूनी दांव-पेंच में उलझा दिया है। सोचिए जरा जब छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति तक मात्र नौ महीने में गिर जाती है, इसका साफ मतलब है इरादा सिर्फ प्रचार था, इसमें न ही शिवाजी महाराज का सम्मान था और न जनता की सुरक्षा का ध्यान।

प्रधानमंत्री ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान रूस के राष्ट्रपति पुतिन को झारखंड की कला उपहार में दी

बिभा संवाददाता

रांची : झारखंड अपने जीवंत जनजातीय कलाओं के लिए प्रसिद्ध है। झारखंड के हजारीबाग जिले की यह खास सोहराई पेंटिंग, इस क्षेत्र की स्थानीय कलात्मक परंपराओं की एक सुंदर अभिव्यक्ति है। सोहराई पेंटिंग को ओडीओपी (एक जिला एक उत्पाद) आइटम के रूप में मान्यता हासिल है।

सोहराई पेंटिंग प्राकृतिक रंगों और सरल उपकरणों के उपयोग के लिए जानी जाती है। इसके कलाकार जटिल डिजाइन बनाने के लिए अक्सर टहनियों व धान की बालियों से बने ब्रश या उंगलियों का उपयोग करते हैं। वे अपनी सरल, लेकिन भावपूर्ण, कहानी कहने की कला के लिए जाने जाते हैं। पशु-पक्षियों एवं प्रकृति का चित्रण जनजातीय संस्कृति में कृषि जीवन शैली और वन्य जीवों के प्रति श्रद्धा का प्रतिबिंब है।

सोहराई पेंटिंगः एक कालातीत लोक कला परंपरा

सोहराई पेंटिंग पारंपरिक रूप से महिलाओं द्वारा बनाई जाती हैं, खासकर त्योहारों और फसल के मौसम के दौरान। यह कला फसल के प्रति कृतज्ञता का एक रूप है और माना जाता है कि यह आने वाले वर्ष के लिए सौभाग्य लाती है।

सोहराई पेंटिंग अक्सर प्रकृति से प्रेरणा लेती हैं, जो यहां पत्तियों, पौधों और जानवरों के उपयोग से स्पष्ट है। मोर को आसपास के तत्वों के साथ मेल-जोल करते हुए चित्रित किया गया है और इसकी मुद्रा एक सुंदर नृत्य को दशार्ती है, जो इस चित्र को सजीव बनाती है। यह प्रचुरता, सुंदरता और समृद्धि का प्रतीक है, जो फसल संबंधी विषयों के अनुरूप है। लताओं एवं पत्तियों जैसे आसपास के प्राकृतिक तत्व उर्वरता एवं धरती के बीच के संबंध को और मजबूत करते हैं।

सोहराई पेंटिंग स्वदेशी समुदायों की कलात्मक अभिव्यक्ति एवं सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करते हुए उनके और प्रकृति के बीच घनिष्ठ संबंध को दशार्ती हैं। सरल रेखाओं, बोल्ड पैटर्न और प्राकृतिक रंगों के माध्यम से, यह पेंटिंग प्राकृतिक दुनिया के प्रति सद्भाव और सम्मान की भावना व्यक्त करती है।

'मन की बात' में प्रधानमंत्री ने दिया डिजिटल अरेस्ट से बचने का मंत्र

रुको, सोचो और एक्शन लो : मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों को डिजिटल अरेस्ट के बढ़ते खतरे के प्रति लोगों से सतर्कता बरतने का आह्वान किया। उन्होंने इस प्रकार के कॉल आने पर रुको, बाद में सोचो, और फिर एक्शन लो के तीन चरणों का पालन करने की सलाह दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि जांच एजेंसियां डिजिटल अरेस्ट के नाम पर चल रहे फरेब से निपटने के लिए राज्य सरकारों के साथ मिलकर काम कर रही हैं।

प्रधानमंत्री रविवार को मन की बात मासिक रेडियो कार्यक्रम के माध्यम से देशवासियों के साथ अपने विचार साझा कर रहे थे। कार्यक्रम की यह 115वीं कड़ी थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि डिजिटल अरेस्ट के शिकार होने वालों में हर वर्ग, हर उम्र के लोग हैं। लोगों ने डर की वजह से अपनी मेहनत से कमाए हुए लाखों रुपए गवां दिए हैं। उन्होंने कहा कि कभी भी आपको इस तरह का कोई कॉल आए तो आपको डरना नहीं है। आपको पता होना चाहिए कोई भी जांच एजेंसी फोन कॉल या वीडियो कॉल पर इस तरह पूछताछ कभी भी नहीं करती।

प्रधानमंत्री ने डिजिटल सुरक्षा के तीन चरण बताते हुए कहा कि रुको, सोचो और एक्शन लो। कॉल आते ही, रुको- घबराएं नहीं, शांत रहें, जल्दबाजी में कोई कदम न उठाएं, किसी को अपनी व्यक्तिगत जानकारी न दें, संभव हो तो स्क्रीनशॉट लें और रिकॉर्डिंग जरूर करें। प्रधानमंत्री ने दूसरा चरण बताते हुए कहा कि सोचो - कोई भी सरकारी एजेंसी फोन पर ऐसे धमकी नहीं देती, न ही वीडियोकॉल पर पूछताछ करती है, न ही ऐसे पैसे की मांग करती है अगर डर लगे तो समझिए कुछ गड़बड़ है। उन्होंने कहा कि तीसरे चरण के तहत एक्शन लो। राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 डायल करें, cybercrime.gov.in पर रिपोर्ट करें, परिवार और पुलिस को सूचित करें, सबूत सुरक्षित रखें।

उन्होंने कहा कि डिजिटल अरेस्ट के फ्रॉड में फोन करने वाले पुलिस, सीबीआई, नारकोटिक्स और आरबीआई आदि के बनावटी अधिकारी बनकर बड़े आत्मविश्वास के साथ बात करते हैं। प्रधानमंत्री ने ऐसा फ्रॉड करने वाली वाली गैंग के काम करने के तरीकों के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि यह आपकी व्यक्तिगत जानकारी जुटाकर रखते हैं। जैसे आप पिछले महीने गोवा गए थे, है ना ? आपकी बेटी दिल्ली में पढ़ती है, है ना ? दूसरा वह भय का माहौल पैदा करते हैं। इसके लिए वह वर्दी, सरकारी दफ्तर का सेटअप, कानूनी धाराओं का इस्तेमाल करते हैं। तीसरा दांव समय का दबाव, अभी फैसला करना होगा वर्ना आपको गिरफ्तार करना पड़ेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये लोग पीड़ित पर इतना मनोवैज्ञानिक दवाब बना देते हैं कि वो सहम जाता है। उन्होंने कहा कि डिजिटल अरेस्ट के शिकार होने वालों में हर वर्ग, हर उम्र के लोग हैं। लोगों ने डर की वजह से अपनी मेहनत से कमाए हुए लाखों रुपये गवां दिए हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि डिजिटल अरेस्ट जैसी कोई व्यवस्था कानून में नहीं है, ये सिर्फ फ्रॉड है, फरेब है, झूठ है, बदमाशों का गिरोह है और जो लोग ऐसा कर रहे हैं, वो समाज के दुश्मन हैं। डिजिटल अरेस्ट के नाम पर जो फरेब चल रहा है, उससे निपटने के लिए तमाम जांच एजेंसियां, राज्य सरकारों के साथ मिलकर काम कर रही हैं । इन एजेंसियों में तालमेल बनाने के लिए राष्ट्रीय साइबर समन्वय केंद्र की स्थापना की गई है। एजेंसियों की तरफ से ऐसे फ्रॉड करने वाली हजारों वीडियो कॉलिंग आईडी को ब्लॉक किया गया है । लाखों सिम कार्ड, मोबाइल फोन और बैंक अकाउंटस को भी ब्लॉक किया गया है।

केंद्र सरकार झारखंड के धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की मनाएगी 150वीं जयंती

रांची। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 115वें एपिसोड में देश के लोगों को संबोधित किया।

इस दौरान उन्होंने विशेष रूप से झारखंड का जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा और सरदार पटेल की 150वीं जयंती मनाएगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि मेरे जीवन का सबसे खास पल वह था जब मैं भगवान बिरसा मुंडा के जन्म स्थान उलीहातू गया था। मोदी ने 15 नवंबर, 2023 के अपने झारखंड के दौरे को याद करते हुए कहा कि उनके जीवन में इस यात्रा का विशेष प्रभाव पड़ा। वह पहले ऐसे प्रधानमंत्री बने जो कि भगवान बिरसा मुंडा के गांव गए थे। उन्होंने कहा कि उनके लिए यह गौरव की बात थी कि उलिहातू की मिट्टी को सिर से लगाने का सौभाग्य मिला। उन्होंने कहा कि उस क्षण मैंने न सिर्फ स्वतंत्रता संग्राम की शक्ति महसूस हुई, बल्कि झारखंड की धरती की शक्ति से जुड़ने का अवसर मिला। प्रधानमंत्री ने इस दौरान सरदार पटेल और भगवान बिरसा मुंडा की जयंती का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल की 31 अक्टूबर और बिरसा मुंडा की 15 नवंबर से 150वीं जयंती शुरू होगी। प्रधानमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि उनकी सरकार इन दोनों की जयंती को मनाएगी। प्रधानमंत्री ने उनके साहस और दूरदर्शिता का जिक्र किया। साथ ही कहा कि इन दोनों महापुरुषों के सामने अलग-अलग चुनौतियां थीं लेकिन उनका विजन एक ही था, देश की एकता।

बाबूलाल मरांडी सहित कई प्रत्याशी आज करेंगे नामांकन

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी धनवार विधानसभा सीट से सोमवार को नामांकन करेंगे। इस अवसर पर भाजपा के चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान, कार्यकारी अध्यक्ष डॉ रविंद्र कुमार राय, केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी मौजूद रहेंगी। देवघर से नारायण दास और गिरिडीह से निर्भय कुमार शाहाबादी नामांकन करेंगे। इसमें भाजपा चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान मौजूद रहेंगे। नाला से माधव चंद्र महतो और जामताड़ा से सीता सोरेन नामांकन करेंगे। मनोहरपुर से नवनीत हेंब्रम, शिकारीपाड़ा से परितोष सोरेन, दुमका से सुनील सोरेन, जामा से सुरेश मुर्मू, जरमुंडी से देवेंद्र कुंवर नामांकन करेंगे। इस अवसर पर चुनाव सह प्रभारी हिमंत बिस्वा सरमा मौजूद रहेंगे। मधुपुर से गंगा नारायण सिंह और सारठ से रणधीर कुमार सिंह नामांकन करेंगे। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन और सांसद निशिकांत दुबे मौजूद रहेंगे। पोड़ैयाहाट से देवेंद्र नाथ सिंह और महागामा से अशोक कुमार भगत नामांकन करेंगे। इस अवसर पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव मौजूद रहेंगे।

महंगाई पर अंकुश लगाने पर पूरी तरह विफल रही है केंद्र सरकारः हेमंत सोरेन

बिभा संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने रविवार को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा है कि केंद्र सरकार लगातार बढ़ती महंगाई पर अंकुश लगाने में पूरी तरह विफल साबित हुई है। आवश्यक वस्तुओं, दवाइयों से लेकर रोजमर्रा की चीजों के दाम आसमान छू रहे हैं। इस स्थिति में आम नागरिक की स्थिति दिन-प्रतिदिन मुश्किल होती जा रही है।

सोरेन ने कहा किझारखंड सरकार ने जब मंईयां सम्मान योजना के माध्यम से आम परिवारों को राहत देने का प्रयास किया, तो केंद्र सरकार तुरंत इसे रोकने के लिए न्यायालय पहुंच गई। यही सरकार उद्योगपतियों को अरबों-खरबों रुपये की सब्सिडी देते समय मौन साध लेती है लेकिन जनकल्याण की बात आते ही विरोध में खड़ी हो जाती है। झारखंड में ये जन-विरोधी नीतियों का क्रियान्वयन

करना चाहते हैं।

हेमंत सोरेन ने कहा कि आज आवश्यकता है कि हम सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करें, न कि उसे कमजोर। गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के हित में चलाई जा रही योजनाओं को और अधिक सशक्त किया जाए। यह समय है जनहित की नीतियों को प्राथमिकता देने का, न कि उन्हें कमजोर करने का। उन्होंने कहा कि दिसंबर की 10 तारीख से हर माह झारखंड बहनों को 2500 रुपये की सम्मान राशि मिलेगी।

कार खाई में गिरी, पांच युवकों की मौत

एजेंसी

मंडीः हिमाचल प्रदेश के मंडी जिला में बरोट के समीप लचकंडी शनिवार देर रोत एक कार के गहरी खाई में गिरने से पांच युवकों की मौके पर मौत हो गई। मृतकों की पहचान धमच्याण गांव के गंगा राम (22) सागर (17) कर्म सिंह (34) गुलाब सिंह (27) और राजेश (25) के रूप में की गई है। पांचों बरोट गांव में शादी समारोह में गए थे और वापसी में कार गहरी खाई में गिर गई।

इस घटना की सूचना रविवार सुबह उस समय मिली,जब एक भेड़पालक ने सड़क से करीब 700 मीटर नीचे खेतों में लुढ़की कार देखी। इसकी सूचना आस-पास के ग्रामीणों को दी गयी।

तदोपरांत पंचायत प्रतिनिधियों ने मौके पर पहुंच कर घटना की जानकारी टिक्कन पुलिस चौकी को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर क्षत विक्षत शवों को सड़क मार्ग तक पहुंचाने के लिए स्थानीय लोगों की मदद से रेस्क्यू शुरू किया।

वहीं मंडी की पुलिस आयुक्त साक्षी वर्मा ने हादसे की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि यह हादसा किन कारणों से हुआ इसकी छानबीन की जाएगी।

इस बीच राज्य के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने सड़क दुर्घटना में पांच लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की। उन्होंने सड़क दुर्घटना के प्रभावितों को हर संभव सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया। जिला प्रशासन द्वारा मृतकों के परिजनों को फौरी राहत के रूप में 25-25 हजार रुपये प्रदान किए गए।

मुख्यमंत्री ने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की है।

इसरो ने किया चंद्रयान-5 का ऐलान, 2026 में गगनयान करेगा अंतरिक्ष यात्रा

एजेंसी

नई दिल्ली : इसरो के चेयरमैन एस सोमनाथ ने हाल ही में गगनयान मिशन के बारे में जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि भारत गगनयान मिशन को 2026 में अंतरिक्ष में भेजने की योजना बना रहा है। इसके अलावा चंद्रयान-4 को 2028 में लॉन्च करने की योजना है। भारत और अमेरिका के संयुक्त मिशन ठक्सअफ को अगले साल पूरा होने की उम्मीद है।

सोमनाथ ने कहा कि जापान के साथ मिलकर लूपेक्स (लूनर पोलर एक्सप्लोरेशन प्रोजेक्ट)

पर भी काम किया जा रहा है, जिसे चंद्रयान-5 के तहत लॉन्च किया जाएगा। हालांकि, उन्होंने इसकी सटीक तारीख का ऐलान नहीं किया, लेकिन बताया कि यह मिशन 2025 से पहले होने की संभावना है। चंद्रयान-5 के लिए भारत लैंडर प्रदान करेगा, जबकि जापान एक 350 किलोग्राम का रोवर देगा। चंद्रयान-3 में रोवर का वजन केवल 27 किलोग्राम था, जबकि चंद्रयान-5 का रोवर काफी बड़ा और भारी होगा। यह मिशन चांद पर मानव की लैंडिंग के रास्ते को साफ करेगा और भारत ने 2040 तक चांद पर इंसान भेजने का लक्ष्य रखा है।

सोमनाथ ने कहा कि चंद्रयान-3 ने न केवल चांद पर सफलतापूर्वक सॉफ्ट लैंडिंग की, बल्कि चांद से महत्वपूर्ण जानकारियां भी भेजी हैं। चंद्रयान-1 ने भी चांद पर पानी की मौजूदगी की जानकारी दी थी। इसके अलावा आदित्य-एल1 और एक्सपोसैट मिशन से भी अंतरिक्ष के बारे में नई जानकारियां मिल रही हैं, जिससे वैश्विक समुदाय को लाभ हो रहा है।

इसरो चेयरमैन ने बताया कि भारत अगले दस वर्षों में ग्लोबल स्पेस इकोनॉमी में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर 10 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखता है। वर्तमान में भारत की हिस्सेदारी लगभग 2 प्रतिशत है।

अमित शाह ने लोगों से 2026 में ममता शासन को समाप्त करने का किया आग्रह

एजेंसी

कोलकाताः केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को बंगाल में सत्ता परिवर्तन का आह्वान किया और कहा कि वर्ष 2026 के राज्य विधानसभा चुनावों के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सत्ता में आने पर शांति बहाल की जाएगी।

श्री शाह ने कहा कि राज्य में भाजपा की सरकार बनते ही बंगलादेश से घुसपैठ रोक दी जाएगी और अवैध रूप से बसे लोगों को निर्वासित किया जाएगा।

वह उत्तर 24 परगना जिले में बंगलादेश के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा के भारतीय हिस्से पेट्रापोल में बीएसएफ के एक कार्यक्रम के बाद एक बैठक को संबोधित कर रहे थे। केन्द्रीय मंत्री ने पेट्रापोल में एक एकीकृत चेक पोस्ट, यात्री

टर्मिनल और मैत्री द्वार का अनावरण किया।

श्री शाह ने कहा कि घुसपैठ रुकने पर ही राज्य में शांति लौटेगी।उन्होंने कहा, आप सबसे पहले वर्ष 2026 में पश्चिम बंगाल में बदलाव लाएं और देखें कि भाजपा राज्य में अवैध घुसपैठ को कैसे रोकेगी।

केंद्रीय मंत्री ने राज्य में जीवन के हर पहलू में कथित भ्रष्टाचार के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस सरकार की भी आलोचना की। उन्होंने आश्चर्य जताया कि सुश्री बनर्जी सरकार ने बंगाल के विकास के लिए क्या किया है। उन्होंने कहा कि इसके विपरीत, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राज्य का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आंकड़ों पर पलटवार करते हुए श्री शाह ने कहा, पिछले 10 वर्षों में बंगाल को 7.74 लाख करोड़ रुपये का केंद्रीय कोष मिला है, जो पिछली संयुक्त प्रगतिशील गठबन्धन (संप्रग) सरकार के दौरान राज्य को मिले फंड से अधिक है। लेकिन दुर्भाग्य से, राज्य में केंद्रीय धन के उपयोग में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है। उन्होंने यह भी दावा किया कि मनरेगा और पीएमएवाई जैसी विभिन्न केंद्र प्रायोजित योजनाओं के तहत प्रदान की गई धनराशि लाभार्थियों तक नहीं पहुंच पाई।

संक्षिप्त खबरें

मांडर में भाजपा युवा मोर्चा की चुनावी बैठक संपन्न

मांडर(बिभा) : प्रखण्ड में रविवार को कंजिया में भाजपा युवा मोर्चा की विधानसभा स्तरीय चुनावी बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता विधानसभा युवा संपर्क प्रमुख राजीव गुप्ता ने की। बैठक में राष्ट्रीय सचिव रोहित चहल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। साथ ही, विधानसभा संयोजक सतीश सह, जिलाध्यक्ष भाजयुमो विवेकानंद जायसवाल, मांडर युवा मोर्चा प्रभारी अशीष, अमिताभ, उमेश महतो, शशिकांत सिंह, और आईटी सेल सह संयोजक रितेश भारद्वाज भी उपस्थित रहे। इस चुनावी बैठक में आठ मंडलों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, और महामंत्री उपस्थित रहे, जिन्हें आगामी चुनाव से संबंधित अहम जानकारी और कार्यक्रमों के दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान कार्यकताओं को चुनावी रणनीति पर चर्चा करते हुए विभिन्न सुझाव और योजनाएं प्रस्तुत की गईं। इस अवसर पर अविनाश गुप्ता, दीपक पांडे, राहुल सिंह, रविन्द्र उरांव, कमलेश, कारण कुमार, बजरंग सिंह, ब्रजेश ठाकुर, जयमंगल पाहन, नवीन केसरी, अंकित सोनी और सुदीप सहित कई युवा कार्यकर्ता मौजूद थे।

दीपावली से पहले कोल इंडिया के ठेका श्रमिकों को मिलेगा 8.33% बोनस

डकरा(बिभा) । कोल इंडिया में कार्यरत लाखों ठेका श्रमिकों को दीपावली से पहले बोनस का लाभ मिलने जा रहा है। कोल इंडिया के बोर्ड ने ठेका श्रमिकों के लिए 8.33% बोनस देने के निर्णय पर मुहर लगा दी है। शुक्रवार को हुई बोर्ड की बैठक के बाद शनिवार को सभी कोयला कंपनियों को इस निर्णय का पत्र जारी कर दिया गया। कोल इंडिया के महाप्रबंधक (कार्मिक) गौतम बनर्जी ने यह जानकारी दी। सोमवार को कोयला ठेका श्रमिकों को बोनस का भुगतान करने के संबंध में गाइडलाइंस के साथ आधिकारिक आदेश जारी किए जाएंगे। इस निर्णय से पहले 29 सितंबर को नई दिल्ली में हुई जेबीसीसीआइ की मानकीकरण समिति की बैठक में ठेका श्रमिकों को बोनस देने पर चर्चा की गई थी। कोल इंडिया प्रबंधन ने भी सभी कोयला कंपनियों के प्रबंधन को दीपावली से पहले ठेका श्रमिकों को बोनस भुगतान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। अखिल भारतीय खदान मजदूर संघ के मंत्री सह श्रमिक नेता मनोज रजक ने कहा, यह निर्णय ठेका श्रमिकों के हित में एक महत्वपूर्ण कदम है। बोनस से ठेका श्रमिकों को त्योहार के इस मौके पर आर्थिक सहायता मिलेगी, जो उनके लिए और उनके परिवारों के लिए खुशी का अवसर बनेगा। इसके लिए भारतीय मजदूर संघ बहुत पहले से ही प्रयासरत थी ताकि ठेका मजदूरों को भी एक उचित सम्मान मिल सके।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से एक युवक की हुई मौत

रामगढ़(बिभा): रामगढ़ छतर मांडू जेल मोड़ के समीप विकास कुमार महतो पिता रघुनाथ महतो को ट्रैक्टर ने अपने चपेट में लिया। ग्रामीणों द्वारा आनन फानन में सदर अस्पताल ले जा रहे थे इसी क्रम में रास्ते में मृत्यु हो गई।वही ग्रामीणों द्वारा उग्र होकर रोड को किया जाम कर दिया है। समाचार लिखे जाने तक रामगढ़ पुलिस ग्रामीणों को समझने व जाम हटाने में लगी है।

फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट मामले में आईपीसी व आईटी एक्ट के तहत दर्ज हुई प्राथमिकी

रामगढ़(बिभा): उपायुक्त, रामगढ़ चंदन कुमार के नाम से फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट बनाने एवं पैसे की मांग सहित अपनी गलत मंशा की पूर्ति हेतु फर्जी अकाउंट से मैसेज भेजे जाने संबंधित मामले में उपायुक्त, रामगढ़ चंदन कुमार के निर्देश पर प्रभारी पदाधिकारी गोपनीय शाखा रविंद्र कुमार गुप्ता के द्वारा रामगढ़ थाना में आईपीसी की धारा 419 एवं 420 तथा सूचना प्रौद्योगिकी (संशोधन) अधिनियम 2000 की धारा 66 सी एवं 66 डी के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। जिला प्रशासन, रामगढ़ द्वारा सभी से अपील की जाती है कि वे साइबर ठगों एवं साइबर ठग द्वारा दिए गए किसी भी प्रलोभन से सावधान रहें। जिला प्रशासन, रामगढ़ द्वारा स्पष्ट किया जाता है कि उपायुक्त चंदन कुमार का किसी भी सोशल मीडिया हैंडल पर कोई भी अकाउंट संचालित नहीं है। इसके अतिरिक्त विभिन्न सरकारी कार्यों व आवश्यक सूचनाएं आम जनों तक पहुंचाने हेतु जिला प्रशासन, रामगढ़ द्वारा डीसी रामगढ़ के नाम से आधिकारिक फेसबुक, एक्स एवं इंस्टाग्राम पर अकाउंट संचालित किया जाता है। जिला प्रशासन द्वारा संचालित सोशल मीडिया हैंडल से किसी भी व्यक्ति को किसी भी तरह का कोई मैसेज नहीं किया जाता है और सभी लोगों से अपील है कि वे किसी भी फर्जी आईडी से कोई भी मैसेज आने पर किसी भी तरह की कोई प्रतिक्रिया ना दें। उपायुक्त रामगढ़ के नाम से पहले भी कई फर्जी फेसबुक अकाउंट बनाया जा चुका है।

सोनाहातू में बालू लदा एक हाइवा और राहे में बालू लदा दो ट्रैक्टर जब्त

सोनाहातू/राहे(बिभा)। वरीय पुलिस अधीक्षक रांची के निर्देश पर बुंडू डीएसपी के नेतृत्व में छापामारी कर सोनाहातू थाना क्षेत्र से एक अवैध रूप में बालू लदा हाइवा को जब्त किया है। थाना प्रभारी चंदन कुमार ने बताया कि छापामारी के दौरान बुंडू - जामुदाग सड़क के गलऊ पंचायत सचिवालय के सामने अवैध बालू परिवहन करते हाइवा जेएच 01सीएफ 3038 को पकड़ा गया। आवश्यक कारवाई करते हुए हाइवा मालिक और चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। इधर राहे थाना प्रभारी फैज रब्बानी पुलिस बल के साथ सिरीडीह सतीया के सामने अवैध बालू परिवहन करने दो ट्रैक्टर को जब्त किया। प्रभारी फैज रब्बानी ने बताया कि वरीय पुलिस अधीक्षक के आदेश पर छापामारी किया गया। जब्त ट्रैक्टर के मालिक और चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

भाजपा ही झारखंड को संभाल और संवार सकती है : कमलेश राम

बिभा संवाददाता

रांची : भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष कमलेश राम ने 27 अक्टूबर को प्रदेश कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि झारखंड में हेमंत सोरेन की सरकार कैसा काम कर रही है, यह सब लोग जानते हैं। हम सभी हेमंत सोरेन की सरकार को हटाकर यहां भाजपा के नेतृत्व में अच्छी सरकार बनाने के लिए कटिबद्ध हैं। झारखंड को बचाने के लिए हमें एकजुट रहना है। बिखरना नहीं है। अभी समय भाजपा को मजबूत करने का है। मेरे लिए भारतीय जनता पार्टी सर्वोपरि है।? उन्होंने कहा कि राज्यहित और पार्टी हित को देखते हुए मैंने कांके विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है।
श्री राम ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ही झारखंड को संभाल और संवार सकती है। राज्य का तेजी से विकास कर सकती है।
श्री राम ने कहा कि झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठिए तेजी से पांव पसार रहे हैं। यह झारखंड और झारखंडवासियों के लिए चिंता की बात है। हेमंत सरकार बांग्लादेशी घुसपैठियों को आमंत्रित कर रही है। उन्हें शरण दे रही है। भाजपा ही बांग्लादेशी घुसपैठियों से झारखंड को मुक्त करा सकती है। झारखंडियों को उसका हक दिला सकती है। घुसपैठियों के झारखंड में आने पर प्रतिबंध लगा सकती है। ऐसी स्थिति में भारतीय जनता पार्टी को मजबूत करना जरूरी है।
उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने पर कांके विधानसभा क्षेत्र की हर समस्या का समाधान होगा। यह आश्वासन भाजपा के चुनाव सह प्रभारी हिमंत बिस्वा सरमा ने दिया है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में किसान, आदिवासी, दलित, गरीब, मजदूर का सर्वांगीण विकास संभव है। उन्होंने जनता से भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाने के लिए भाजपा को वोट देने की अपील की। प्रेस कॉन्फ्रेंस में अशोक बड़ाईक, शशि भूषण भगत, प्रीतम साहू, जितेंद्र महतो, शंभू शंकर सिंह, झिबरा मुंडा, सत्येंद्र सिंह, बिरेंद्र मुंडा, छत्तीसगढ़ के प्रभारी केके राय आदि मौजूद थे।

मारवाड़ी युवा मंच राँची समर्पण शाखा ने गौ सेवा व निःशुल्क आंख जांच शिविर का किया आयोजन

रांची : मारवाड़ी युवा मंच राँची समर्पण शाखा द्वारा क्रिस्टल वैली अपार्टमेंट शिव दुर्गा मंदिर लेन रातू रोड में यह कैंप डॉ लाल पथ लैब्स के सौजन्य से 12 महीने 12 निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर के अन्तर्गत सातवे शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें बुजुर्गों का निशुल्क आइस चेकअप कराया गया।इस शिविर से 20से अधिक लोग लाभान्वित हुए। इस शिविर के आयोजन हेतू स्वास्थ्य प्रभारी कोमल झुनझुनवाला संयोजिका आशा सर्राफ ने बहुत अच्छे से तैयारी की थी। इसके अलावा शाखा ने हरमू रोड गौशाला में गौ सेवा भी की , गौ सेवा प्रभारी आशा संथौलिया , डॉली बंसल ने तैयारियां की , गौ माता को चारा , घास , एवं सब्जिया खिलाई गई । मौके पर अध्यक्ष विनीता सिंघानिया , पूजा अग्रवाल , डॉली बंसल आशा , कविता जालान उपस्थित थी ।

रविवार को बेड़ो में भाजपा प्रत्याशी सन्नी टोप्पो ने किया जनसंपर्क

मांडर में कमल खिलते ही शिक्षा के क्षेत्र में किया जाएगा तेजी से कार्य : सन्नी टोप्पो

बिभा संवाददाता

बेडो : प्रखंड अंतर्गत अपने जनसंपर्क अभियान के दूसरे दिन भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी सन्नी टोप्पो जी ने बेड़ो प्रखंड के विभिन्न गांव में का दौरा किया , उन्होंने लोगों से संपर्क किया एवं मांडर में कमल खिलाने के लिए सबका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस बीच ग्रामीणों ने विभिन्न समस्याओं को उठाया जैसे कि गांव में अच्छी सड़क नहीं है, अखाड़ा धूमकुड़िया भवन का निर्माण नहीं हो पाया है लोगों को सरकारी योजना का सही से लाभ नहीं मिलता है ।सन्नी टोप्पो ने सभी समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना एवं विश्वास दिलाया कि मांडर में कमल खिलते ही भाजपा की सरकार आते ही सारी समस्याओं का यथाशीघ्र निवारण किया जाएगा एवं ग्रामीणों को यथासंभव यथा शीघ्र लाभ पहुंचाया जाएगा।
सन्नी टोप्पो ने विभिन्न जगहों पर लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि मांडर में भाजपा की विजय पताका लहराने के बाद से पूरे क्षेत्र में शिक्षा के क्षेत्र में पूरे जोर-जोर से काम किया जाएगा नए-नए कॉलेज बनाए जाएंगे बीएड ,बीटेक ,एमटेक बायोटेक, बीसीएम, बीबीए बीसीए एमबीए जैसे नए-नए कोर्सों का संचालन के लिए प्रयास किया जाएगा ताकि हमारे युवाओं को रोजगार के नए साधन उपलब्ध हो सके साथ ही साथ युवाओं को हुनर कला के क्षेत्र एवं लघु उद्योग से भी जोड़ा जाएगा। महिलाओं और किसानों का भी विशेष ध्यान रखा जाएगा उनके लिए रोजगार के साधन बढ़ाए जाएंगे। मौके पर रामनारायण भगत ने कहा कि जल जंगल जमीन आदिवासी अस्मिता झारखंड के स्वाभिमान को बचाने के लिए पूरे झारखंड में मांडर विधानसभा सहित भाजपा की सरकार जरूरी है। प्रबंधन समिति के एसटी मोर्चा संपर्क समित के सदस्य भीखा उरांव ने कहा कि आदिवासियों का उचित सम्मान देने वाली और आदिवासियों की सच्ची हीतैसी भारतीय जनता पार्टी ही है इसमें कोई शक नहीं है।
मौके पर अन्य लोगों ने दिए सभाओं को संबोधित किया। मुख्य रूप से प्रत्याशी सन्नी टोप्पो रामनारायण भगत भीखा उरांव नीरज कुजूर, आलोक मिश्रा, बलराम सिंह , संख्या में ग्रामीण एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्वीप के तहत डोर टू डोर चलाया गया मतदाता जागरूकता अभियान

बिभा संवाददाता

रामगढ़: आगामी विधानसभा आम निर्वाचन 2024 के दौरान जिले में शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने के मद्देनजर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रामगढ़ चंदन कुमार के द्वारा मतदाता जागरूकता स्वीप कोषांग को विभिन्न प्रतियोगिताओं, कार्यक्रमों आदि का आयोजन कर अधिक से अधिक मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करने का निर्देश दिया गया है।
इसी क्रम में जिला स्वीप नोडल पदाधिकारी सह जिला समाज कल्याण पदाधिकारी के द्वारा रविवार को जिले के विभिन्न क्षेत्रों में आंगनबड़ी सहिया, सेविका (बीएलओ) के द्वारा आगामी विधानसभा आम निर्वाचन 2024 हेतु स्वीप के तहत पतरातू, मांडू, चितरपुर, गोला, दुलमी एवं रामगढ़ में डोर टू डोर चलाया गया मतदाता जागरूकता अभियान ।
मतदाता जागरूकता को लेकर विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित किए गए यथा रंगोली प्रतियोगिता,पेंटिंग प्रतियोगिता, मतदाता जागरूकता सहित कई विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को मतदान के प्रति जागरूक किया गया साथ ही रैली के माध्यम बनाए गए मतदाता जागरूकता पोस्टर के माध्यम से अपने-अपने क्षेत्र में मतदाताओं के घर-घर जाकर पहली बार मतदान करने वाले युवा मतदाताओं एवं ढहऊ मतदाता,80 + वृद्ध मतदाताओं को वोट करेगा रामगढ़, - 22 बड़कागांव, 13 नवंबर 2024 एवं - 23 रामगढ़, 20 नवंबर 2024 चुनाव का पर्व देश का गर्व के तहत मतदाता जागरूकता के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया। साथ ही उपस्थित सभी मतदाताओं को मतदान करने हेतु मतदाता शपथ भी दिलाई गई ।

लापुंग प्रखंड के कई लोगों ने थामा कांग्रेस का हाथ

बिभा संवाददाता

लापुंग। मांडर विधानसभा क्षेत्र की कांग्रेस प्रत्याशी और वर्तमान विधायक शिल्पी नेहा तिर्की के नेतृत्व और व्यक्तित्व से प्रभावित होकर लापुंग प्रखंड के ककरिया में रविवार को 21 लोगों ने कांग्रेस का हाथ थामा। इस सामूहिक जुड़ाव से कांग्रेस पार्टी को मांडर क्षेत्र में और अधिक मजबूती मिलेगी, जिससे क्षेत्र के विकास के कार्यों को नई दिशा और गति मिलेगी।शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि यह जनता का उनके प्रति विश्वास और उनके द्वारा किए गए विकास कार्यों का ही परिणाम है। उन्होंने नए साथियों का कांग्रेस परिवार में स्वागत करते हुए उन्हें भरोसा दिलाया कि पार्टी उनके हर सुख-दुख में साथ खड़ी रहेगी और क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध रहेगी। कांग्रेस का हाथ थामने वालों में गोपाल साहू, गोपी राम, खांदू साईं, प्रभात कुमार, भोला उरांव, रंजीत दास, खेतन साहू, बहुरन साहू, ममता देवी,रूपा देवी, टीना देवी, मुकेश कुमार, वीरेंद्रचंद्र साहू, तुलसी साहू, सत्यजीत साहू,रबल खान, जलील साईं, असलम मियां, मुमताज खान, अजय साहू, सुमित कुमार समेत अन्य लोग शामिल हैं।

समाज में सकारात्मक बदलाव के लिए जरूरी है शिक्षा: रिनीकी भुइंया सरमा

बिभा संवाददाता

मांडर। असम के मुख्यमंत्री हिमन्ता विश्व सरमा की पत्नी रिनीकी भुइंया शर्मा ने रविवार को कार्तिक उरांव रात्रि पाठशाला केन्द्र उचरी का अवलोकन किया। उनके साथ न्यूज लाइव के चीफ एडिटर जारीर हुसैन भी उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरूआत बाबा कार्तिक उरॉव के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। रात्रि पाठशाला के संरक्षक डॉ अरुण उराँव ने शुरूआत से अबतक के गतिविधि पर विस्तार से बतलाया। इससे गांव में हो रहे सकरात्मक के बारे में उन्होंने बतलाया। मुख्य अतिथि ने अपने सम्बोधन में रात्रि पाठशाला के गतिविधियों को खूब सराहा। साथ ही उन्होंने असम में इसे शुरू करने की बात कही। रात्रि पाठशाला एवं उचरी सांस्कृतिक दल ने अपनी बाते रखी और आर्कषक नृत्य प्रस्तुत किया। संचालन कार्तिक लोहरा ने जबकि धन्यवाद ज्ञापन अनिल उरॉव ने किया। कार्यक्रम में नगड़ा मुखिया बहादूर उराँव, राजू लोहरा, पियुष तिर्की, डॉ रविन्द्रनाथ, नेहा, शिबन, स्टीफेंसन रामु, प्रेम, वसन्ती लोहरा, सूरज, खद्दी, सुबास, मंगी, खदी रिंकू, सुको, सुनीता सहित काफी लोग उपस्थित थे।

प्रिंटिंग प्रेस/मुद्रक, सिनेमा हॉल संचालक,केबल ऑपरेटर के संचालकों को चुनाव संहिता निर्देश जारी, उलंघन पर होगी कार्रवाई

चुनाव प्रचार सामग्री पर मुद्रक का नाम छापना होगा अनिवार्य : उपायुक्त

प्रकाश पटवारी

रामगढ़: विधानसभा निर्वाचन 2024 की तारीख के एलान के साथ ही आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। आम चुनाव के दौरान टीवी / रेडियो चैनल / ऑडियो - वीडियो डिस्प्ले / सिनेमा हॉल / इंटरनेट आधारित मीडिया / सोशल मीडिया, ई-पेपर /सेलुलर प्रोवाइडर और केबल ऑपरेटर सहित वेबसाइटों पर प्रसारित होने वाले राजनीतिक उम्मीदवारों के विज्ञापनों के लिए मीडिया प्रमाणन और निगरानी समिति (एमसीएमसी) द्वारा प्रमाणन कराना आवश्यक होगा।
हजारीबाग जिला निर्वाचन पदाधिकारी नैंसी सहाय व रामगढ़ जिला निर्वाचन पदाधिकारी चंदन कुमार ने प्रिंटिंग प्रेस के संचालकों/मुद्रकों को निर्देश देते हुए प्रिंटिंग प्रेस के संचालकों को प्रचार सामग्री छापने से संबंधित निर्वाचन आयोग द्वारा गाइडलाइन जारी किया गया है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने निर्वाचन हेतु प्रचार सामग्री छापने वाले प्रिंटिंग प्रेस के संचालकों/मुद्रक को निर्देश देते हुए कहा है कि विधानसभा निर्वाचन-2024 के प्रचार प्रसार में प्रयोग की जाने वाली राजनीतिक प्रचार सामग्री की सम्पूर्ण जानकारी प्रिंटिंग प्रेस व पब्लिशर को होनी जरूरी है। उन्होंने मुद्रकों को निर्देश देते हुए प्रिंटिंग प्रेस के संचालकों को प्रचार सामग्री छापने से संबंधित निर्वाचन आयोग द्वारा गाइडलाइन जारी किया गया है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने निर्वाचन हेतु प्रचार सामग्री छापने वाले प्रिंटिंग प्रेस के संचालकों/मुद्रक को निर्देश देते हुए कहा है कि विधानसभा निर्वाचन-2024 के प्रचार प्रसार में प्रयोग की जाने वाली राजनीतिक प्रचार सामग्री की सम्पूर्ण जानकारी प्रिंटिंग प्रेस व पब्लिशर को होनी जरूरी है। उन्होंने प्रिंटर्स से कहा है कि पोस्टर, पॉम्पलेट या अन्य प्रचार सामग्री में मुद्रक का नाम, प्रकाशक का नाम, मात्रा की संख्या प्रचार सामग्री में उल्लेख करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जिले के सभी प्रिंटिंग प्रेस संचालक चुनाव आयोग की गाइडलाइन का कड़ाई से पालन करें, निर्धारित प्रावधानों तथा आयोग के आदेश के किसी भी प्रकार के उल्लंघन को बहुत ही गंभीरता से लिया जाएगा और संबंधित के खिलाफ नियमसंगत कार्रवाई की जाएगी।
भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गये निर्देश के अनुसार प्रकाशित सामग्री की प्रतियां निर्वाचन कार्यालय के आदर्श आचार संहिता कोषांग,व्यय कोषांग एवं एमसीएमसी कोषांग में भी जमा की जानी होगी। प्रिंट सामग्री में संख्या भी अंकित करना होगा।
निर्देश दिये गये कि शुचिता पूर्ण निर्वाचन के लिए यह अनिवार्य है कि सभी प्रकाशक मुद्रित एवं प्रकाशित सामग्री के आधार पर खर्चा प्रत्याशी के व्यय लेखा में जोड़ा जायेगा। बैठक में प्रिंटिंग प्रेसों से धारा 127 क (2) के तहत मुद्रण सामग्री मुद्रित होने के तीन दिनों के अंदर मुद्रित प्रतियां (प्रत्येक मुद्रित सामग्री की तीन अतिरिक्त प्रतियों सहित) भेजने एवं प्रकाशक से प्राप्त घोषणा पत्र की प्रति भी उपलब्ध कराने को कहा गया।

अगहन संक्रान्ति के उपलक्ष्य पर फुटबॉल टूर्नामेंट के आयोजन को लेकर बैठक

बिभा संवाददाता

सोनाहातू। जन कल्याण युवा विकास क्लब मारांगकिरी - चरकुडीह के द्वारा आयोजित होने वाली अगहन संक्रांति मेला सह एक दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट के सफल आयोजन को लेकर रविवार को मारांगकिरी मैदान में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में खेल से संबधित चर्चा करते हुए संचालन कमिटी का गठन किया गया। कमिटी में अध्यक्ष ग्राम प्रधान मनसा सिंह मुंडा, उपाध्यक्ष संतोष महतो, सचिव बसंत कुमार महतो, उपसचिव धर्मेंद्र महतो, कोषाध्यक्ष शिपचरण महतो, उप कोषाध्यक्ष मुकेश महतो, सह कोषाध्यक्ष खितिश महतो, सदस्य दिनेश चंद्र महतो, बिनोद बिहारी सहित दस सदस्य कमिटी का चयन हुआ। मौके पर कालीपद महतो, पांडु सिंह मुंडा, लबभन महतो, केशव महतो, मंगल सिंह मुंडा, प्राण गोविंद महतो, शिप चरण महतो, हरिसिंह महतो, संजय प्रमाणिक,देवपाल महतो,बुधन लाल मछुआ, जितेंद्र महतो, रंजित महतो, बिभति हजाम, धुरेन तांती, मगनसाय महतो, मुकुंद महतो, सत्रुघन हजाम, बिकाश तांती, दीपक सिंह मुंडा, गोना महतो, जगरनाथ महतो, मोलिन सिंह मुंडा, निमाई सिंह मुंडा, सुचाँद प्रमाणिक, कैलाश हजाम, सिताई सिंह मुंडा आदि मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

राज्यपाल से दीपशिखा का प्रतिनिधिमंडल ने किया मुलाकात

रांची(बिभा) : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से आज राज भवन में दीपशिखा, बाल विकास एवं मानसिक स्वास्थ्य संस्थान राँची का एक शिष्टमंडल श्रीमती प्रियंका जालान के नेतृत्व में भेंट की। इस अवसर पर शिष्टमंडल ने राज्यपाल को दीपशिखा द्वारा मानसिक रूप से दिव्यांग बच्चों के कल्याण के लिए संचालित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। राज्यपाल ने संस्था के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि दिव्यांगजनों के हित में समर्पित रूप से कार्य करना अत्यंत प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों को समाज के सभी वर्गों से निरंतर प्रोत्साहन और सहयोग की आवश्यकता है, ताकि वे जीवन में आत्मनिर्भरता प्राप्त कर सकें।

राज्यपाल को भाजपा महिला मोर्चा का प्रतिनिधिमंडल ने सौंपा ज्ञापन

रांची(बिभा) : मंत्री इरफान अंसारी द्वारा श्रीमती सीता सोरेन के प्रति किए गए अभद्र टिप्पणी पर भाजपा महिला मोर्चा का एक प्रतिनिधिमंडल राजभवन जाकर महामहिम राज्यपाल संतोष गंगवार से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष आरती सिंह,भाजपा प्रदेश मंत्री अनामिका जूही, सीमा शर्मा, रेणु तिर्की, नीलम चौधरी और अशोक बड़ाइक शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने महामहिम से झारखंड सरकार के मंत्री एवं जामताड़ा से कांग्रेस प्रत्याशी इरफान अंसारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग किया।

सेल रांची ने प्रभात फेरी के साथ सतर्कता जागरूकता सप्ताह का किया शभारंभ

रांची(बिभा) : सेल रांची इकाइयों ने प्रभात फेरी के साथ सतर्कता जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ कियो सतर्कता जागरूकता सप्ताह अभियान के हिस्से के रूप में, सेल की रांची स्थित इकाइयों के सतर्कता विभाग ने ईमानदारी और भ्रष्टाचार मुक्त कार्य वातावरण को बढ़ावा देने के लिए प्रभात फेरी का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरूआत गुब्बारे छोड़ने के साथ हुई जो श्री एस के वर्मा, ई.डी (सीईटी); श्री वेद प्रकाश, ई.डी(एस.टी.डी.टी.) एवं श्री एस वशिष्ठ, मुख्य महाप्रबंधक (एस.एस.ओ) के कर-कमलों द्वारा संपन्न हुओ कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन एवं नेतृत्व श्री विशाल सिन्हा, महाप्रबंधक (सतर्कता) और एसीवीओ के देख रेख में हुओ सेल रांची ईकाएयों के कर्मियों ने कार्यस्थल में पारदर्शिता और सतर्कता के लिए प्रतिबद्धता प्रदर्शित किया।

राज्यपाल से कुलपति ने की मुलाकात

रांची(बिभा) : राज्यपाल-सह-झारखंड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति श्री संतोष कुमार गंगवार से आज राज भवन में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, राँची के कुलपति डॉ. तपन कुमार शांडिल्य ने भेंट की। इस अवसर पर राज्यपाल महोदय को कुलपति ने विश्वविद्यालय की अद्यतन शैक्षणिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों की जानकारी दी।

अंतर्राष्ट्रीय डिस्लेक्सिया जागरूकता माह पर लाल रोशनी से रोशन हुआ राज भवन

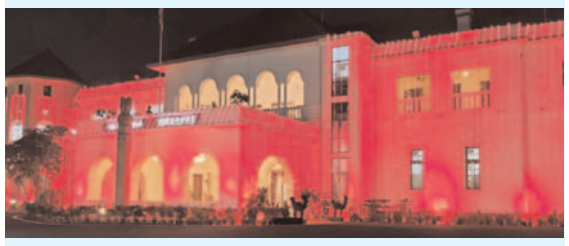

रांची(बिभा) : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार के निदेश पर अंतर्राष्ट्रीय डिस्लेक्सिया जागरूकता माह के अवसर पर डिस्लेक्सिया के प्रति जागरूकता बढ़ाने और इससे प्रभावित लोगों के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने हेतु ह्यगो रेड थीम के अंतर्गत आज राज भवन, राँची को विशेष रूप से लाल रोशनी से सजाया गया। विदित हो कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य समाज में डिस्लेक्सिया जैसी चुनौती के बारे में जागरूकता फैलाना और इसे समझने के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने को प्रोत्साहित करना है, ताकि इस स्थिति से जूझ रहे व्यक्तियों को बेहतर समर्थन और प्रोत्साहन मिल सके।

मतदाता जागरूकता हेतु साइकिल रैली निकाली गई

रांची(बिभा) : आगामी विधानसभा आम चुनाव 2024 को लेकर रांची जिला में स्वीप के तहत मतदाताओं को जागरूक करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इसी कड़ी में आज दिनांक 27 अक्टूबर 2024 को स्वीप के तहत मोरहाबादी मैदान से मतदाता जागरूकता हेतु पूरे रांची शहर में साइकिल रैली निकाली गई। इसमें मुख्य रूप से पुलिस उप महानिरीक्षक, द.छो.क्षेत्र, रांची, अनूप बिरथरे, वरीय पुलिस अधीक्षक रांची, चन्दन कुमार सिन्हा, उप विकास आयुक्त रांची, दिनेश कुमार यादव एवं जिला स्तरीय तमाम पदाधिकारियों ने बढ़- चढ़ कर हिस्सा लिया। जानकारी हो की मतदाताओं को जागरूक करने हेतु स्वीप के तहत कई कार्यक्रम करके मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा हैं।

लड़ के नहीं लिया है झारखंड, भाजपा ने सहमति से इस राज्य को बनाया है: रविंद्र राय

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष रविंद्र राय ने कहा कि कुछ राजनीतिक लोग कहते हैं कि झारखंड लड़कर लिया है। जब तक झारखंड के लिए लड़ते रहे तब तक झारखंड बना नहीं। भाजपा ने सहमति से इस राज्य को बनाया है।

रविंद्र राय ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड बनाने के लिए जब सहमति हुई तब झारखंड में लड़ाई समाप्त थी। तब आदिवासी, गैर आदिवासी, अगड़ा-पिछड़ा दलित की जो सीमाएं बनाकर अलग राज्य के नाम पर जो तफरका पैदा करने की कोशिश थी खासकर जेएमएम और कांग्रेस ने, उस सीमा की रेखा को मिटाकर जब राज्य में एक आम सहमति का निर्माण किया गया। यह काम भाजपा ने किया। इसके बाद ये राज्य का निर्माण हुआ। इसलिए मैं आज बहुत जिम्मेदारी के साथ वैसे लोगों के उन दावों को खंडन करता हूं जो कहते हैं लड़के लिया झारखंड। उनके ऐसे कहने पर आज भी बिखराव और सामाजिक विभाजन की दुर्गंध निकलती है।

उन्होंने कहा कि आज जिम्मेदारी के साथ कहता हूं कि झारखंड में सामाजिक विभाजन के साथ किसी का अपमान नहीं किया जा सकता। यहां पर समाज के सभी वर्ग, जाति, समूह के अधिकार के रक्षा की बात करती है और सबके सम्मान के रक्षा के बात करती है। हम वादा करते हैं कि इस राज्य में आदिवासी भाईयों का, गैर आदिवासी भाईयों का, दलितों का, पिछड़ों का सभी के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा होगी। सबके हितों की रक्षा होगी। झारखंड में बेमनुष्यता की भावना 2000 के पहले भी जेएमएम कांग्रेस करता था। ये लालखंड तक की बात करते थे। खेत खलिहान तक लूटते थे। उससे मुक्त कराकर के हमने अटल जी के शासनकाल में राज्य बनाया।

राय ने कहा कि आज मैं चुनाव के माहौल मैं इस बात का संदेश झारखंड की जनता को देना चाहता हूं कि हमने झारखंड बनाया है तो हमारी विशेष जिम्मेदारी झारखंड की जनता के प्रति है इसका हमको एहसास है। इस प्रकार की राजनीतिक विभाजन का जो काम हो रहा है उससे इस राज्य को बचाने की जरूरत है। एक तरफ फिर से सांप्रदायिकता को बढ़ाने का काम कांग्रेस कर रही है। जातिवाद को फैलाने का काम राजद कर रहा है। आदिवासी गैर आदिवासी की भावना को भड़काने का काम जेएमएम कर रह है।

झारखंड को झारखंड वासियों के लिए सुरक्षित रखने का काम करना चाहिए। मैं उनसे भी कहना चाहता हूं कि आप लोकतंत्र के त्योहार में आये हो तो संविधान के तहत सबकी हितों की रक्षा की बात करे। मोदी के उस दृष्टिकोण के परिपेक्ष्य में यह बात रख रहा हूं, जिसमें उन्होंने कहा है कि सबका साथ, सबका विकास। उसी प्रयास में मैं यह कहना चाहता हूं कि झारखंड में सबका मान-सम्मान और अधिकार की सुरक्षा भाजपा करेगी। आज जरूरत इस बात की है कि समाज के सभी वर्ग के लोग भाजपा का दिल खोलकर साथ दें। हमें विश्वास है कि झारखंड की जनता भाजपा के लिए समर्पित है।

झामुमो - कांग्रेस की लंका का दहन तय है : शिवराज सिंह चौहान

बिभास वाददाता

रांची : कांग्रेस नेता और मंत्री इरफान अंसारी के सीता सोरेन पर विवादित बयान को लेकर भाजपा आक्रामक है। रविवार को केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि झारखंड में मां सीता का अपमान हुआ है। उन्होंने झारखंड सरकार और मंत्री इरफान अंसारी पर निशाना साधते हुए कहा कि यह बयान सरकार की महिला-विरोधी मानसिकता को दिखाता है। उन्होंने आगे कहा कि सीता सोरेन भाजपा की सम्मानित नेता हैं, और उनका अपमान झामुमो सरकार के महिला-विरोधी रवैये को उजागर करता है।

गठबंधन सरकार पर निशाना साधते हुए शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि सीता सोरेन जी, स्वर्गीय दुर्गा सोरेन की पत्नी, शिबू सोरेन की बहू और हेमंत सोरेन की भाभी हैं। लेकिन हैरानी की बात यह है कि जिस सरकार के मुखिया हेमंत सोरेन हैं, उसी सरकार का एक मंत्री उनकी भाभी का अपमान कर रहा है।

उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा में भाभी को मां का दर्जा दिया गया है। रामायण का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि जब सीता जी का अपहरण हुआ था, तब लक्ष्मण जी से पूछा गया था कि मां सीता ने क्या पहना था। इस पर लक्ष्मण जी ने कहा था कि उन्होंने मां सीता के पैरों के अलावा कभी उनका चेहरा भी नहीं देखा। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपराओं को यहां के लोग भली-भांति जानते हैं। जब सीता जी का अपमान हुआ था, तब लंका जलकर राख हो गई थी और रावण का अंत हुआ था। लेकिन झारखंड में हर दिन सीता का अपमान हो रहा है।

श्री चौहान ने आगे कहा कि झारखंड की जनता जानती है कि रावण कौन है और यहां की कानून-व्यवस्था कैसी है। उन्होंने कहा कि राज्य में मां, बहनों और बेटियों का हर दिन अपमान हो रहा है। रुबिका और अंकिता जैसी लड़कियों के साथ हुई घटनाओं समेत राज्य में अब तक 7,400 दुष्कर्म के मामले सामने आ चुके हैं।

उन्होंने निशाना साधते हुए कहा कि हेमंत सरकार के मंत्री इरफान अंसारी ने सीता सोरेन के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल कर उनका अपमान किया है, अगर हेमंत सोरेन में जरा भी शर्म या आत्मसम्मान है, तो उन्हें तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए। लेकिन हेमंत सोरेन चुप बैठे हैं। अगर वह अपनी भाभी, जिन्हें मां का दर्जा दिया जाता है, का सम्मान नहीं कर सकते, तो झारखंड की मां, बहन और बेटियों की रक्षा कैसे करेंगे? ऐसे व्यक्ति को पद पर बने रहने का कोई हक नहीं है।

शिवराज सिंह चौहान ने मन की बात कार्यक्रम को लेकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने सायबर क्राइम के खिलाफ तथ्य रखा, ताकि जनता साइबर क्राइम से बच सके। कई बार भोले-भाले लोग ठगे जाते हैं। प्रधानमंत्री जी के दिल की चिंता देखिए कि, वो स्वयं मन की बात के माध्यम से इसकी जानकारी दे रहे हैं।

वोटर जागरूकता को लेकर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी का नायाब आइडिया

राज्य के सभी स्कूली बच्चे लिखेंगे पत्र, मम्मी-पापा वोट दो

आज 11 से 12 बजे के बीच होगा पत्र लेखन कार्यक्रम

बिभा संवाददाता

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने कहा है कि विधानसभा चुनाव को लेकर राज्य के सभी मध्य एवं उच्चतर विद्यालयों के कक्षा 6-12 के बच्चे सोमवार को अपने माता-पिता के नाम मतदान करने के लिए पत्र लिखेंगे। स्कूलों में पत्र लेखन कार्यक्रम 28 अक्टूबर को पूर्वाहन 11 से 12 बजे के बीच होगा। मतदाता जागरूकता के इस नायाब आइडिया के क्रियान्वयन का निर्देश सभी संबंधितों को दिया गया है।

उन्होंने बताया कि बच्चों द्वारा पत्र लेखन के पूर्व विद्यालय के प्रधानाध्यापक और शिक्षक उन्हें मतदान की आवश्यकता एवं इसकी महता पर सभी बच्चों को उन्मुखीकरण करना सुनिश्चित करेंगे। तय समयसीमा के भीतर पत्र लेखन कर सभी बच्चे अपने पत्र को अपने घर ले जाकर अपने माता-पिता को सौपेंगे और उनसे मतदान के दिन मतदान अवश्य करने का अनुरोध भी करेंगे।

अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. नेहा अरोड़ा ने बताया कि यह संदेश अधिक से अधिक मतदाताओं तक पहुंचे, इसके लिए सोमवार को सोशल मीडिया में हैशटैग #MummyPapaVoteDo अभियान चलेगा। उन्होंने सभी से अपील की है कि वे इस अभियान से जुड़ें और मतदाता जागरूकता के इस कार्यक्रम को सफल बनायें।

आदिवासी महिला गैर आदिवासी पुरुष से शादी कर एसटी सीट पर चुनाव लड़ना आदिवासियों की हक मारी है : डब्लू मुंडा

बिभा संवाददाता

रांची : आदिवासी समन्वय समिति के सयोजक लक्ष्मीनारायण मुण्डा एवं कांके रोड सरना समिति के अध्यक्ष डब्लू मुण्डा प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा की आदिवासियों के लिए 28 सीट आरक्षित किए गए हैं। कुछ सीट में आदिवासी महिला जो गैर आदिवासी से शादी कर चुकी है, उन्हें भी विधान सभा चुनाव के लिए टिकट दिया जा रहा है। हम सभी आदिवासी संगठन इसका पुरजोर विरोध करेंगें। बताते चलें कि जेएमएम ने भी खूंटी विधान सभा से गैर आदिवासी प्रत्याशी को टिकट दिया था, पर विरोध के बाद उसे हटा दिया गया। खिजरी विधान सभा में झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा ने भी आदिवासी महिला सरीता तिर्की, जो गैर आदिवासी जलेश्वर महतो की पत्नी

है को टिकट दिया है। इसी लोहरदगा विधानसभा से एक उम्मीदवार राजपति देवी चुनाव में खड़ी हैं, जो विजय महतो की पत्नी है। यह सीट भी आदिवासियों के लिए आरक्षित है। आदिवासियों के हक - अधिकार मारने की साजिश है।पंचायत चुनाव या विधानसभा चुनाव सभी में ऐसा हो रहा है, जो निंदनीय है। आदिवासी समन्वय समिति के अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण मुंडा ने कहा कि एक सोची-समझी रणनीति के तहत ऐसी आदिवासी महिलाएं जो गैर आदिवासी से शादी कर ली है उसको चुनाव में उतारा जा रहा है यह आदिवासियों के लिए खतरे की घंटी है। कांके रोड सरना समिति के अध्यक्ष डब्लू मुंडा ने कहा कि चुनाव आयोग, केंद्र सरकार, राज्य सरकारें और संवैधानिक संस्थाओं द्वारा इस पर ठोस निर्णय लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह आदिवासी समुदाय के संवैधानिक हक-अधिकारों पर हमला है।

कांग्रेस प्रत्याशी अजय नाथ शाहदेव ने हटिया विधानसभा के विभिन्न क्षेत्रों में जनसंपर्क किया

बिभा संवाददाता

रांची : हटिया से कांग्रेस प्रत्याशी अजय नाथ शाहदेव ने आज मधुकम,बजरा, हेहल, पुंदाग, हरमू में पदयात्रा और बैठक कर जनसंपर्क अभियान चलाया।

उन्होंने लोगों से हटिया में एक मौका देने की अपील की।श्री शाहदेव ने कहा हटिया विधानसभा राजधानी का क्षेत्र होने के बावजूद विकास में काफी पिछड़ा हुआ है। लोगों की उम्मीदों पर जनप्रतिनिधि ने पानी फेर दिया है। आम जनता समस्याओं को लेकर काफी परेशान हैं। इसलिए इस बार बदलाव के लिए वोट करें और एक मौका जरूर दें।

श्री शाहदेव ने लोगों से कहा कि महागठबंधन की सरकार ने आम

जनता के काफी काम किया है। सभी महिलाओं को सम्मान दिया, 200यूनिट की बिजली बिल की माफ कर महंगाई से जूझ रही जनता को राहत देने का काम किया, गरीबों को अबुजा आवास मिला, सभी वर्ग के बुजुर्ग महिला पुरुष को पेंशन दिया।आज से पहले किसी भी सरकार ने इतना काम नहीं किया था अतः हटिया में बदलाव के लिए और झारखंड में पुनः गठबंधन की सरकार बनाने के लिए कांग्रेस को वोट करें।

जनसंपर्क कार्यक्रम में रिशु रितेश, झामुमो नेता बीरू तिर्की, महादेव उरांव,बिगल उरांव, सतेंद्र शेखर कुमार, सुरज तिर्की,सागर सिंह, राहुल गुप्ता, नीलिमा देवी,रेणु देवी,रेखा सिंह,निरूपमा देवी, अर्चना देवी, अजय भगत, अरविंद मिश्रा,दीपू सिन्हा, राजेश गोप सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

कोल इंडिया मेडिकल कॉन्फ्रेंस संपन्न, देश के कई प्रख्यात चिकित्सक हुए शामिल

बिभा संवाददाता

रांची : सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड द्वारा 24 से 27 अक्टूबर तक सीसीएल मुख्यालय के कन्वेंशन में आयोजित कोल मेडिकल कॉन्फ्रेंस का रविवार को समापन हुआ. कॉन्फ्रेंस में कोल इंडिया की विभिन्न सहायक कंपनियों के 300 से अधिक डॉक्टर शामिल हुए. इस वर्ष के सम्मेलन का विषय स्वास्थ्य प्राथमिकताएं झ वर्तमान और भविष्य था. ये सम्मेलन राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के कई प्रतिष्ठित वक्ताओं की उपस्थिति से सुशोभित था. सम्मेलन के मुख्य आकर्षणों में कोलकाता, दिल्ली, गुरुग्राम , हैदराबाद, फरीदाबाद आदि के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ चिकित्सकों के व्याख्यान शामिल थे.

26 और 27 अक्तूबर को कोल इंडिया की विभिन्न सहायक कंपनियों के डॉक्टरों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न श्रेणियों में कुल 49 रिसर्च पेपर प्रस्तुत किए गए। जिसमे फ्री पेपर झ 06 प्रविष्टि, केस प्रेजन्टैशन झ 25 प्रविष्टि, चेयरमैन अवॉर्ड झ 06 प्रविष्टि, डीएनबी सेशन झ 12 प्रविष्टि चयनित हुए थे ।

डीएनबी श्रेणी में पहला पुरस्कार डॉ सिखा भारद्वाज, दूसरा डॉ विकसित

जयपुरियार, तीसरा डॉ महेश धनगर को दिया गया।

फ्री पेपर में प्रथम पुरस्कार डॉ गौरव कुमार,और दूसरा पुरस्कार डॉ पायल वेद्य को दिया गया।

चेयरमैन्स अवॉर्ड में प्रथम पुरस्कार डॉ नीता प्रकाश और कंसोलेशन प्राइज डॉ रितेश काले को दिया गया।

केस रिपोर्ट की श्रेणी में प्रथम पुरस्कार डॉ श्री देवी दास, द्वितीय पुरस्कार डॉ नेहा रानी और डॉ खुशबू शरण को मिला जबकि तीसरे स्थान पर डॉ मोहना मंडल और कंसोलेशन प्राइज डॉ मोहम्मद शाहिद कादरी को दिया गया।

डॉ अंकित श्रीवास्तव , राँची के प्रसिद्ध एंडोक्राइनॉलॉजिस्ट ने 26/10/2024 को एक मधुमेह कार्यशाला का संचालन किया था ।

पद्मश्री डॉ रणदीप गुलेरिया , मेदांता अस्पताल गुड़गाँव से सारकोयडॉयसिस चैलेंजेस इन डायग्नोसिस इन इंडिया पर 26/10/2024 को वर्चुअल रूप से विस्तार से व्याख्यान दिया डॉक्टर गुलेरिया ने प्रतिभागियों को क्षेत्र में हो रहे नई तकनीकी नवाचारों से भी अवगत कराया।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के, पद्मश्री डॉ जे एस तीतीयाल एक प्रसिद्ध नेत्र विशेषज्ञ है और करेंट प्राइयोरीटी ऑफ आई हेल्थकेयर एण्ड फ़्यूचर चैलेंजेज पर ऑन लाइन रूप से जुड़कर विषय विशेष के महत्व को रेखांकित किया । डॉ हृषिकेश कुमार झ वाइस प्रेसीडेंट,इंस्टिचयूट ऑफ न्यूरोसाइंसेज , कोलकाता ने 26

अक्टूबर को अप्रोच टू गेट डिसॉर्डर पर अपने विचार प्रकट किया ।डॉ हृषिकेश कुमार विषय के बारिकियों को आसान भाषा में दर्शकों के सामने रखा। डॉ प्रवीण कुमार बंसल, मेट्रो अस्पताल, फरीदाबाद, नई दिल्ली के एक जाने माने मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट है जिन्होंने ऑन्कोलॉजिकल ईमरजेनसीज पर अपने विचार प्रकट किए । डॉ कुमार ने ऑकोलॉजी से संबंधित प्रतिभागियों के पप्रश्नों के उत्तर भी दिए।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के, डॉ सिद्धार्थ सत्पथी लॉ अप्लीकेबल फॉर हॉस्पिटल्स पर विस्तृत जानकारी ऑनलाइन विडिओ कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा साझा किया । नारायणा हृदयालय , कोलकाता के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ हृदिश नारायण

चक्रवर्ती इंसुलिन थेरापी - पर्लस एण्ड पिटफाल्स पर व्याख्यान दिया। प्रोफेसर (डॉ.) दिलीप कुमार पहाड़ी - मेडिका सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, कोलकाता में नेफ्रोलॉजी विभाग में निदेशक और वरिष्ठ चिकित्सक हैं , हेमोडायलिसिस, पेरिटोनियल डायलिसिस, ग्लोमेरुलोनेफ्राइटिस और किडनी प्रत्यारोपण के विशेषज्ञ हैं। उन्होंने डायलीसिस सेंटर इन टर्शीयरी केयर हॉस्पिटल पर व्याख्यान दिया ।

डॉ. सौरव दत्ता कोलकाता में सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट हैं। 22 वर्षों के अनुभव के साथ, वह वर्तमान में मेडिका सुपरस्पेशलिटी अस्पताल, कोलकाता में वरिष्ठ सलाहकार और निदेशक के रूप में कार्यरत हैं। करेंट सिनारियों एण्ड फ़्यूचर ऑफ कैंसर केयर इन ईस्टर्न इंडिया पर प्रस्तुति दिया ।

डॉ संजीब कुमार बेहरा- क्लिनिकल निदेशक एवं विभागाध्यक्ष अस्थि रोग, केयर हॉस्पिटल , हैदराबाद मे कार्यरत हैं। ये जॉइन्ट रिपलेसमेंट, अरथरोस्कोपी, ट्रॉमा शोल्डर स्पाइन एलबों एवं एंकल सर्जरी के विशेषज्ञ हैं. इनकी विडिओ प्रस्तुति मिनी पोसटीरियर अप्रोच इन्सिजन टी एच आर विषय पर आधारित थी ।

डॉ (ब्रिगेडियर) अरविन्द कुमार त्यागी, निदेशक सर्जिकल ऑन्कोलॉजी और रोबोटिक सर्जरी, यशोदा हॉस्पिटल गाजियाबाद, ने कई वर्षों तक सशस्त्र सैनिक बल हॉस्पिटल्स मे अपना योगदान दिया है। उनकी प्रस्तुति का विषय स्पेक्ट्रम ऑफ ऑनकोलॉजी पर थी ।

डॉ आर के राय ,सी ई ओ एण्ड फाउंडर ट्रस्टी, बिरसा इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस एण्ड रिसर्च , खूंटी , झारखंड । चैलेंजेज ऑफ हॉस्पिटल सिस्टम इन प्रेजेंट मिलेनीयम पर अपने विचार साझा किया ।

डॉ भरत सिंह ने समारोह के अंत में सभी प्रतिभागियों एवं विषय विशेषज्ञों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

संक्षिप्त खबरें

आज हैदराबाद में सम्मानित होंगे ब्लड मैन सलूजा

यंग इंडियन सेवा पुरस्कार 2024 के सम्मान से नवाजे जाएंगे ब्लड मैन सलूजा

बोकारो : यंग इंडियन ब्लड डोनर्स क्लब, हैदराबाद, तेलंगाना द्वारा एक राष्ट्रीय सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस सम्मान समारोह में झारखंड से ह्यूमैनिटी सेवियर्स के संस्थापक अध्यक्ष श्री हरबंश सिंह सलूजा को यंग इंडियन सेवा पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया जाएगा। इस सम्मान समारोह में देश के सभी राज्यों के रक्तदान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली संस्थाओं को सम्मानित किया जाएगा। झारखंड की सामाजिक संस्था ह्यूमैनिटी सेवियर्स, बोकारो के संस्थापक अध्यक्ष श्री हरबंश सिंह सलूजा को उनके द्वारा किए जा रहे निस्वार्थ रक्त सेवा हेतु इस राष्ट्रीय सम्मान के लिए चयनित किया गया है। विश्व रिकार्ड धारक श्री हरबंश सिंह सलूजा ने कहा कि हमारी संस्था पिछले 16 वर्षों से रक्तदान के क्षेत्र में एवं अन्य सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर सेवा कार्य कर रही है। हमारे निस्वार्थ सेवा कार्यों को देखते हुए हैदराबाद, तेलंगाना में हमें राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। मैं बोकारो के सभी रक्तदाताओं का आभार प्रकट करता हूं जिनके सहयोग से हमारी संस्था पूरे देश एवं दुनिया में बोकारो, झारखंड का परचम लहरा रही है।

सेक्टर 8 बी स्थित ईवीएम वज्रगृह को किया गया सील

बोकारो : बोकारो स्टील सिटी के सेक्टर 08 बी. स्थित डीएवी इस्पात पब्लिक स्कूल स्थित ईवीएम वज्रगृह को आयोग के दिशा झ्र निदेर्शानुसार मान्यता प्राप्त विभिन्न राजनीतिक पार्टी प्रतिनिधियों की उपस्थिति में सील किया गया। मौके पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी डीईओ सह डीसी बोकारो विजया जाधव, पुलिस अधीक्षक मनोज स्वर्गियारी, निवार्ची पदाधिकारी 34 गोमिया विधानसभा क्षेत्र सह अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, निवार्ची पदाधिकारी 35 बेरमो विधानसभा क्षेत्र सह एसडीओ बेरमो मुकेश मछुआ, निवार्ची पदाधिकारी 36 बोकारो विधानसभा क्षेत्र सह एसडीओ चास सुश्री प्रांजल ढ़ांडा, निवार्ची पदाधिकारी 37 चंदनकियारी विधानसभा क्षेत्र सह डीसीएलआर चास प्रभाष दत्ता, जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रेमचंद सिन्हा समेत ईवीएम कोषांग के नोडल पदाधिकारी मो. सफीक आलम/ पियुष आदि उपस्थित थे। मौक पर ईवीएम वज्रगृह को सील करते हुए चाबी संबंधित क्षेत्र के निवार्ची पदाधिकारी (आरओ) को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त द्वारा सुपूर्द किया गया। विभिन्न राजनीतिक पार्टी प्रतिनिधियों में झारखंड मुक्ति मोर्चा, भारतीय जनता पार्टी, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल आदि के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

भटके हुए बालक को टीटीई ने बोकारो आरपीएफ को सौंपा

बोकारो : दक्षिण पूर्व रेलवे के बोकारो स्टेशन पर ट्रेन संख्या 12801 से एक बालक, जिसका नाम ₹प्रिंस राज₹ है, गलती से यात्रा करते हुए बोकारो पहुँच गया। उक्त बालक के पिता का नाम ₹रामबली कुमार₹ और पता ₹ग्राम - सादिकपुर, तहसील - नालंदा, बिहार₹ है। बालक के साथ हुई इस घटना का संज्ञान लेकर टीटीई संजय कुमार, जो बोकारो में कार्यरत हैं, ने तत्परता से कार्य करते हुए बालक को रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) पोस्ट बोकारो को सौंप दिया। यह सराहनीय कार्य श्री संजय कुमार के द्वारा दशार्ता है कि रेलवे कर्मचारी यात्रियों की सुरक्षा के प्रति सजग और प्रतिबद्ध हैं। इस मामले में, बालक के संरक्षक के कल तक आकर उसकी अभिरक्षा लेने की संभावना है।

एनजेसीएस के द्वारा आज सेल्व्यापी हड़ताल

बोकारो : इंटक, एटक ,सीटू, एचएमएस और बीएमसी के यूनियनों द्वारा सेल प्रबंधन की मनमानी और तानाशाह रवैया के खिलाफ 28 अक्टूबर को सेल्व्यापी हड़ताल का आहवन किया है इस हड़ताल को सफल बनाने के लिए ट्रेड यूनियन संयुक्त मोर्चा द्वारा बोकारो स्टील प्लांट के मजदूर ठेका मजदूरों के बीच को कोको अवन प्लांट से लेकर सी आर एम तक लगातार शॉप मीटिंग चलाया गया जिसमें हजारों हजार मजदूरों ने भाग लिया प्रबंधन की मनमानी के खिलाफ मजदूरों में काफी आक्रोश है 26 अक्टूबर को ई डी वर्क्स कार्यालय के समक्ष हजारों मजदूरों ने हजारों प्रदर्शन किया. 25 अक्टूबर को मुख्य श्रम आयुक्त केंद्रीय द्वारा हड़ताल नोटिस पर वार्ता के लिए दिल्ली में बैठक बुलाई गई इसमें प्रबंधन ने उच्च पदाधिकारी के साथ-साथ इंटक एटक सीटू, एचएमएस और बीएमसी के पदाधिकारी ने भाग लिया घंटे देर तक चली वार्ता में पूर्व के भांति सेल प्रबंधन के नकारात्मक रवैया देखने को मिला, 39 माह के एरिया का भुगतान करने के संबंध में प्रबंधन ने इस स्तर तक चली गई इसकी आप कल्पना भी नहीं कर सकते लिखित रूप में मुख्य श्रम आयुक्त को प्रबंधन ने कहा कि 39 माह का एरिया प्राप्त करने के लिए मजदूर हकदार ही नहीं. ऐसा कहकर प्रबंधन अपने द्वारा किए गए मेमोरेंडम आफ अंडरस्टैंडिंग का ही उलट रही है इसे मजदूर कभी भी बर्दाश्त नहीं कर सकते वार्ता विफल हो गई. इसलिए 28 अक्टूबर को सेल्व्यापी हड़ताल को जारी रखने का निर्णय पांचो यूनियन ने लिया है मजदूर काफी आक्रोश है ट्रेड यूनियन संयुक्त मोर्चा बोकारो के सभी संगठन से अपील करती है कि 28 अक्टूबर की हड़ताल को. सफल बनाने के लिए सक्रिय सहयोग दें हड़ताल पर यह हड़ताल मजदूरों के जीवन मरण की लड़ाई है.

इंडियन अकादमी ऑफ पेडियाट्रिस दिवस का हुआ आयोजन

चिकित्सा विज्ञान के विशेषज्ञों के द्वारा साझा किये गये विचारों से गंभीर बीमारियों के इलाज मे सहायता मिलेगी:डॉ मुश्ताक

बिभा संवाददाता

बोकारो : इंडियन अकादमी ऑफ पेडियाट्रिस, झारखंड द्वारा 23 वाँ झारखंड पेडियाट्रिस 24, का आयोजन हंस पैलेस, बोकारो मे समापन किया गया। इस आयोजन में एनआईवी एवं हाई रिस्क न्यूबोर्न पर प्री कांफ्रेंस प्रयोगशाला का आयोजन किया गया, जिसमे सांस से संबंधित समस्याओं तथा गंभीर बीमारी से ग्रषित नवजात के बारे मे विस्तार से चर्चा की गयी एवम्-उनके निवारण मे एनआईवी की भूमिका और संचालन हेतु झारखंड तथा अन्य राज्यों के विभिन्न छेत्रों से आये शिशु रोग विशेषज्ञों को प्रशिक्षण दिया गया। 26/10/2024 और 27/10/2924 को नवजात एवं शिशु रोग विशेषज्ञों ने अपने विचारों को साझा किया। साथ ही इसमें पी० जी ० क्विज एवं पोस्टर प्रेजेंटेशन का भी आयोजन किया गया जिसमे विभिन्न स्थानों से आये हुए प्रसिक्षु चिकित्सको ने भाग लिया और जितने वालो को पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर आयोजन के संचालक डॉ मुश्ताक ने कहा कि इस सम्मेलन मे देश के बड़े बड़े चिकित्सा विज्ञान के विशेषज्ञों के द्वारा साझा किये गये विचारों से गंभीर बीमारियों के इलाज मे सहायता मिलेगी। अध्यक्ष डॉ इंद्रनील चौधरी ने कहा की बच्चों मे होने वालि जटिल बिमारियों पर देश- विदेश मे हो रही चिकित्सा पधति पर नई शोधों एवं अनुशंधान पर विस्तार से चर्चा हुई। इन सभी चीजों से चिकित्सको के कार्यक्षमता एवं विशेषज्ञता मे बढ़ोतरी होगी जो कि विभिन्न रोगों के बेहतर इलाज में मददगा साबित होगी।

आयोजन समिति के सचिव डॉ एल ० के ० ठाकुर ने सभी स्तर के अतिथि विशेषज्ञों के शोध पत्र एवं व्यख्यान के बारे में विस्तार से बताया। मौके पे मुख्य अतिथि डॉ उपेंद्र किंजवाडेकर, केंद्रीय आईएपी अध्यक्ष 2023, मुख्य अतिथि वीपी आईएपी पूर्वी क्षेत्र, ईबी झारखंड, झारखंड आईएपी अध्यक्ष, झारखंड आईएपी सचिव, आयोजन सचिव और सचिव आईएपी बोकारो जिला शाखा डॉ एल के ठाकुर, आयोजन अध्यक्ष और अध्यक्ष आईएपी बोकारो जिला शाखा डॉ इंद्रनील चौधरी, आयोजन कोषाध्यक्ष डॉ संजय सिंह मौजूद रहे।

रेलवे सुरक्षा बल ने वीर शहीदों के सम्मान में डिजिटल मेमोरियल ऑफ वेलोर शुरू किया

बिभा संवाददाता

बोकारो : डिजिटल स्मारक नागरिकों को हमारे शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए व्यापक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए एक मंच प्रदान करेगा। यदि आपको लगता है कि देश की रक्षा करने वाले जवान हमारे असली नायक हैं और आप उन विस्मृत नायकों को भावभीनी श्रद्धांजलि देना चाहते हैं जिन्होंने हमें आराम देने के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया है तो आप ऐसा कर सकते हैं। भारतीय रेलवे के तहत रेलवे सुरक्षा बल, एक अर्धसैनिक बल ने एक 'डिजिटल मेमोरियल ऑफ वेलोर' शुरू किया है जहां आप किसी शहीद की तस्वीर को पुष्पांजलि और मोमबत्ती से डिजिटल रूप से सजा सकते हैं। 'डिजिटल मेमोरियल ऑफ वेलोर' अपने साहसी कर्मियों के बलिदान का सम्मान करने के लिए एक वेबसाइट है जिसे 25 अक्टूबर, 2024 को नई दिल्ली में शुरू किया गया है। यह एक अनूठा डिजिटल प्लेटफॉर्म है जहां नागरिक बल के शहीदों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित कर सकते हैं। यह अभिनव वेबसाइट 21 अक्टूबर को पुलिस स्मरणोत्सव दिवस के पश्चात शहीद स्मृति सप्ताह का भाग है।

यह वेबसाइट उन शहीदों को याद और स्मरण करने का एक औपचारिक स्थान प्रदान करती है क्योंकि इस पर उपयोगकर्ता शहीदों की तस्वीरों को पुष्पमाला और मोमबत्ती से डिजिटल रूप से सजाकर उन्हें श्रद्धांजलि दे सकते हैं। आगंतुक रेलवे सुरक्षा बल के वीर नायकों के सर्वोच्च बलिदान को याद कर सकते हैं और उनके लिए प्रार्थना कर सकते हैं। वेबसाइट पर पिछले वर्ष शहीद हुए बल के 14 शहीदों की तस्वीरें, नाम और रैंक हैं और इस वेबसाइट पर रेलवे सुरक्षा बल तथा रेलवे सुरक्षा विशेष बल (आरपीएसएफ) के 1,011 शहीदों की एक सूची है जिन्होंने राष्ट्र की सेवा में अपने प्राणों की आहुति दी है।

यह सरकार की 'डिजिटल इंडिया' पहल के अनुरूप 'डिजिटल मेमोरियल ऑफ वेलोर' उन लोगों के लिए एक मंच है जो वास्तव में ऐसे कार्यक्रमों में भाग लेने में असमर्थ हैं। यह डिजिटल पोर्टल बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए एक मंच प्रदान करेगा। श्रद्धांजलि अर्पित करने के अलावा, यह वेबसाइट उपयोगकताओं को 'रेलवे सुरक्षा बल में शहीदों क सूची' की डिजिटल प्रति की सदस्यता लेने के लिए आमंत्रित करती है। यह डिजिटल प्रति 28 अक्टूबर, 2024 को जारी की जाएगी। इस सूची में रेलवे सुरक्षा बल के उन कर्मियों की कहानियां होंगी जिन्होंने पिछले वर्षों में राष्ट्र की सेवा में अपने प्राणों की आहुति दी है। वेबसाइट शुरू करने के अवसर पर बोलते हुए, श्री मनोज यादव, महानिदेशक, रेलवे सुरक्षा बल ने कहा, ₹इनमें से प्रत्येक नायक ने अपने प्राणों की आहुति दी है ताकि दूसरे सुरक्षित रह सकें। यह स्मारक हमारी चिरस्थायी कृतज्ञता का एक प्रतीक है और यह हमें याद दिलाता है कि वीरता की उनकी विरासत कभी विस्मृत नहीं होगी। उनका साहस और बलिदान हमें हमेशा प्रेरणा देंगे। आज जब हम इन वीरों का सम्मान कर रहे हैं तो हम उसी समर्पण के साथ राष्ट्र की सुरक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हैं जिसका उन्होंने उदाहरण प्रस्तुत किया।₹श्री मनोज यादव, महानिदेशक, रेलवे सुरक्षा बल ने अपने शहीदों की विरासत को सम्मान देने के लिए रेलवे सुरक्षा बल के निरंतर प्रयासों के तहत इस साल सितंबर में पुलिस दल का नेतृत्व करते हुए लद्दाख में हॉट स्प्रिंग स्मारक का दौरा किया।

बीजीएच में ऑटोमेटेड बायो-केमिस्ट्री एंड हिमेटोलॉजी एनालाइजर का शुभारम्भ

बिभा संवाददाता

बोकारो : बीजीएच में ऑटोमेटेड बायो-केमिस्ट्री एंड हिमेटोलॉजी एनालाइजर तथा हाई प्रेशर लिक्विड क्रोमेटोग्राफी (एच पी सी एल) जैसी अत्याधुनिक उपकरणों का शुभारम्भ निदेशक प्रभारी श्री बीरेंद्र कुमार तिवारी द्वारा किया गया. इस मौके पर अधिशासी निदेशक सी आर महापात्रा, सुरेश रंगानी पी के रथ, बी जी एच के प्रभारी डॉ बी बी करुणामय, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ आनंद कुमार एवं डॉ अनिन्दा मण्डल, डॉ वर्षा घनेकर, डॉ श्रवण कुमार, डॉ सुरेंद्र कुमार, डॉ गजेंद्र कुमार सिंह के साथ वरीय चिकित्सक एवं चिकित्साकर्मी उपस्थित थे.

ऑटोमेटेड बायो-केमिस्ट्री एंड हिमेटोलॉजी एनालाइजर तथा हाई प्रेशर लिक्विड क्रोमेटोग्राफी (एच पी सी एल) मशीन के द्वारा हीमोग्लोबिन सम्बंधित अनुवांशिक बिमारियों जैसे थैलिसिमिया, सीकल सेल एनिमिया जैसी गंभीर रोगों की पहचान एवं जानकारी आसानी से मिल सकेगी. जैसा कि सर्वविदित है बी जी एच में बोकारो के परिक्षेत्रीय के मरीज भी बड़ी संख्या में अपने इलाज के लिए आते हैं तथा इस प्रकार की अत्याधुनिक जाँच प्रणाली की सुविधा सभी के लिए काफी उपयोगी सिद्ध होगी.

विश्व हिंदू परिषद बोकारो महानगर के तत्वाधान में दुर्गा पूजा पूजनोत्सव का कार्यक्रम संपन्न

बिभा संवाददाता

बोकारो. जगन्नाथ मंदिर के प्रांगण में विश्व हिंदू परिषद बोकारो महानगर के तत्वाधान में दुर्गा पूजा पूजा पूजनोत्सव का कार्यक्रम संपन्न हुआ।कार्यक्रम की शुरूआत भारत माता की तस्वीर पर माल्यार्पण कर किया गया।

दुर्गा वाहिनी की प्रदेश संयोजिका श्रीमती अनुराधा एवं सभी अतिथियों ने बेटी के नाम एक दिया जलाकर सकारात्मक संदेश देने का काम किया।

मुख्य अतिथि चंद्रकांत राजपथ ने अपने संबोधन में कहा कि विश्व हिंदू परिषद विश्व की सबसे बड़ी हिंदुओं की संस्था है । विश्व में हिंदुत्व का लोक जागरण अभियान चल रहा है विदेश में भी हिंदू धर्म का प्रचार प्रसार तेजी से हो रहा है । उन्होंने कहा कि बजरंग दल विश्व हिंदू परिषद की युवा इकाई है विश्व में बजरंग दल एक अनुशासित हिंदू समाज के रक्षा के लिए कार्यरत है । बजरंग दल के कार्यकर्ता हमारी लोक आस्था धार्मिक परंपराओं और हिंदुत्व की रक्षा के लिए अपना बलिदान देने तक को तैयार है।

उन्होंने कहा कि देश की मौजूदा स्थिति में हिंदुत्व जागरण का अभियान तेज करने की जरूरत है अगर हिंदू सबल हुआ तो देश सबल होगा । हिंदू कमजोर हुआ तो देश कमजोर होगा इसलिए संपूर्ण भारतवर्ष के कोने-कोने से हिंदुत्व को मजबूत करने सनातन को मजबूत करने की आवाज एक साथ उठ रही है । हमें इसको मजबूती प्रदान करनी है और इसी की कड़ी में बोकारो महानगर ने आप सबको सम्मानित करने का कार्यक्रम बनाया है जो की एक सराहनीय कार्यक्रम है। प्रदेश अध्यक्ष ने जिले के प्रमुख कार्यकताओं को भी भगवा पट्टा देकर सम्मानित किया सम्मानित होने वालों में से बजरंग दल के जिला संयोजक अजीत पांडे ,अनिल सिंह,लालेश सिन्हा,आशा, राजेश कुमार ,प्रशांत द्वेदी ,राहुल मोदी, दीपक पाठक, सितेश आजाद ,चंदन मोनू ,रवि मिश्रा, कुणाल चक्रवर्ती, राकेश मोदक शामिल थे।कार्यक्रम की अध्यक्षता बोकारो महानगर के जिला अध्यक्ष राजेंद्र विश्वकर्मा ने की एवं संचालन जिला मंत्री संजीव कुमार ने किया।

सही नीति और नीयत से हर संघर्ष में विजय संभव: राजेंद्र सिंह

बिभा संवाददाता

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र में एच.एस.सी.एल के नाम पर वर्षो से चली आ रही मजदूरो के शोषण पर अब पूरी तरह से पूर्ण विराम लग गया।सेल/ बोकारो इस्पात के ट्रैफिक विभाग के मजदूरों को आखिरकार मिला मिनिमम वेज। मामले की जानकारी देते हुए संघ के महामन्त्री सह सदस्य एनजेसीएस श्री राजेंद्र सिंह ने कहा कि हाँलाकि क्रान्तिकारी इस्पात मजदूर संघ (एचएमएस) के प्रयास और मजदूरों की एका के कारण कुछ दिनों पहले हीं युनियन और प्रबंधन के समझौता हो चुका था कि अब एच.एस.सी.एल. में कार्यरत ठेका मजदूरों के पेमेंट की जवाबदेही सेल/बोकारो इस्पात संयंत्र की होगी और इस माह के पेमेंट के साथ उक्त समझौते पर मुहर भी लग गई।मजदूरो के हक और अधिकार की प्राप्ति हीं किसी भी जीवन्त संगठन का लक्ष्य होना चाहिए। ट्रैफिक विभाग के मजदूरो ने भी कठिन संघर्ष किया बहुत सारी मुश्किलों के बावजूद इन्होने अपनी एका बनाये रखा।हम सभी मजदूरो को कोटि-कोटि धन्यावाद देते हैं जिन्होने एकता के बदौलत अनहोनी को भी होनी मे बदल डाला।

मिनिमम वेज के भुगतान और अपनी जीत के बाद मजदूर भी काफी जोश और उत्साह मे दिखे। अन्य संगठन के मजदूर भी पुराने युनियन को छोड़कर संघ की सदस्यता ग्रहण की।संघ के प्रधान कार्यालय जनवृत 9 में सभी ठेका मजदूरों ने संघ के महामन्त्री एवं पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया।लड्डुओं एवं बफीर्यो से एक दूसरे का मुँह मिठा कराया।

मौके पर सैकड़ो मजदूरो के साथ आर.के.सिंह, सुभाषचंद्र कुम्भकार, शशिभूषण,अशोक चौधरी,मनोज कुमार महतो, बलदेव महतो,गौतम कुमार मंडल, जगदीश महतो, शकील अहमद, रमेश सिंह, अम्बिका महतो, एन.एन.पाण्डेय, विजय रजक, कमरुद्दीन अंसारी, काशी मोहली, याकुब अंसारी, एनुल मियाँ, रामेश्वर सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

ओएनजीसी के तत्वाधान में फिट इंडिया कार्यक्रम के तहत दौड़ प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

बिभा संवाददाता

बोकारो : ओएनजीसी सीबीएम परिसंपत्ति,बोकारो द्वारा फिट इंडिया कार्यक्रम के तहत दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन जेवियर्स ग्राउंड अंतर्गत कार्मिकों एवं पारिवारिक सदस्यों हेतु मानव संसाधन विभाग एवं क्रीड़ा अनुभाग के संयुक्त सहयोग से आज आयोजित किया गया।

इस आयोजन का शुभारंभ ओएनजीसी के कार्यकारी निदेशक -परिसंपत्ति प्रबंधक श्री आदित्य जौहरी द्वारा फिटनेस शपथ कार्मिकों एवं पारिवारिक सदस्यों को दिलवाया गया।

इस अवसर पर श्री जौहरी ने अपने उद्बोधन में कहा कि ₹ आज के भागदौड़ भरी जीवनशैली में शारीरिक ऊर्जा को बरकराकर रखने हेतु इस तरह का प्रतियोगिता महत्वपूर्ण है।

इस कार्यक्रम में 03 वर्ष के बच्चे,10वर्ष के बच्चे, 30 वर्ष के नीचे ,45 वर्ष के नीचे एवं 50 वर्ष के ऊपर कार्मिकों हेतु अलग -अलग वर्ग में दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

परिसंपत्ति प्रबंधक महोदय द्वारा विजित प्रतिभागियों को मेडल पहनाकर कार्मिकों ,बच्चों एवं पारिवारिक सदस्यों को प्रोत्साहित किया गया।ध्यातव्य हो कि ओएनजीसी,बोकारो ने खेल एवं युवा मंत्रालय के निर्देश के तहत यह आयोजन प्रभारी मानव संसाधन, दयानंद कालुंडिया एवं खेल समन्वयक अनूप मिंज द्वारा संचालित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से भूतल प्रबंधक असीम कुमार,उपतल प्रबंधक आलोक दास,परिसंपत्ति आलंबन प्रबंधक बलवीर सिंह,प्रमुख मानव संसाधन दयानंद कालुंडिया,कूप सेवाएं प्रमुख दिलीप कुमार एवं अन्य अधिकारी,कर्मचारी व पारिवारिक सदस्यों की सहभागिता रही।कार्यक्रम का संचालन खेल समन्वयक अनूप मिंज द्वारा किया गया ।

भाषा- खतियान आंदोलनकारी विस्थापितों को दिलाएंगे न्याय : इमाम सफी

बिभा संवाददाता

बोकारो : भाषा- खतियान आंदोलनकारी इमाम सफी लड़ेंगे बोकारो से चुनाव। विस्थापितों को दिलाएंगे न्याय। 28 अकटुबर को करेंगे नामांकन

भाषा-खतियान आंदोलनकारी इमाम सफी लड़ेंगे बोकारो से चुनाव। 28 अक्टुबर सोमवार को नामांकन कराएंगे । उन्होंने बिरसा चौक, नया मोड़ से प्रेस को संबोधित करते हुए कहा बोकारो के विस्थापितों के साथ केन्द्र व राज्य सरकार ने विश्वासघात किया है। मानों उनके सीने में लोहा गलाया जा रहा है और उसे तड़पा-तड़पा कर मारा जा रहा है। एक तरफ बाहरियों को खटाल लगाकर बसाया जा रहा है वहीं दुसरी तरफ रैयतों के घरों में बुलडोजर चलाया जा रहा है। बीजेपी धर्म की गंदी राजनीति कर रही है वहीं कांग्रेस व जेएमएम की सरकार जेपीएससी,जेएसएससी की सीटें बेंच रही है और भ्रष्टाचार की गंगा बहा रही है। उन्होंने बोकारो की जनता से अपील की है एक बार विश्वास करें, बदलाव के लिए वोट करें। बोकारो को खटाल मूक्त करेंगे और हरेक विस्थापितों को तीसरी और चौथी ग्रेड नौकरियों में सेल में नियोजित कराएंगे।

संक्षिप्त खबरें

राँची विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय पिस्तौल, राइफल निशानेबाजी का आयोजन

खूँटी । बिरसा कॉलेज खूँटी के तत्वावधान में राँची विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय पिस्तौल, राइफल प्रयास निशानेबाजी पुरुष महिला का खूँटी राइफल क्लब में निशानेबाजी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कुल पाँच महाविद्यालय के प्रतिभागी भाग लिये। जिसमें संत जेवियर महाविद्यालय राँची, गॉस्नर महाविद्यालय राँची, एस एस मेमोरियल कॉलेज राँची, राँची महिला कॉलेज राँची तथा बिरसा कॉलेज खूँटी के प्रतिभागी शामिल थे। इस कार्यक्रम में कुल 12 बारह प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों में बिरसा महाविद्यालय खूँटी के लाल रोहित नाथ शाहदेव एवम् अपूर्वा कुमार महतो, महिला कॉलेज राँची की पुष्पांजलि शर्मा, गॉस्नर कॉलेज राँची के अभी राज, प्रयत लकड़ा, संत जेवियर कॉलेज राँची के आयुष खपरड़ा का अच्छा प्रदर्शन रहा। इस आयोजन में मुख्य अतिथि कॉलेज की प्राचार्य प्रो जी के किड़ो चयनकर्ता पीटर मुंडू आयोजन सचिव राज कुमार गुप्ता राइफल क्लब के अनुज कुमार घनश्याम मिश्रा इत्यादि उपस्थित थे।

गुड़गुड़चुआँ में हॉकी डंडा व पोशाक का किया गया वितरण

खूँटी । तोरपा थाना अंतर्गत ग्राम गुड़गुड़चुवाँ में सामुदायिक पुलिसिंग के तहत खिलाड़ियों के बीच हॉकी स्टिक एवं जर्सी का वितरण किया गया। इस हॉकी खेल प्रतियोगिता में 26 दलों ने भाग लिया। इस दौरान कार्यक्रम में उपस्थित होकर तोरपा थाना प्रभारी द्वारा मैच देखने आए लोगों के बीच सड़क सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, अवैध अफीम की खेती नहीं करने, नशा पान नहीं करने, डायल - 112/1930 से संबंधित विषयों पर जानकारी दिया गया।

नशा पान और अंधविश्वास छोड़ आगे विकास करने के लिए दिया गया जानकारी

खूँटी । जिले में अफीम उत्पादन के कारण हो रहे दुष्परिणाम पर थाना अंतर्गत ग्राम पोसया में रविवार को खूँटी थाना प्रभारी द्वारा ग्रामीणों को जानकारी दिया गया। वहीं नशा पान के कारण अंधविश्वास से ग्रसित ग्रामीणों को जनजागरण करते हुए डायन बिसाही जैसे कुविचारों से हटने के लिए कहा गया। मौके पर किसी प्रकार हो रहे ऐसी घटनाओं की जानकारी देने के लिए डायल- 112 करने संबंधित बिषयों पर जागरुक किया गया। इधर, मुरहु थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मलियादा, लोवाडीह में अवैध शराब बिक्री के विरुद्ध छापामारी कर लगभग 90 लीटर महुआ शराब नष्ट किया गया।

जिले के विभिन्न क्षेत्रों में महुआ शराब के विरुद्ध किया गया जबरदस्त कार्रवाई

खूँटी । मुरहू थाना अंतर्गत ग्राम बिंदा में शनिवार को ग्रामीणों के बीच अवैध अफीम की खेती नहीं करने, अवैध अफीम खेती के दुष्परिणाम, मानव तस्करी, मॉब लिंचिंग, डायन बिसाही कुप्रथा से संबंधित विषयों पर जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान में ग्राम प्रधान, सचिव एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। वहीं तोरपा थाना अंतर्गत ग्राम टाटी में अवैध शराब बिक्री के विरुद्ध छापामारी कर भारी मात्रा में जावा महुवा नष्ट किया गया। रनिया थाना अंतर्गत ग्राम गढ़सिदाम मुंडा टोली में लगभग 450 किग्रा जावा महुवा एवं 50 लीटर महुवा शराब नष्ट किया गया। इधर, अड़की थाना अंतर्गत ग्राम तीनतिला मुरगुडीह में लगभग 3000 किग्रा जावा महुवा एवं 50 लीटर महुवा शराब नष्ट किया गया।

देहाती हाटों में सजने लगा है सोहराय बाजार

बिभा संवाददाता

खूँटी । त्योहारों का पवित्र कार्तिक माह में होनेवाले त्यौहार दीपावली, सोहराय, गोराय, गोवर्धन आदि। पर्वों के लिए लोग तैयारी करने लगे हैं। वहीं देहाती साप्ताहिक बाजारों में इन त्योहारों में उपयोग होनेवाले सामग्रियों की खरीदारी करने बाजार में अभी से ही जाने लगे हैं। क्योंकि कहीं कहीं त्यौहार का अंतिम बाजार हो रहा है। जिसमें क्षेत्र में धूमधाम से मनाया जाने वाला त्यौहार सोहराय पर्व खूँटी जिले में एक अलग ही महत्व रखता है। जिसमें किसान, गोपालक, मवेशी पालक आदि लोग सोहराय पर्व

धूमधाम से मनाते हैं। जिसके सामानों की खरीदारी के लिए बाजार पहुंच रहे हैं। वही बाजार में सोहराय पर्व के समान गाय के माला, धूप धुवन, अबीर, करंज तेल, कौड़ी आदि के बाजार में बिक्री हो रही है। जिसमें रविवार को सोहराय बाजार में जहाँ दुकानें सजी थी तो वहीं काफी दूर दूर से लोग खरीदारी करने बाजार में पहुँचे। स्थानीय व्यक्ति वीरेंद्र सिंह ने बताया कि जम्हार बाजार बृहस्पतिवार और रविवार को लगता है। जो किया क्षेत्र का बड़े बाजारों में से एक है। इस बाजार में दूर-दूर से लोग खरीदारी करने के लिए आते हैं। वहीं कई क्षेत्रों से ट्रेन से भी चढ़कर बाजार करने जम्हार गोविंदपुर रोड आते हैं। आजकल ट्रेन के अलावा छोटे यात्री वाहन भी चलती है। जिसके कारण आवागमन भी सुलभ हो गया है। वहीं उन्होंने कहा कि बाजार और भी तौर तरीके से लगता लोग सड़क को भी इंक्रॉचमेंट न करके संकरा राह नहीं करते तो और भी अच्छा होता। उन्होंने बताया कि त्यौहार का बाजार बहुत ही अच्छा रहता है।

भाजपा महिला मोर्चा ने मुरहू में की जनसम्पर्क

बिभा संवाददाता

खूँटी । विधानसभा निर्वाचन के दौर में जैसे जैसे मतदान की तिथि निकट आती जा रही है दलगत कार्यकताओं द्वारा अपने पक्ष में मतदान कराने के लिए जनता के बीच जाने लगे हैं। वहीं इसी क्रम में रविवार को भाजपा महिला मोर्चा की मण्डल अध्यक्ष रीता देवी की अगुवाई में कार्यकताओं ने मुरहू प्रखंड के बस्ती में जन संपर्क अभियान चलायी। जिसमें भाजपा के जिसमे मुख्य अतिथि पूर्व सांसद बिलासपुर विधानसभा प्रवासी कार्यकर्ता लक्ष्मण लाल साहू शामिल थे। मुरहू प्रखंड के महिला मोर्चा के अध्यक्ष रीता देवी द्वारा आयोजित किया गया । इस कार्यक्रम में सुजीत वर्मा मुरहू प्रखंड के महामंत्री भुनेश्वर मांझी , पूर्व मण्डल अध्यक्ष सुरेश भगत, पंचायत अध्यक्ष सुनील साहू सहित महिला मोर्चा के सदस्य शामिल थी।

कुडू उप प्रमुख ऐनुल अंसारी ने किया डॉ रामेश्वर उरांव के पक्ष में सलगी एवं बड़कीचांपी पंचायत के विभिन्न गांवों में जनसंपर्क और बैठकें

लोहरदगा की जनता डॉ रामेश्वर उरांव को इस बार भी दिलाएंगे ऐतिहासिक जीत : ऐनुल अंसारी

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। इंडिया गठबंधन की ओर से लोहरदगा विधानसभा सीट पर एक बार फिर से डॉ रामेश्वर उरांव को अपना उम्मीदवार बनाया है। इधर कुडू प्रखंड के उप प्रमुख ऐनुल अंसारी के नेतृत्व में लोहरदगा विस क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न गांवों में जनसंपर्क अभियान और बैठक आयोजित कर यूपीए गठबंधन प्रत्याशी डॉ रामेश्वर उरांव की ऐतिहासिक जीत सुनिश्चित कराने को लेकर अपील किया गया। इस बीच कुडू प्रखंड के उप प्रमुख ऐनुल अंसारी प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत सलगी के कोलपारा गांव

बड़कीचांपी पंचायत के जरियों समेत अन्य गांवों में लगातार जनता से सीधा संवाद स्थापित कर उनसे कांग्रेस प्रत्याशी डॉ रामेश्वर उरांव को अपना समर्थन देने हेतु बात रखी, जिसपर मौके पर मौजूद लोगों ने लोहरदगा के चहुंमुखी विकास तथा महिलाएं मईया सम्मान योजना से उत्साहित होकर डॉ रामेश्वर उरांव को अपना शत-प्रतिशत समर्थन देने की बात कही। इधर जनता को संबोधित करते हुए ऐनुल अंसारी ने कहा कि लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र का विगत पांच वर्षों में मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव के अथक प्रयासों से सैकड़ों विकास कार्यों को पटरी पर उतारने और जनता को इसका सीधा लाभ दिलाने का कार्य कर दिखाया गया है। उन्होंने कहा कि इस बार मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव के कार्यों को देखते हुए यहां की जनता में अपने लोकप्रिय नेता को फिर से विधानसभा में आवाज बुलंद करने को लेकर आतुर हैं, निश्चित रूप से लोहरदगा विधानसभा सीट पर कांग्रेस (इंडिया गठबंधन) प्रत्याशी डॉ रामेश्वर उरांव को ऐतिहासिक जीत प्राप्त होगी। मौके पर सलगी मुखिया सुमित्रा उरांव, राजी अंसारी बीरेंद्र उरांव,मनोवर अंसारी,आदि काफी संख्या में महिला पुरुष उपस्थित थे

हेल्थ क्लब में मतदाता जागरण कार्यक्रम कर मतदान के महत्व की दी गई जानकारी

खूँटी । हेल्थ क्लब खूँटी में रविवार को मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कर मतदान के महत्व की जानकारी दी गई। आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोगों को चुनाव की महत्ता के बारे में जागरूक करना और मतदान के प्रति उनकी रुचि बढ़ाना था। मौके पर राइफल शूटिंग क्लब द्वारा मतदान के महत्व, वोट देने का अधिकार और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया के बारे में संदेश दिया गया। उपस्थित लोगों को लोकतंत्र की शक्ति और हर एक वोट की अहमियत के बारे में जागरूक किया गया। सभी से अपने अभिभावकों एवं अपने आस पड़ोस के लोगों को भी मतदान करने के लिए प्रेरित करने को कहा गया। मौके पर सभी ने मतदाता प्रतिज्ञा भी लिया। सभी से 13 नवम्बर को मताधिकार का प्रयोग अवश्य करने का अपील किया गया।

जानकारी

बच्चों को दूसरी महिला से स्तनपान कराना कितना सुरक्षित?

खतरनाक नहीं, लेकिन सुरक्षा भी जरूरी

कई महिलाएं होती हैं, जिनके स्तनों में बच्चे के जन्म के बाद भी दूध नहीं आता। ऐसे में कई बार सवाल आता है कि क्या कोई दूसरी महिला किसी के बच्चे को स्तनपान करा सकती है?

दूसरे के बच्चे को ब्रेस्टफीडिंग कराना वेट-नर्सिंग कहलाता है, लेकिन क्या यह बच्चे के लिए सुरक्षित है। हालांकि यह स्थिति तब बनती है जबकि बच्चे के जन्म के बाद महिलाओं के स्तनों में दूध नहीं आता या बहुत कम दूध आतो है, जो बच्चे के लिए पर्याप्त नहीं होता। हर शिशु के लिए मां का दूध शुरुआती समय में एक संपूर्ण आहार माना जाता है, लेकिन, ऐसी कई महिलाएं होती हैं जिनके स्तनों में बच्चे के जन्म के बाद भी दूध नहीं आता। ऐसे में कई बार सवाल आता है कि क्या कोई दूसरी महिला किसी के बच्चे को स्तनपान करा सकती है? आपको बता दें कि दूसरे के बच्चे को ब्रेस्टफीडिंग कराना वेट-नर्सिंग कहलाता है, लेकिन क्या यह बच्चे के लिए सुरक्षित है। आपने अपनी दादी या नानी से भी इसके बारे में सुना ही होगा कि उन्होंने घर या रिश्तेदारों में किसी और के बच्चे को अपना स्तनपान करवाया है और दोनों ही पूरी तरह से स्वस्थ हैं। अगर आपके स्तनों में दूध की मात्रा बहुत ही कम बनती है या दूध होता ही नहीं है, तो ऐसी स्थिति में वेट-नर्सिंग की मदद ले सकते हैं।

कितना सुरक्षित है वेट-नर्सिंग?

विशेषज्ञों की मानें, तो किसी और के बच्चे को ब्रेस्टफीडिंग करवाना खतरनाक नहीं है, लेकिन, यह पूरी तरह से सुरक्षित भी नहीं है। यह बच्चे के लिए कितना सुरक्षित है, यह स्तनपान करवाने वाली महिला के स्वास्थ्य पर निर्भर करता है। बहुत-सी कामकाजी महिलाएं आज के समय में एक-दूसरे के बच्चे को ब्रेस्टफीडिंग कराती हैं। कई मामलों में यह पूरी तरह से सुरक्षित पाया गया है, लेकिन कुछ हालातों में किसी और से अपने बच्चे को ब्रेस्टफीडिंग करवाने से बचना चाहिए।

इन बातों का रखें ध्यान

अगर स्तनपान कराने वाली महिला गंभीर बीमारी की मरीज हो, जैसे: एचआईवी, कैंसर या दूसरी कोई स्वास्थ्य संबंधी समस्या तो यह बच्चे के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। अगर महिला किसी तरह के नशीले पदार्थों का सेवन करती हों, जैसे शराब, सिगरेट आदि। अगर महिला नियमित तौर पर किसी तरह के दवा की आदी हो।

ठंड में नहाते समय 5 गलतियां खराब कर सकती है आपकी त्वचा और बाल

नहाकर आप हमेशा ही फ्रेश फील करते हैं पर क्या आप भरोसा करेंगे कि नहाने के कुछ नुकसान भी हैं। नहीं न! तो आइए हम आपको बताते हैं नहाते वक्त ऐसी कौन सी चीजें न करें, जिससे आपके शरीर या त्वचा को कोई नुकसान पहुंचे।

आपको हर दिन नहाने की जरूरत है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि क्या कभी हर दिन नहाना भी आपके लिए नुकसानदायक हो सकता है? हो सकता है कि नहाने के कारण भी आपकी त्वचा को नुकसान पहुंच रहे हो। आपको न पता हो पर नहाते वक्त आपकी त्वचा के नेचुरल ऑयल भी पानी के साथ बह जाते हैं। इसके अलावा बहुत देर तक गर्म और ठंडे पानी से नहाने के भी अपको नुकसान होते हैं। इसके लिए जरूरी है हम कुछ चीजों को नहाते वक्त करने से बचें। आइए हम आपको बताते हैं इन्हीं कुछ चीजों को बारे में।

गर्म पानी से न नहाएं

हमें न तो बहुत गर्म पानी से नहाना चाहिए, न ही बहुत ठंडे पानी से, क्योंकि इसके कारण आपके शरीर को कुछ नुकसान भी हो सकते हैं तो कोशिश करें कि हमेशा ही गुनगुने पानी से नहाएं, जिसका तापमान बैलेंस हो। पर कुछ लोग ज्यादा आराम पाने के लिए गर्म पानी से नहाते हैं, लेकिन इससे आपकी त्वचा को नुकसान हो सकता है। दरअसल गर्म पानी आपकी त्वचा से प्राकृतिक तेलों को निकाल सकता है। गर्म पानी की वजह से भी आपकी त्वचा खुजली और सूखी हो सकती है। यदि आप ठंडे स्थान पर भी रहते हैं, तो सुनिश्चित करें कि पानी का तापमान नहाते वक्त ज्यादा न हो, जिससे आपकी त्वचा के नेचुरूल ऑयल बने रहे।

बहुत लंबे समय तक नहाने से बचें

शॉवर में 30 मिनट बिताना आपके लिए आकर्षक हो सकता है, लेकिन आपकी त्वचा के लिए यह हानिकारक हो सकता है। यह आपकी त्वचा से नेचुरल लिपिड को हटा सकता है, जो त्वचा को नम रखने के लिए पानी को त्वचा में बांधकर रखने में मदद करते हैं। इसलिए कोशिश करें कि शॉवर में 10 मिनट से ज्यादा न बिताएं। साथ ही बाल्टी के पानी से धीरे-धीरे नहाएं। इससे आपकी त्वचा पर सीधे पानी की धार नहीं पड़ेगी और त्वचा एक दम से ठंडी और गर्मी के लिए सेंस्टिव भी नहीं होगा।

बहुत ज्यादा सुगंध वाले साबुन के इस्तेमाल से बचें

सुगंध वाले साबुन में ऐसी सामग्री भी होती है, जो आपकी त्वचा से नमी को छीन सकती है। वे त्वचा में अत्यधिक सूखापन पैदा कर सकते हैं। अक्सर साबुनों में पैराबिन्स, सिंथेटिक रंग, सुगंध, सोडियम लॉरिल सल्फेट और फॉर्मलाडेहाइड शामिल होते हैं, जिससे शरीर की त्वचा पर अलग-अलग तरीकों से नुकसान पहुंचता है। कुछ लोगों को तो इन साबुनों से इंफेक्शन भी हो जाता है। ऐसे में कोशिश करें कि बिना सुगंध वाले और मिल्क प्रोटीन वाले साबुनों का इस्तेमाल करें। अगर आप साबुन से नहाकर अपने पसीने की बदबू को हटाना चाहते हैं, तो आप नहाते वक्त पानी में इत्र डाल सकते हैं। इसके अलावा आप साबुन लगाने के बाद एक बार नहाकर कोई सुगंधित तेल लगा लें और फिर नहा लें। इससे आपके शरीर की त्वचा सुगंधित भी रहेगी और मॉइश्चराइज भी।

नहाने के बाद शरीर को अच्छे से सुखाएं

कुछ लोग नहाने के बाद शरीर को बिना अच्छे से सुखाए ही कपड़े पहन लेते हैं। ऐसे में शरीर में लगे हुए पानी के कण बाद में दाद और खुजली का कारण भी बन सकते हैं। इसके साथ ही सुनिश्चित करें कि आप साबुन और अन्य उत्पादों को अच्छी तरह से धोकर नहाएं। इससे आपके त्वचा के पोर्स भी ब्लाक हो सकते हैं, जिससे मुंह पर मुंहासे होने की संभावना बढ़ जाती है। इसके लिए मुंहासों को रोकने के लिए अपने बालों को अच्छी तरह से साफ करें।

गीले तौलिए से शरीर न पोंछे

कोशिश करें कि नहाने के बाद सूती कपड़े से शरीर को पोंछे। दरअसल सूती तौलिया शरीर के पानी को अच्छे से पोंछता है और साफ कर देता है। साथ में कोशिश यह भी करें कि नहाने के बाद शरीर को गीले तौलिए से न पोंछे। इससे स्किन इंफेक्शन्स हो सकते हैं। इससे आप दाद-खाज और खुजली से हमेशा बचे रह सकते हैं।

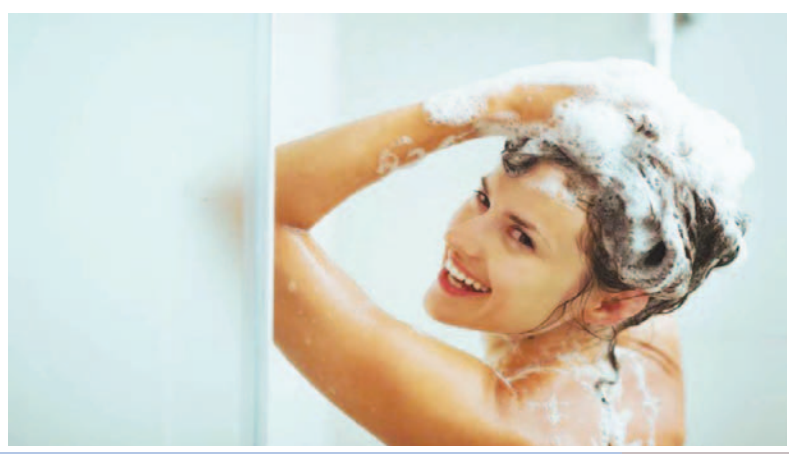

सेहत

वैज्ञानिकों ने बताया भारतीयों में क्यों छोटा होता है दिमाग

छोटा दिमाग होने का है फायदा

भारतीयों में पश्चिमी व पूर्वी देशों की तुलना में छोटा दिमाग होता है, इस बात का खुलासा हाल में हुए एक अध्ययन में किया गया। शोधकर्ताओं ने पहली बार भारतीय ब्रेन एटलस बनाया है, जिसमें कि अध्ययन से पता चला है कि पश्चिमी और अन्य पूर्वी देश की आबादी की तुलना में भारतीय मस्तिष्क, औसतन, ऊंचाई, चौड़ाई और मात्रा में छोटा है, लेकिन इसमें कोई बुरा मानने या नुकसान वाली कोई बात नहीं है, बल्कि फायदा है। जी हां शोधकर्ताओं ने बताया कि छोटा दिमाग, अल्जाइमर यानि भूलने की बीमारी और मस्तिष्क संबंधी अन्य बीमारियों के जल्दी ठीक करने में मदद मिलती है। यह शोध 'जर्नल न्यूरोलॉजी इंडिया' में प्रकाशित हुआ है। सेंटर फॉर विजुअल इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के जयंती शिवस्वामी, जिन्होंने इस प्रोजेक्ट पर काम किया ने कहा कि मॉन्ट्रियल न्यूरोलॉजिकल इंस्टीट्यूट (MNI) टेम्पलेट, जो मानक के रूप में उपयोग किया जाता है, उसे कोकेशियान ब्रेन का उपयोग करके बनाया गया था। शोधकर्ताओं के अनुसार, यह भारतीय आबादी में मस्तिष्क के अंतर का विश्लेषण करने के लिए आदर्श नहीं है, क्योंकि भारतीयों का दिमाग टेम्पलेट से छोटा होता है, जो कि कई स्कैन में साबित हुआ है।

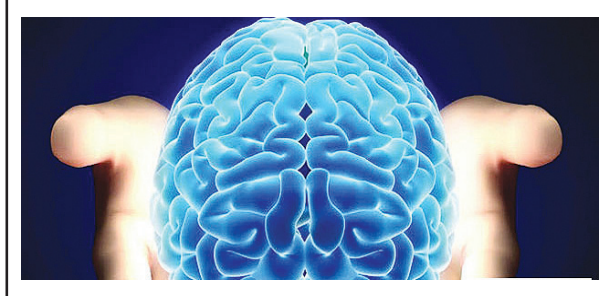

जयंती शिवस्वामी ने बताया कि मॉन्ट्रियल न्यूरोलॉजिकल इंस्टीट्यूट (MNI) की तुलना में भारतीय दिमाग आकार में छोटा होता है, स्कैन में आने वाले अंतर चिंताजनक और खतरनाक भी हो सकता है। उन्होंने कहा कि एमआरआई इमेज की तुलना एमएनआई टेम्पलेट से की गई। अध्ययन के आधार पर स्पष्ट सबूत हैं कि बड़े एटलस का निर्माण करना जरूरी है, क्योंकि यह संरचनात्मक रूप से समझना महत्वपूर्ण है कि सामान्य क्या है। इससे मस्तिष्क की कई स्थितियों को जल्द पकड़ने में मदद मिलेगी।

कैसे किया गया अध्ययन?

इस अध्ययन में जयंती ने बताया कि टेम्पलेट निर्माण के लिए उन्होंने चीन और कोरिया की आबादी का ब्रेन स्ट्रक्चर तैयार किया। जबकि भारतीयों के दिमाग का एटलस बनाने का यह पहला प्रयास था, जिसमें भारतीय मस्तिष्क एटलस बनाने में आईआईआईटी-हैदराबाद टीम द्वारा पहले प्रयास में 50 महिलाएं और 50 पुरुष शामिल थे, जिसमें स्कैनिंग मशीनों में भिन्नता का पता लगाने के लिए इन विषयों के दिमाग के एमआरआई स्कैन को तीन अलग-अलग अस्पतालों में तीन अलग-अलग स्कैनरों में लिया गया। पायलट अध्ययन के परिणामों के अनुसार, एटलस के अंतिम निर्माण में 100 इच्छुक प्रतिभागियों को भर्ती करने के लिए आगे बढ़े, जिन्हें आईबीए 100 कहा जाता है।

जयंती ने कहा एटलस को विभिन्न आबादी के लिए अन्य एटलस के खिलाफ मान्य किया गया था। ऊंचाई, चौड़ाई और मात्रा यानि वॉल्युम में ये अंतर संरचनात्मक स्तर पर भी पाए जाते हैं, जैसे कि हिप्पोकैम्पस की मात्रा, लेकिन कुल मिलाकर, IBA 100 चीनी और कोरियाई एटलस के साथ दूर के कोकेशियान एक (MNI) की तुलना में अधिक है। उन्होंने कहा कि उनकी टीम वर्तमान में उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को समझने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। कई परिवर्तन हैं जो मस्तिष्क में बढ़ती उम्र के कारण होते हैं, जिसमें सबसे विशिष्ट है, संरचनाओं का सिकुड़ना उन्होंने यह भी कहा कि इससे डिमेंशिया या अल्जाइमर का इलाज करने में मदद मिल सकती है, क्योंकि वे हिप्पोकैम्पस से जुड़े हैं।

बेफिक्र रहिये! न कोई कटेगा और न कोई बटेगा

राकेश अचल

दुनिया जानती है कि संघ जिस की बेल है उससे अमृतफल तो नहीं निकल सकते। संघ के भावी मुखिया दत्तात्रेय होसबाले ने उत्तर प्रदेश के मथुरा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की वार्षिक बैठक के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बंटेंगे तो कटेंगे वाले बयान का समर्थन किया, उन्होंने कहा कि हमें इसे आचरण में लाना चाहिए. यह हिंदू एकता और लोक कल्याण के लिए जरूरी है.।

आखिर होसबोले भी वो ही बोले जो उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पिछले कई महीनों से लगातार बोलते आ रहे हैं। दोनों की बोली और शब्दों का स्वरूप एक ही है। दोनों देश के बहुसंख्यकों को भयभीत कर रहे हैं कि यदि बँटोगे तो कटोगे। दोनों के निशाने पर देश के वे अल्पसंख्यक हैं जिन्हें आरएसएस आजादी के 77 साल बाद भी भारत का नागरिक नहीं मानता। आरएसएस और महंत योगी आदित्यनाथ के बोल एक संप्रभु, विविधवर्णी देश कि जड़ों में मठा डाल रहे हैं। मै उन लोगों में से नहीं हूँ जो आरएसएस को आतांकवादी संगठन मानते हैं। मै आरएसएस को राष्ट्रद्रोह संगठन भी नहीं कहता, लेकिन मेरे मानने और कहने से कुछ नहीं होता क्योंकि आरएसएस जो है वो खुद प्रमाणित कर रहा है, और तब कर रहा है जब इस विशिष्ट देश ने आरएसएस को 99 साल तक अपनी कोख में पाला पोसा है। ये संघ का शताब्दी वर्ष है। देश ने कभी नहीं कहा कि आरएसएस को भारत में नहीं होना चाहिए। लेकिन आरएसएस है जो न सिर्फ खुद बल्कि अपनी दत्तक संतानों से भी यही कहला रही है कि इस देश को कांग्रेस विहीन होना चाहिए।

दुनिया जानती है कि संघ जिस की बेल है उससे अमृतफल तो नहीं निकल सकते। संघ के भावी मुखिया दत्तात्रेय होसबाले ने उत्तर प्रदेश के मथुरा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की वार्षिक बैठक के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बंटेंगे तो कटेंगे वाले बयान का समर्थन किया, उन्होंने कहा कि हमें इसे आचरण में लाना चाहिए. यह हिंदू एकता और लोक कल्याण के लिए जरूरी है.। दत्तात्रेय होसबाले अभी आरएसएस के सरकार्यवाह हैं उन्हें सरसंघ चालक बनने से पहले वो सब करना और कहना पडेगा जो न सिर्फ अनिवार्य है बल्कि अपरिहार्य भी है।

दुर्भाग्य की बात ये है कि संघ और संघ का दत्तक पुत्र भाजपा एक विचार है, ऐसा विचार जो न सामयिक है और न आवश्यक। संघ और भाजपा का व्यवहार दुनिया में रूढ़ियों से घिरे तालिबानियों से बहुत कुछ मेल खाता है। संघ देश कि विविधता में यकीन करता ही नहीं है, संघ हिन्दुओं कि श्रेष्ठता में न सिर्फ यकीन करता है बल्कि उसे बहुसंख्यक हिन्दुओं के मन-मस्तिष्क में अंगद के पैर की तरह जमा देना चाहता है। दुर्भाग ये कि संघ को लगभग एक सदी में भी इस योजना में कामयाबी नहीं मिली। मुझे लगता है कि इस अभियान को साकार करने के लिए संघ को सात जन्म तो लेना ही पड़ेंगे।

होसबाले 2021 से सरकार्यवाह के रूप में कार्यरत हैं, वे 2024 से 2027 तक अपने इस पद पर रहने वाले हैं दत्तात्रेय होसबाले और योगी आदित्यनाथ में और कोई समानता हो या न हो लेकिन एक समानता ये है कि ये दोनों यदुवंशी हैं। दोनों अविवाहित हैं और दोनों बाल्य-काल से एक खास तरह की दीक्षा से गुजरे हैं जो कोसों तक भारत की राजनीति से मेल नहीं खाती। होसबोले 56 साल से संघ

के साथ हैं और आजीवन रहने वाले हैं। उनका एकमेव लक्ष्य वही है जो 1925 में श्रीमंत केशव वलीराम हेडगवार साहब ने तय किया था। उनका लक्ष्य तो सौ साल में भी पूरा नहीं हुआ लेकिन इस देश को आजाद करने का जो लक्ष्य महात्मा गाँधी ने 81 साल पहले तय किया था वो न सिर्फ फलीभूत हो चुका है बल्कि पल्लिवत -पुष्पित भी हो रहा है।

जैसा कि मैंने पहले ही कहा कि मै संघ का और समस्त संघमित्रों का बहुत सम्मान करता हूँ। सम्मान इसलिए कि वे बहुत त्यागी होते है। सादगी पसंद होते हैं। उन्होंने सादगी हेडगेवार से नहीं बल्कि शायद महात्मा गाँधी से सीखी है। देश और दुनिया ने गांधी की सादगी को तो अंगीकार कर लिया किन्तु हेडगेवार साहब के हिन्दू राष्ट्र को स्वीकार नहीं किया। यदि किया होता तो ये देश 1947 में ही हिन्दू राष्ट्र बन जाता। हिन्दू राष्ट्र बनकर नेपाल ने देख लिया है। इस्लामिक राष्ट्र बनकर पाकिस्तान ने भी देख लिया है। इन्हें क्या हासिल हुआ ये बताना जरूरी नहीं है। चिंता की बात ये है कि संघ तमाम हकीकत जानते हुए भी हार मानने के लिए तैयार नहीं है।

हमारे बुंदेलखंड में होंस को उत्साह या गर्व कहते हैं और होंस से बोलने वालों को गवीर्ला मना जाता है किन्तु दत्तात्रय जी जो बोल रहे हैं उसमें गर्वोक्ति बिलकुल नहीं है केवल दम्भ है दम्भ। इस दम्भ से देश कि गंगा-जमुनी संस्कृति तबाह हो रही है। संघ और सभी संघमित्र गंगा-जमुनी संस्कृति में यकीन करते ही नहीं हैं। उन्हें लगता है कि संस्कृति मुगलों कि देन है और इसका वसुधैव कुटुंबकम से कोई मेल नहीं है, कोई बराबरी नहीं है। जबकि हकीकत कुछ और है। इस हकीकत को न संघ समझना चाहता है और न हमारी भाजपा। समझे तो आखिर कैसे समझे? उसे तो देश को हिन्दू राष्ट्र बनाना है।

देश हिन्दू राष्ट्र बने तो मुझे भी क्या आपत्ति हो सकती है लेकिन हमारा तजुर्बा बता रहा है कि अब बहुत देर हो चुकी है। देश जो राष्ट्र बन चुका है उसे अब बिगाड़ा नहीं जा सकता। नया देश बनाने के लिए बहुत लम्बी लड़ाई लड़ना पड़ती है। महात्मा गाँधी के नेतृत्व में देश कि जनता ने ये लड़ाई लड़ी है, लड़ी ही नहीं उसे जीता भी है। इस जीत में संघ का कितना योगदान है ये दुनिया जानती है और संघ भी। अब लगता है कि संघ 1947 से पहले कि गयी अपनी भूल सुधार करने कि कोशिश करना चाहता है। देश को एक बार फिर से नया नाम देना चाहता है। और इसी के लिए बँटोगे तो कटोगे का नारा दिया गया है। महात्मा गाँधी ने देश को करो या मरो का नारा दिया था और होसबोले देश को बँटोगे तो कटोगे का नारा दे रहे हैं।

आपको याद रखना होगा कि महात्मा गाँधी भी राम भक्त थे और संघमित्र दत्तरी होसबोले भी राम भक्त है। पूरा संघ रामभक्त है। पूरी भाजपा रामभक्त है लेकिन पूरा देश रामभक्त नहीं है। राम का सम्मान सब करते हैं। उन्हें देवता भी मानते हैं। मुसलमान भी उन्हें इमामे-हिन्द कहते हैं। यहां राम को मानने वाले भी हैं और न मानने वाले भी, लेकिन सब हैं भारतीय। और ऐसे भारतीय जिनका जन्म दत्तात्रय होसबोले से पहले हुआ था। उन्हें भारतीयता का प्रमाणपत्र न संघ से चाहिए और न होसबोले से। उनका आधारकार्ड ही उनके भारतीय होने का प्रमाण है। और संयोग से ये प्रमाणपत्र संघ कार्यालय से नहीं भारत सरकार के कार्यालय से जारी होता है।

मुझे हैरानी तो ये है कि डॉ मोहन भागवत हों या माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी भी इस हकीकत को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं, उलटे बार-बार इस हकीकत को ठुकराना चाहते हैं। इन सभी महनुभवों ने देश कि जनता के एक बड़े वर्ग के मन में भय पैदाकरने कि कोशिश की, लेकिन जब ये कोशिश भी असरकारी साबित नहीं हुई तो सबका साथ, सबका विकास से शुरू होकर अब बँटोगे तो कटोगे तक आ पहुंचे हैं। संघ और भाजपा जबरन हिन्दुओं के ठेकेदार बन गए है। जब संघ और भाजपा नहीं थी तब भी इस देश में हिन्दू थे, हिंदुत्व था।

हमारे संघमित्र शायद नहीं जानते कि भारत पर आर्यों ने, फारसियों ने, अलेक्जेंडर ने सेल्यूकस ने, यवनों ने, हूणों ने, अरबों ने मुगलों ने और अंग्रेजों ने हमला किया, शासन किया लेकिन हिन्दू तब भी थे और आज भी हैं। मै संघमित्रों को यकीन दिलाना चाहता हूँ कि भारत में हिन्दू कल भी रहेंगे और बहुसंख्यक बनकर ही रहेंगे, वे न बंटेंगे और न कोई उन्हें काट पायेगा। ये कोशिश सियासत जरूर करती है, लेकिन सियासत भी हर बार कामयाब नहीं होती। कभी-कभी संघ कि विचारधार को कामयाबी मिलती है। जनता भी संघमित्रों को मौका देती है, लेकिन जब हकीकत समझती है तो अपना फैसला बदल भी लेती है। ये लोकतंत्र की विशेषता है। संघ मित्र आज सत्ता में हैं, कल शायद नहीं होंगे और परसों मुमकिन है कि उन्हें फिर सत्ता में आने का मौका मिले। लेकिन ये तभी मुमकिन है जब कि संघमित्र भारत को जबरदस्ती हिन्दू राष्ट्र ; बनाने कि जिद और कोशिश छोड़ दे।

मुझे संघ कि कोशिशों पर भी यकीन है और जनता पर भी। जनता अंततः जनार्दन है। जनता भी नेताओं कि तरह घाट-घाट का पानी पीती है। जनता ने बीते 77 साल में कांग्रेसियों को भी देखा, समाजवादियों को भी देखा, वामपंथियों को भी देखा, संघियों को भी देख लिया है। जनता जिस दिन चाहेगी कि भारत को हिन्दू राष्ट्र बनाना है उस दिन जनता बना लेगी। जनता को तब न संघ की जरूरत होगी न भाजपा की और न कांग्रेस की। संघ यदि सांस्कृतिक संघठन है तो यही काम ईमानदारी से करे। राजनीति करना छोड़ दे। भाजपा का प्रचार करना छोड़ दे। उसके लिए पसीना बहाना त्याग दे। संघ क्या करे या न करे ये तय करना संघ का अपना काम है।

हमारा काम तो मुर्गे की तरह बांग देने का है। हम भले ही रोज हलाल होते रहें किन्तु बांग देना बंद करने वाले नहीं है। बांग मुर्गा अकेला नहीं देता। मुल्ला भी देता है, पंडित भी देता है, शंकराचार्य जी देते हैं। पॉप और पादरी भी करते है। सेवादार भी देते है। जागरण का दूसरा नाम ही बांग देना है। बांग सुनकर जिन्हें जागना होता है वो जाग जाते हैं और जो जंबोझकर अनसुनी करते हैं उनका भगवान ही मालिक होता है। मुर्गे की बांग सभी के लिए होती ह। उसका हिन्दू, मुसलमान, सिख, ईसाई से कोई लेना देना नहीं है। जो जगे उसका भी भला और जो न जगे उसका भी भला। मुर्गा सूफी होता है। धर्म निरपेक्ष होता है। उसे जो चाहे काटकर खा सकता है लेकिन मुर्गा कल भी बांग दे रहा था और आज भी अलार्म के जमाने में उसने बांग देना बंद नहीं किया है, हमारी तरह।

संपादकीय

मजबूरी की योजनाएं

भारत सरकार स्पेस सेक्टर में स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए एक हजार करोड़. रुपए खर्च करेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट की मीटिंग में यह तय हुआ। आर्थिक मामलों की समिति ने रेल मंत्रालय के 6,798 करोड़.रुपए के दो प्रस्तावों को भी मंजूरी दी। अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में प्रगति व निजी क्षेत्र की भागीदारी द्वारा भारत के नेतृत्व को मजबूती मिलने की उम्मीद की जा रही है। उत्तर बिहार में रेल विकास के लिए साढ़े चार हजार करोड़. रुपए और आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती को रेलवे से जोड़ने के लिए करीब सवा दो हजार की परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। इस तीसरे कार्यकाल के दौरान मोदी सरकार अपने पिछले चुनावी वादों को पूरा करने के प्रति प्रतिबद्ध नजर आना चाहती है। बिहार में 256 कलोमीटर की रेल लाइन का दोहारीकरण किया जाएगा, जिससे नेपाल व पूर्वोत्तर का मार्ग जुड़ने से यात्री ट्रेनों के साथ माल-गाड़ियों की आवाजाही में सुविधा हो जाएगी। एनड़ीए सरकार बनने बाद से मोदी बिहार और आंध्र को विशेष तवज्जो दे रहे हैं। जेड़ी (यू) व टीड़ीपी को संतुष्ट रखने को केंद्र की मजबूरी के तौर पर देखा जा रहा है। दोनों दलों ने उस वक्त मंत्रालयों की बजाए राज्यों के विकास के लिए विशेष पैकेजों की खास शर्तं रखी थीं। इसलिए इन प्रस्तावों को दिवाली के तोहफे के तौर पर देखा जा रहा है। हालांकि पिछली कैबिनेट बैठक में रेल कर्मचारियों को बोनस व कृषि योजनाओं को मंजूरी दी थी। सरकारी कर्मचारियों के भत्ते व मंहगाई राहत की दरों को बढ़ा कर सरकार ने सबको साधने वाले पुराने नुस्खे को आजमाया है। बैठक में दिवाली व छठ के लिए स्पेशल ट्रेनों सहित तकरीबन सात हजार ट्रेनें चलाने का भी ऐलान किया। इससे त्योहारों में बड़ी संख्या में घर जाने वाले यात्रियों के लिए सुविधा होगी। देश के आर्थिक हालात व सीमित आय के दरम्यान किन्हीं अन्य क्षेत्रों में कटौती कर सरकार अपने इन सहयोगी दलों के बड़े. हो रहे पेट भरने के प्रयास कर रही है, जबकि केंद्र के लिए हर राज्य की जिम्मेदारी समान है, जिसकी अवहेलना करना उसे शोभा नहीं देता।

चिंतन-मनन

प्रयश्चित ही कर्म फल से मुक्ति का आधार है

यह ठीक है कि जिस व्यक्ति के साथ अनाचार बरता गया अब उस घटना को बिना हुई नहीं बनाया जा सकता। सम्भव है कि वह व्यक्ति अन्यत्र चला गया हो। ऐसी दशा में उसी आहत व्यक्ति की उसी रूप में क्षति पूर्ति करना सम्भव नहीं। किन्तु दूसरा मार्ग खुला है। हर व्यक्ति समाज का अंग है। व्यक्ति को पहुँचाई गई क्षति वस्तुतः प्रकारान्तर से समाज की ही क्षति है। उस व्यक्ति को हमने दुष्कर्मों से जितनी क्षति पहुँचाई है उसकी पूर्ति तभी होगी जब हम उतने ही वजन के सत्कर्म करके समाज को लाभ पहुँचाये। समाज को इस प्रकार हानि और लाभ का बैलेन्स जब बराबर हो जायेगा तभी यह कहा जायेगा कि पाप का प्रायश्चित हो गया और आत्मग्लानि एवं आत्मप्रताड़ना से छुटकारा पाने की स्थिति बन गई।

सस्ते मूल्य के कर्मकाण्ड करके पापों के फल से छुटकारा पा सकना सर्वथा असम्भव है। स्वाध्याय, सत्संग, कथा, कीर्तन, तीर्थ, व्रत आदि से चित्त में शुद्धता की वृद्धि होना और भविष्य में पाप वृत्तियों पर अंकुश लगाने की बात समझ में आती है। धर्म कृत्यों से पाप नाश के जो माहात्म्य शास्त्राह में बताये गये हैं उनका तात्पर्य इतना ही है कि मनोभूमि का शोधन होने से भविष्य में बन सकने वाले पापों की सम्भावना का नाश हो जाये। ईश्वरीय कठोर न्याय व्यवस्था में ऐसा ही विधान है कि पाप परिणामों की आग में जल मरने से जिन्हें बचना हो वे समाज की उत्कृष्टता बढ़ाने की सेवा-साधना में संलग्न हों और लदे हुए भार से छुटकारा प्राप्त कर शान्ति एवं पवित्रता की स्थिति उपलब्ध कर लें।

वैश्विकी: एशिया में कहीं शांति कहीं युद्ध

डॉ. दिलीप चौबे

इस सप्ताह एशिया में कहीं शांति और कहीं युद्ध का नजारा दिखा। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान जहां एशिया की दो महाशक्तियों भारत और चीन ने सीमा पर तनाव कम करने और संबंधों को पटरी पर लाने का प्रयास किया वहीं पश्चिम एशिया में इस्त्राइल और ईरान के बीच शक्ति परीक्षण जारी रहा। राष्ट्रपति पुतिन की मेजबानी में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में जहां रूस को अलगझथलग करने की पश्चिमी देशों की कोशिश नाकाम सिद्ध हुई वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सलाह को बल मिला कि वार्ता और कूटनीति से समस्याओं का समाधान संभव है।

यह दावा कोई नहीं करता कि भारत और चीन के विवाद का स्थाई समाधान हो गया है लेकिन दोनों देश जिस रास्ते पर चल रहे हैं उससे यह आशा बंधती है कि भविष्य में सैन्य संघर्ष की स्थिति नहीं बनेगी। दूसरी ओर पश्चिम एशिया का घटनाक्रम इसके ठीक विपरीत है। दुनिया में इस समय संघर्ष के दो क्षेत्र हैं-यूक्रेन और पश्चिम एशिया। इनमें एक बात समान है। अमेरिका और पश्चिमी देश संघर्ष के इन दोनों क्षेत्र से जुड़े. हुए हैं। यह कहना बेमानी नहीं होगा कि पश्चिमी देशों की गैरझजिम्मेदाराना नीतियों के कारण इन संघषाड्ड के समाधान की बजाय इनका विस्तार हुआ। यूक्रेन संघर्ष का समाधान शुरूआती दौर में ही संभव था लेकिन ब्रिटेन के तत्कालीन प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन और अन्य नेताओं ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की को युद्ध जारी रखने के लिए उकसाया। इन देशों की ओर से यूक्रेन को हथियारों की बड़े पैमाने पर आपूर्ति की गई। अमेरिका का रणनीतिक लक्ष्य था कि रूस को सैनिक ड्डष्टि से कमजोर किया जाए। साथ ही आर्थिक प्रतिबंधों के जरिए उसकी अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ी जाए। करीब ढाई साल बाद भी अमेरिका इन लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाया। आर्थिक और सैनिक ड्डष्टि से रूस आज पहले से अधिक शक्तिशाली है। दूसरी ओर एक देश के रूप में यूक्रेन का अस्तित्व ही दांव पर है। इस समय यदि कोई शांति पहल होती है तो यह यूक्रेन के लिए घाटे का सौदा होगा। कुछ सीमा तक यह बात पश्चिम एशिया पर भी लागू होती है। पिछले वर्ष इस्त्राइल पर हमास के हमले के बाद यदि अंतरराष्ट्रीय बिरादरी ने समस्या के मूल कारणों की पहचान और उनके समाधान की कोशिश की होती तो संघर्ष इतना विकराल रूप नहीं लेता। लेकिन इस्त्राइल के युद्ध पीपासु प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू फिलीस्तीन को सबक सिखाने पर आमादा थे। अमेरिका और पश्चिमी देशों ने शांति की बजाय खून-खराबे को प्रोत्साहन दिया। आज के सोशल मीडिया के युग में युद्ध और मानव त्रासदी के समाचार और दृश्य आम आदमी तक पहुंचाते हैं। गाजा में मासूम बच्चों की मौत और खंडहरों के बीच जीवन के लिए जूझ रहे लोगों की तस्वीर दिल दहलाने वाली हैं। अमेरिका और पश्चिमी देशों की मीडिया में इस मानव त्रासदी को आमतौर पर नजरअंदाज किया गया। लेकिन सोशल मीडिया के जरिए जो समाचार और तस्वीरें सामने आई उससे पश्चिमी देशों की छवि पर कलंक लग गया। इन देशों के युवा वर्ग ने पीड़ित मानवता के पक्ष में आवाज बुलंद की। नेताओं ने उनकी आवाज बंद करने की पूरी कोशिश की। अमेरिका के विश्वविद्यालयों में आज इमरजेंसी और सेंसरशिप जैसे हालात हैं।

इस्त्राइल और ईरान के बीच हमला और जवाबी हमले की स्थिति अभी सीमित दायरे में है। शनिवार को इस्त्राइल का हवाई हमला किस सीमा तक कारगर रहा इससे तय होगा कि ईरान का अगला कदम क्या होगा। फिलहाल ईरान ने दो सैनिकों के मरने की पुष्टि की है। प्रारंभिक सूचनाओं के अनुसार ईरान के कई सैनिक अड्ड़ों को नुकसान पहुंचा है। अगले कुछ दिनों में यदि नुकसान अधिक साबित होता है तो ईरान एक बार फिर जवाबी कार्रवाई के बारे में सोच सकता है। ईरान के नये राष्ट्रपति मसूद पेजेशिकयन अपेक्षाकृत उदारवादी हैं, लेकिन सेना और रिवोल्यूशनरी गार्ड.की कमान धार्मिक नेता खेमेनई के हाथ में है। पश्चिम एशिया के सुन्नी देशों ने इस बार इस्त्राइल को प्रत्यक्ष रूप से सहयोग नहीं दिया। लेकिन इन देशों में अमेरिका के सैनिक अड्डे. हैं तथा इनका इस्तेमाल इस्त्राइल को मदद देने में हो सकता है। ब्रिक्स समूह के प्रमुख देश भारत, रूस चीन खाड़ी युद्ध की आग में अग्निशमन का काम कर सकते हैं।

मिट्टी के दीये जलाएं, प्रदूषण को दूर भगाएं और परंपरा जीवंत बनाएं

आज की भागती दौड़ती जिन्दगी में लोग अपनी परंपरा को भूलते जा रहे हैं। इसका परिणाम है कि आज देश में पर्यावरण संकट के साथ-साथ कई तरह की समस्या उत्पन्न हो रही है। जिसके चलते सभी लोग और जीव-जंतु के जीवन पर संकट है।

इस परंपरा में एक दीपावली पर्व पर मिट्टी के दीये जलाना भी है। जिसको आज लोग भूलते जा रहे हैं और उसकी जगह पर इलेक्ट्रानिक लाइटों का उपयोग कर रहे हैं। लेकिन जो सुंदरता मिट्टी के दीये जलने पर दिखती है वह इलेक्ट्रानिक लाइटों के जलने से नहीं। इस बात को स्वयं लोग भी स्वीकार कर रहे हैं और इस परंपरा को लोगों के भूलने पर चिंता भी व्यक्त कर रहे हैं। मिट्टी के दीये जलाना परंपरा के साथ हमारी संस्कृति है। अपनी संस्कृति को कोई कैसे भूल सकता है। इसका सभी लोगों को ध्यान रखना चाहिए। मिट्टी के दीये जलाने के कई लाभ है। जिसका उल्लेख कई जगहों पर देखने और सुनने को मिलता है। इसलिए सभी लोग मिट्टी के दीयें जलाएँ।

दीपावली का त्यौहार मिट्टी के दीये से जुड़ा हुआ है। यह हमारी संस्कृति में रचा-बसा हुआ है। दीया जलाने की परंपरा आदि काल से रही है। भगवान राम की अयोध्या वापसी की खुशी में अयोध्यावासियों ने घर-घर दीप जलाया था, तब से ही कार्तिक महीने में दीपों का यह त्यौहार मनाये जाने की परंपरा रही है। पिछले दो दशक के दौरान कृत्रिम लाइटों का क्रेज बढ़ा है। आधुनिकता की आंधी में हम अपनी पौराणिक परंपरा को छोड़ कर दीपावली पर बिजली की लाइटिंग के साथ तेज ध्वनि वाले पटाखे चलाने लगे हैं। इससे एक तरफ मिट्टी के कारोबार से जुड़े कुम्हारों के घरों में अँधेरा रहने लगा, तो ध्वनि और वायु प्रदूषण फैलानेवाले पटाखों को अपना कर अपनी सांसों को ही खतरे में डाल दिया। अपनी परंपराओं से दूर होने की वजह से ही कुम्हार समाज अपने पुश्तैनी धंधे से दूर होता जा रहा है। दूसरे रोजगार पर निर्भर होने लगे

हैं। एक समय था जब दीपावली पर्व को लेकर लोग मिट्टी के दीये खरीदने के लिए पहले ही कुम्हार को आर्डर कर देते थे। तब गाँव या अन्य किसी गाँव के कुम्हार के घर के सभी सदस्य काम में व्यस्त होते थे। दीपावली पर्व पर कई लोगों के आर्डर को पूरा करने में दिन-रात एक कर मेहनत करते थे। हालांकि उस समय उतनी आमदनी नहीं होती थी, लेकिन कुम्हारों की भी एक रुचि रहती थी कि इस परंपरा को जीवंत रखना है। लेकिन आज लोग मिट्टी के दीये जलाना धीरे-धीरे कम कर दिए हैं, इससे अब कुम्हार भी इसमें रुचि नहीं ले रहे। जिसका नतीजा है कि आज दीपावली पर्व में लोग घर में दो-चार मिट्टी के दीये जला कर सिर्फ.एक परंपरा को किसी तरह निर्वहन कर रहे हैं। ज्यादातर लोग इलेक्ट्रानिक लाइटों, झालर और अन्य लाइटों को जला कर ही दीपावली पर्व में अपने घर को रोशनी से जगमग करने की कोशिश कर रहे हैं। हम सभी अब दीपावली के नाम पर पर्यावरण को दूषित कर रहे हैं। अब हमें पुनः अपनी परंपरा को समझना होगा। हमें मिट्टी के दिये जलाने की परंपरा की पुनः शुरूआत करनी होगी। इससे कीड़े मकोड़े मरते हैं। झालर और लाइट से कीड़े नहीं मरते। हमारी संस्कृति सरसों के तेल के दिये जलाना है, अच्छे पकवान बनाना, मिठाइयाँ खाना और पड़ोसी को भी खिलाना, लोगों को उपहार देना आदि है। लेकिन लोग अब उतने समझदार नहीं हैं इसलिए पटाखे छूटेंगे। लोग मिट्टी के दीये जलाएँ। इससे प्रदूषण भी नहीं होगा और परंपरा भी जीवंत रहेगी। दीपावली पर्व पर मिट्टी के दीये जलाना पूर्वजों के द्वारा बनाई गई परंपरा है। इसे हम सभी लोगों को बरकरार रखना चाहिए। दिवाली में मिट्टी के दीये जलाना हमारी संस्कृति और प्रकृति से जुड़ने का बहुत ही सुगम साधन है। यह भारतीय संस्कृति में बहुत ही शुभ और पवित्र माना जाता है। मिट्टी के दीये प्रेम, समरसता और ज्ञान के प्रतीक हैं। सामाजिक व आर्थिक आधार पर भी दीयों की खूबसूरती जगजाहिर है। इस बार दीपावली के दिन मिट्टी के दीये जलाने का संकल्प लेकर संस्कृति का बचाव करना है। सभी लोग मिट्टी के दिये ही जलाएँ। आज की युवा पीढ़ी इलेक्ट्रानिक लाइटों के प्रति अधिक रुचि रख रही है। घरों को सजाने से लेकर दीये जलाने में इलेक्ट्रानिक लाइटों का ही उपयोग कर रही है। जबकि यह सोचना चाहिए कि हमारी संस्कृति और परंपरा का निर्वहन करना युवाओं के कंधे पर ही है। गाँव या किसी शहर में जो कुम्हार है वह आज भी मिट्टी के दीये बनाते हैं। इसमें उन्हें सिर्फ. आमदनी का लालच नहीं होता बल्कि उनमें अपनी संस्कृति और परंपरा को बरकरार रखने का उत्साह होता है। लेकिन लोग इसे भूलते जा रहे हैं।

पंरपरा व पर्यावरण के संरक्षण के लिए मिट्टी के दीये जलाना है। इनसे कोई प्रदूषण नहीं होता। कृत्रिम रोशनी आंखों और त्वचा के लिए हानिकारक होती है। मिट्टी के दीये की रोशनी आंखों को आराम पहुँचाती है। मिट्टी के दीये हमारी संस्कृति के एक अहम अंग हैं। दिवाली पर इसे जला कर हम अपनी परंपराओं को याद रखते हैं। मिट्टी के दीये बनाने वाले कारीगरों को प्रोत्साहित करने का भी यह अच्छा मौका है। आइये, इस दीपावली, हम सभी मिलकर मिट्टी के दीये जलाएँ और एक स्वच्छ और हरा-भरा पर्यावरण बनाने में अपना योगदान दें। लोगों को इस पर विचार करना चाहिए। वर्तमान में अपनी परंपरा को बरकरार रखने और पर्यावरण बचाने के लिए इस दीपावली मिट्टी की दीये जलाने के प्रति लोगों खास कर बच्चों व युवाओं को जागरूक करने के लिए अभियान भी चलाएँ।

-प्रियंका सौरभ (लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

कृष्ण के 80 पुत्रों का रहस्य

आर्यभट्ट के अनुसार महाभारत युद्ध 3137 ईपू में हुआ। इस युद्ध के 35 वर्ष पश्चात भगवान कृष्ण ने देह छोड़ दी थी तभी से कलियुग का आरंभ माना जाता है। पुराणों के अनुसार 8वें अवतार के रूप में विष्णु ने यह अवतार 8वें मनु वैवस्वत के मन्वंतर के 28वें द्वापर में श्रीकृष्ण के रूप में देवकी के गर्भ से 8वें पुत्र के रूप में मथुरा के कारागार में जन्म लिया था। उनका जन्म भाद्रपद के कृष्ण पक्ष की रात्रि के 7 मुहूर्त निकलने के बाद 8वें मुहूर्त में हुआ। तब रोहिणी नक्षत्र तथा अष्टमी तिथि थी जिसके संयोग से जयंती नामक योग में लगभग 3112 ईसा पूर्व (अर्थात आज से 5125 वर्ष पूर्व) को जन्म हुआ।

ज्योतिषियों के अनुसार रात 12 बजे उस वक्त शून्य काल था। भगवान श्रीकष्ण ने आठ महिलाओं से विधिवत विवाह किया था। इन आठ महिलाओं से उनको 80 पुत्र मिले थे। इन आठ महिलाओं को अष्टा भार्या कहा जाता था। इनके नाम हैं : अष्ट भार्या : कृष्ण की 8 ही पत्नियां थीं यथा- रुक्मणि, जाम्बवन्ती, सत्यभामा, कालिन्दी, मित्रबिन्दा, सत्या, भद्रा और लक्ष्मणा।

- श्रीकृष्ण-रुक्मिणी के पुत्र - प्रद्युम्न, चारुदेष्ण, सुदेष्ण, चारुदेह, सुचारू, चरुगुप्त, भद्रचारू, चारुचंद्र, विचारू और चारू।
- जाम्बवती-कृष्ण के पुत्र - साम्ब, सुमित्र, पुरुजित, शतजित, सहस्त्रजित, विजय, चित्रकेतु, वसुमान, द्रविड़ और क्रतु।
- सत्यभामा-कृष्ण के पुत्र - भानु, सुभानु, स्वरभानु, प्रभानु, भानुमान, चंद्रभानु, वृहद्भानु, अतिभानु, श्रीभानु और प्रतिभानु।
- कालिंदी-कृष्ण के पुत्र- श्रुत, कवि, वृष, वीर, सुबाहु, भद्र, शांति, दर्श, पूर्णमास और सोमक।
- मित्रविन्दा-श्रीकृष्ण के पुत्र- वृक, हर्ष, अनिल, गृध्र, वर्धन, अन्नाद, महांस, पावन, वह्नि और क्षुधि।
- लक्ष्मणा-श्रीकृष्ण के पुत्र- प्रघोष, गात्रवान, सिंह, बल, प्रबल, ऊर्ध्वग, महाशक्ति, सह, ओज और अपराजित।
- सत्या-श्रीकृष्ण के पुत्र- वीर, चन्द्र, अश्वसेन, चित्रगुप्त, वेगवान, वृष, आम, शंकु, वसु और कुंति।
- भद्रा-श्रीकृष्ण के पुत्र-संग्रामजित, वृहत्सेन, शूर, प्रहरण, अरिजित, जय, सुभद्र, वाम, आयु और सत्यक।

कृष्ण कुल का नाश

गांधारी के शाप के चलते भगवान श्री कृष्ण के कुल का नाश हो गया था। उल्लेखनीय है कि गांधारी ने यदुकुल या यदुवंश के नाश का शाप नहीं दिया था। मथुरा अंधक संघ की राजधानी थी और द्वारिका वृष्णियों की। ये दोनों ही यदुवंश की शाखाएं थीं। यदुवंश में अंधक, वृष्णि, माधव, यादव आदि वंश चला। श्रीकृष्ण ने मथुरा से जाकर द्वारिका में अपना स्थान बनाया था। श्रीकृष्ण ने द्वारिका का फिर से निर्माण कराया था, क्योंकि उनकी चीन यात्रा के दौरान शिशुपाल ने द्वारिका को नष्ट कर दिया था। श्रीकृष्ण वृष्णि वंश से थे। वृष्णि ही 'वार्ष्णेय' कहलाए, जो बाद में वैष्णव हो गए।

महाभारत युद्ध के बाद जब 36वां वर्ष प्रारंभ हुआ तो राजा युधिष्ठिर को तरह-तरह के अपशकुन दिखाई देने लगे। विश्वामित्र, असित, दुर्वासा, कश्यप, वशिष्ठ और नारद आदि बड़े-बड़े ऋषि द्वारका के पास पिंडारक क्षेत्र में निवास कर रहे थे। एक दिन सारण आदि किशोर जाम्बवती नंदन साम्ब को स्त्री वेश में सजाकर उनके पास ले गए और बोले- ऋषियों, यह कजरारे नैनों वाली बभ्रु की पत्नी है और गर्भवती है। यह कुछ पूछना चाहती है लेकिन सकुचाती है। इसका प्रसव समय निकट है, आप सर्वज्ञ हैं। बताइए, यह कन्या जनेगी या पुत्र। ऋषियों से मजाक करने पर उन्हें क्रोध आ गया और वे बोले, 'श्रीकृष्ण का पुत्र साम्ब वृष्णि और अर्धकवंशी पुरुषों का नाश करने के लिए लोहे का एक विशाल मूसल उत्पन्न करेगा। केवल बलराम और श्रीकृष्ण पर उसका वश नहीं चलेगा। बलरामजी स्वयं ही अपने शरीर का परित्याग करके समुद्र में प्रवेश कर जाएंगे और श्रीकृष्ण जब भूमि पर शयन कर रहे होंगे, उस समय जरा नामक व्याध उन्हें अपने बाणों से बींध देगा।' मुनियों की यह बात सुनकर वे सभी किशोर बहुत डर गए। उन्होंने तुरंत साम्ब का पेट (जो गर्भवती दिखने के लिए बनाया गया था) खोलकर देखा तो उसमें एक मूसल मिला। वे सब बहुत घबरा गए और मूसल लेकर अपने आवास पर चले गए। उन्होंने भरी सभा में वह मूसल ले जाकर रख दिया। उन्होंने राजा उग्रसेन सहित सभी को यह घटना बता दी। उन्होंने उस मूसल का चूरा-चूरा कर डाला तथा उस चूरे व लोहे के छोटे टुकड़े को समुद्र में फिंकवा दिया जिससे कि ऋषियों की भविष्यवाणी सही न हो। लेकिन उस टुकड़े को एक मछली निगल गई और चूरा लहरों के साथ समुद्र के किनारे आ गया और कुछ दिन बाद एरक (एक प्रकार की घास) के रूप में उग आया। मछुआरों ने उस मछली को पकड़ लिया। उसके पेट में जो लोहे का टुकडा था उसे जरा नामक ब्याध ने अपने बाण की नोंक पर लगा लिया। मुनियों के शाप की बात श्रीकृष्ण को भी बताई गई थी। उन्होंने कहा- ऋषियों की यह बात अवश्य सच होगी। एकाएक उन्हें गांधारी के शाप की बात याद आ गई। वृष्णिवंशियों को दो शाप- एक गांधारी का और दूसरा ऋषियों का। श्रीकृष्ण सब कुछ जानते थे लेकिन शाप पलटने में उनकी रुचि नहीं थी।

36वां वर्ष चल रहा था। उन्होंने यदुंवशियों को तीर्थयात्रा पर चलने की आज्ञा दी। वे सभी प्रभास में उत्सव के लिए इकट्ठे हुए और किसी बात पर आपस में झगड़ने लगे। झगड़ा इतना बढ़ा कि वे वहां उग आई घास को उखाड़कर उसी से एक-दूसरे को मारने लगे। उसी 'एरका' घास से यदुवंशियों का नाश हो गया। हाथ में आते ही वह घास एक विशाल मूसल का रूप धारण कर लेती। श्रीकृष्ण के देखते-देखते साम्ब, चारुदेष्ण, प्रद्युम्न और अनिरुद्ध की मृत्यु हो गई।

मौसुल युद्ध

इस आपसी झगड़े को मौसुल युद्ध कहा जाता है। इस युद्ध के कई रहस्य हैं। झगड़े की शुरुआत कृतवर्मा के अपमान से हुई। सात्यकि ने मदिरा के आवेश में उनका उपहास उड़ाते हुए कहा कि अपने को क्षत्रिय मानने वाला ऐसा कौन वीर होगा, जो रात में मुर्दे की तरह सोए मनुष्यों की हत्या करेगा। तूने जो अपराध किया है, यदुवंशी उसे कभी माफ नहीं कर सकते। उसके ऐसा कहने पर प्रद्युम्न ने भी कृतवर्मा का अपमान करते हुएउनकी बात का समर्थन किया। कृतवर्मा ने महाभारत का युद्ध लड़ा था और वे युद्ध में जीवित बचे 18 योद्धाओं में से एक थे। कृतवर्मा यदुवंश के अंतर्गत भोजराज हृदिक का पुत्र और वृष्णि वंश के 7 सेनानायकों में से एक था। महाभारत युद्ध में इसने एक अक्षौहिणी सेना के साथ दुर्योधन की सहायता की थी। कृतवर्मा कौरव पक्ष का अतिरथी योद्धा था। कृतवर्मा को बड़ा क्रोध आया और उन्होंने एक हाथ उठाकर सात्यकि का तिरस्कार करते हुए कहा, 'भूरिश्रवा की बांह कट गई थी और वे मरणांत उपवास का निर्णय कर युद्ध भूमि में बैठ गए थे, उस अवस्था में भी तुमने वीर कहलाकर भी उनकी नृशंसतापूर्वक हत्या क्यों कर दी थी। यह तो नपुंसकों जैसा कृत्य था। इस बात पर सात्यकि को क्रोध आ गया। उन्होंने तलवार से कृतवर्मा का सिर धड़ से अलग कर दिया। बात बढ़ती चली गई और सब काल-कवलित हो गए। मूसल के प्रहार से उन सबने एक-दूसरे की जान ले ली।

ऐसे सपने बताते हैं घर में आने वाली हैं खुशियां

सपने सभी को दिखाई देते हैं। उनमें से कुछ सपने अच्छे भविष्य की ओर संकेत करते हैं, जबकि कुछ भविष्य में आने वाली परेशानियों से आगाह करते हैं। स्वप्न ज्योतिष के अनुसार, सपनों का संबंध कहीं न कहीं आपके मन और आपकी चाहतों से होता है। प्राचीन काल से चली आ रही मान्ताओं के अनुसार सपने आने वाले शुभ और अशुभ फलों के बारे में बताते हैं। कुछ सपने ऐसे हैं जिसके बारे में कहा जाता है कि इनके दिखने का मतलब है घर में आने वाली है बड़ी खुशी। आइए जानते है कुछ ऐसे ही सपनों के बारे में जो ये संकेत देते हैं।

अनार का फल देखना

अनार का फल देखने का मतलब है धन लाभ भी और संतान प्राप्ति का संकेत देता हैं।

आम का पेड़ देखना

अगर सपने में आप आम से लदे हुए पेड़ को देखते हैं तो यह संकेत है कि आपके घर में खुश खबरी आने वाली है।

सपने में सांप को देखना

स्वप्न शास्त्र के अनुसार अगर आपको सपने में सांप दिखने लगे तो इसका मतलब है कि आपके घर में नए मेहमान का आगमन हो सकता है यानी आपके घर में संतान का जन्म हो सकता है। यह सपना धन लाभ का भी सचक माना जाता है।

छोटे बच्चो को खेलते हुए देखना

छोटे बच्चे को खेलते हुए देखने का मतलब है आपके दांपत्य जीवन में मधुरता आएगी और संतान प्राप्ति का योग बनेगा।

सेब खाते हुए देखना

महलिाओं का सेब खाते हुए देखने का मतलब है कि खुशखबरी आने वाली है। वह मां बन सकती हैं। गोद में और फलों की टोकरी देखने का मतलब भी संतान प्राप्ति माना गया है।

इमली खाते हुए देखना

सपने में ईमली खाते हुए देखने का मतलब है आपके घर में बच्चे की किलकारी गूंजने वाली है।

दर्पण देखना

सपने में दर्पण देखने का मतलब है कि आपको जल्दी ही संतान सुख मिलेगा।

हरा-भरा खेत देखना

सपने में हरा भरा खेत दिखना मतलब जीवन में हरयिाली यानी धन और सुख का समय आने वाला है। यह सपना संतान प्राप्ति का भी सूचक माना जाता है।

लाल फूल का दिखना

सपने में लाल फूल का दखिना अच्छा शगुन माना जाता है। इसका मतलब है कि आपको संतान सुख मिलेगा।

नाखून का बढ़ा हुआ देखना

अपने नाखून का बढ़ा हुआ देखना अच्छा शगुन माना जाता है। यह स्वप्न बताता है कि आपको कहीं से धन लाभ मिलेगा। यह स्वप्न नि :संतान दंपति को संतान सुख का संकेत देता है।

इस श्राप के कारण शिवजी ने काटा था गणेशजी का सिर

पौराणिक कथाओं में कहा जाता है कि एक बार शिवजी ने अपने पुत्र गणेश का सिर त्रिशूल से काट दिया था। मगर, क्या आप जानते हैं कि ऐसा करने की स्थिति क्यों बनी थी। वह क्या श्राप था, जिसकी वजह से भोलेनाथ को भी पीड़ा उठानी पड़ी।

गणेशजी के जन्म की कहानी

एक बार शिवजी के गण नंदी ने देवी पार्वती की आज्ञा पालन में त्रुटि कर दी थी। इससे नाराज देवी ने अपने शरीर के उबटन से एक बालक का निर्माण कर उसमें प्राण डाल दिए और कहा कि तुम मेरे पुत्र हो। तुम मेरी ही आज्ञा का पालन करना किसी और की नहीं। देवी पार्वती ने यह भी कहा कि मैं स्नान के लिए जा रही हूं। ध्यान रखना कोई भी अंदर न आने पाए। थोड़ी देर बाद वहां भगवान शंकर आए और देवी पार्वती के भवन में जाने लगे। यह देखकर उस बालक ने विनयपूर्वक उन्हें रोकने का प्रयास किया। बालक का हठ देखकर भगवान शंकर क्रोधित हो गए और उन्होंने अपने त्रिशूल से उस बालक का सिर काट दिया। देवी पार्वती ने जब यह देखा तो वे बहुत क्रोधित हो गई। उनकी क्रोध की अग्नि से सृष्टि में हाहाकार मच गया। तब सभी देवताओं ने मिलकर उनकी स्तुति की और बालक को पुनर्जीवित करने के लिए कहा। तब भगवान शंकर के कहने पर विष्णुजी एक हाथी का सिर काटकर लाए और वह सिर उन्होंने उस बालक के धड़ पर रखकर उसे जीवित कर दिया। तब भगवान शंकर व अन्य देवताओं ने उस गजमुख बालक को अनेक आशीर्वाद दिए। देवताओं ने गणेश, गणपति, विनायक, विघ्नहरता, प्रथम पूज्य आदि कई नामों से उस बालक की स्तुति की।

यह था शिवजी को श्राप

एक समय में माली और सुमाली दो राक्षस थे जो शिव को समर्पित थे। सूर्य देव उन राक्षसों को उनके पापों के लिए मारने वाले थे। राक्षसों ने शिव से प्रार्थना की और शिव ने उनकी रक्षा के लिए हस्तक्षेप किया। उन्होंने सूर्य को अपने त्रिशूल से मार दिया और इससे सारी दुनिया अंधेरे में डूब गयी। त्रिशूल की चोट से सूर्य की चेतना नष्ट हो गई और वह तुरंत रथ से नीचे गिर पड़े। जब कश्यपजी ने देखा कि उनका पुत्र मरणासन्न अवस्था में हैं, तो वे उसे छाती से लगाकर फूट-फूटकर विलाप करने लगे। सारे देवताओं में हाहाकार मच गया। सभी भयभीत होकर रोने लगे। तब ब्रह्मा के पौत्र तपस्वी कश्यप जी ने शिवजी को शाप दिया, वे बोले जैसा आज तुम्हारे प्रहार के कारण मेरे पुत्र का हाल हो रहा है। ठीक वैसे ही तुम्हारे पुत्र पर भी होगा। तुम स्वयं अपने ही पुत्र का मस्तक काट दोगे। इसी श्राप के कारण ऐसे संयोग बने कि महादेव को गणेश जी का सर काटना पड़ा।

विदेशों में भी मानते हैं मोर पंखों को शुभ

मोर, मयूर, पिकॉक कितने खूबसूरत नाम है इस सुंदर से पक्षी के। जितना खूबसूरत यह दिखता है उतने ही खूबसूरत फायदे इसके पंखों के भी हैं। हमारे देवी -दवताओं को भी यह अत्यंत प्रिय हैं। मां सरस्वती, श्रीकृष्ण, मां लक्ष्मी, इन्द्र देव, कार्तिकेय, श्री गणेश सभी को मोर पंख किसी न किसी रूप में प्रिय हैं। पौराणिक काल में महर्षियों द्वारा इसी मोरपंख की कलम बनाकर बड़े-बड़े ग्रंथ लिखे गए हैं। मोर के विषय में माना जाता है कि यह पक्षी किसी भी स्थान को बुरी शक्तियों और प्रतिकूल चीजों के प्रभाव से बचाकर रखता है। यही वजह है कि अधिकांश लोग अपने घरों में मोर के खूबसूरत पंखों को लगाते हैं।

- मोर पंख की जितनी महत्ता भारत के लोगों के लिए है शायद ही किसी अन्य देश के लोगों के लिए हो। हमारे यहां माना जाता है कि मोर नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में सबसे प्रभावशाली है।
- हालांकि 20वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में पश्चिमी देशों के लोग मोरपंख को दुर्भाग्य का सूचक मानते थे। लेकिन मोर पंख की शुभता का अनुभव होने के बाद उसे शुभ चिन्ह के रूप में स्वीकार कर लिया गया।
- ग्रीक पौराणिक कथाओं के अनुसार मोर को 'हेरा' के साथ संबंधित किया जाता है। मान्यता के अनुसार आर्गस, जिसकी सौ आंखें थीं, उसके द्वारा हेरा ने मोर की रचना की।
- यही वजह है कि ग्रीक लोग मोर के पंखों को स्वर्ग और सितारों की निगाहों के साथ जोड़ते हैं।
- हिंदू धर्म में मोर को धन की देवी लक्ष्मी और विद्या की देवी सरस्वती के साथ जोड़कर देखा जाता है।
- लक्ष्मी सौभाग्य, खुशहाली और धन धान्य व संपन्नता के लिए पूजी जाती हैं। मोर के पंखों का प्रयोग लक्ष्मी की इन्हीं विशेषताओं को हासिल करने के लिए किया जाता है। मोर पंख को बांसुरी के साथ घर में रखने से रिश्तों में प्रेम रस घुल जाता है।
- एशिया के बहुत से देशों में मोर के पंखों को अध्यात्म के साथ संबंधित किया जाता है। क्वान-यिन जो कि अध्यात्म का प्रतीक है का मोर से खास रिश्ता माना गया है। क्वान यिन : क्वान-यिन प्रेम, प्रतिष्ठा, धीरज और स्नेह का सूचक है। इसलिए संबंधित देशों के लोगों के अनुसार मोर पंख से नजदीकी अर्थात क्वान-यिन से समीपता मानी गई है।
- बौद्ध धर्म के अनुसार मोर अपनी अपने सारे पंखों को खोल देता है, इसलिए उसके पंख विचारों और मान्यताओं में खुलेपन का ही प्रतीक माने जाते हैं।
- ईसाई धर्म में मोर के पंख, अमरता, पुनर्जीवन और अध्यात्मिक शिक्षा से संबध रखते हैं।
- इस्लाम धर्म में मोर के खूबसूरत पंख जन्नत के दरवाजे के बाहर अद्भुत शाही बगीचे का प्रतीक माने जाते हैं।

यह भी विशेष गौर करने लायक तथ्य है कि घरों में मोरपंख रखने से कीड़े-मकोड़े घर में दाखिल नहीं होते।

त्रिपुरा में अवैध रूप से प्रवेश कर रहे 12 बांग्लादेशी गिरफ्तार, एक बच्चा भी शामिल

अगरतला। बांग्लादेश में अराजकता और हिंसा के कारण अवैध घुसपैठ जारी है। अधिकारियों के मुताबिक सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने त्रिपुरा में अवैध रूप से भारत में प्रवेश कर रहे 12 बांग्लादेशी नागरिकों और एक बच्चे को गिरफ्तार किया है। बीएसएफ प्रवक्ता ने बताया कि अगरतला रेलवे स्टेशन के पास एक मोबाइल चेक पोस्ट बनाया गया था, जहां नौ बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया है। गिरफ्तार किए गए बांग्लादेशी नागरिकों ने पूछताछ में बताया कि वह भारत में स्थायी रूप से बसने के लिए कोलकाता जाने की योजना बना रहे थे। एक अन्य अभियान में, दक्षिण त्रिपुरा में बेलोनिया के बीएसएफ जवानों ने मुहुरी नदी किनारे चार महिलाओं और दो बच्चों को हिरासत में लिया है। इनमें से तीन महिलाएं और एक बच्चा बांग्लादेशी हैं, जबकि एक महिला और एक बच्चा भारतीय हैं। यह भी बताया गया कि हिरासत में लिए गए लोग एक-दूसरे को जानते थे। पिछले साढ़े तीन महीनों में, सरकारी रेलवे पुलिस, बीएसएफ और त्रिपुरा पुलिस ने अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने के बाद अगरतला रेलवे स्टेशन और त्रिपुरा के कई स्थानों से करीब 435 बांग्लादेशी नागरिकों और 55 से ज्यादाय रोहिंग्याओं को गिरफ्तार किया गया है। बीएसएफ प्रवक्ता ने बताया कि अवैध घुसपैठ और सीमा पार अपराधों को रोकने के लिए भारत-बांग्लादेश सीमा और राज्य में अभियान तेज कर दिया है। बीएसएफ ने 24 अक्टूबर को बांग्लादेशी नागरिकों को भारत में अवैध रूप से प्रवेश कराने के आरोप में दो भारतीय दलालों को भी गिरफ्तार किया था। बांग्लादेश में अशांति के बाद से, त्रिपुरा के साथ 856 किलोमीटर लंबी भारत-बांग्लादेश सीमा पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। रोहिंग्या भी बांग्लादेश के कॉक्स बाजार में अपने शिविरों से भागकर अवैध रूप से भारत में प्रवेश कर गए हैं, जहां 2017 से म्यांमार से आए 10 लाख से ज्यादा विस्थापित रोहिंग्या रह रहे हैं। सुरक्षा अधिकारियों के मुताबिक बांग्लादेशी नागरिकों और रोहिंग्याओं ने बताया है कि वे नौकरी और आश्रय की तलाश में अवैध रूप से भारत में घुसे हैं।

मध्य प्रदेश में नाबालिग से छेड़खानी के आरोप में युवक गिरफ्तार

मध्य प्रदेश के शहडोल जिले में 14 वर्षीय छात्रा से छेड़खानी के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।अमलाई पुलिस थाने के प्रभारी जयप्रकाश शर्मा ने बताया कि नौवीं कक्षा में पढ़ने वाली छात्रा ने आरोप लगाया कि लगातार छेड़खानी से परेशान होकर उसने स्कूल जाना बंद कर दिया। शर्मा के अनुसार, छात्रा ने अपने परिजनों को इसकी जानकारी दी, जिसके बाद उन्होंने पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि 22 वर्षीय आरोपी ने कथित तौर पर लड़की को परेशान किया और उसका हाथ पकड़ने की भी कोशिश की। शर्मा के मुताबिक, पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा-74 (महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से उस पर आपराधिक बल प्रयोग या हमला करना), 78 (पीछा करना) और अन्य प्रासंगिक प्रावधानों तथा यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत शनिवार को मामला दर्ज किया।

गहरी खाई में गिरी कार, 5 की मौत

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मंडी में सड़क हादसे में 5 लोगों की जान चली गई। एक शादी समारोह के बाद कार से लौट रहे लोग उस समय हादसे का शिकार हो गए जबकि कार पलट कर गहरी खाई में गिर गई। यह हादसा शनिवार देर रात को हुआ। जानकारी अनुसार मंडी में शनिवार देर रात कार सड़क से पलटकर 700 मीटर गहरी खाई में गिर गई। जब राहगीरों ने सुबह कार देखी तो क्षेत्र में हड़कंप मच गया। इसके बाद पुलिस सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची। रेस्क्यू टीम ने सभी शवों को बरामद कर परिजनों की इस हादसे की सूचना दी। पुलिस के मुताबिक मंडी के चौहारघाटी के वरधाण में कार गहरी खाई में गिरी थी। जिससे 5 युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे क शिकार हुए कार सवार सभी युवक धमच्याण गांव के बताए जा रहे हैं, जो बरोट में शादी समारोह में हिस्सा लेने गए थे। शनिवार देर रात जब वो घर वापस लौट रहे थे तभी हादसे का शिकार हो गए। घटना की जानकारी रविवार सुबह तब मिली जबकि एक भेड़पालनकर्ता ने सड़क से करीब 700 मीटर नीचे खेतों में दुर्घटनाग्रस्त कार को देखा और पुलिस को सूचना दी। इस सड़क हादसे में मृत हुए लोगों की पहचान राजेश, गंगू, कर्ण, सागर और अजय के रूप में की गई है। कार हादसे के बाद चौहारघाटी में शोक छाया हुआ है।

रेव पार्टी में पकड़े गए 21 लडक़े, 14 लड़कियां

-साउथ के दिग्गज नेता का रिश्तेदार था आर्गनाइजर

हैदराबाद । तेलंगाना के साइबराबाद में रेव पार्टी का खुलासा हुआ है। एक हाई प्रोफाइल छापेमारी में फॉर्महाउस पर रेव पार्टी करते गुए 35 लोगों को हिरासत में लिया गया है। इस रेव पार्टी के तार यअ्रक्र के करीबी से जुड़ रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, तेलंगाना के पूर्व मंत्री केटी रामाराव के रिश्तेदार माने जाने वाले राज पाकला के जणवाड़ा फार्महाउस पर एक हाई-प्रोफाइल छापेमारी में अवैध शराब और नशीले पदार्थों के इस्तेमाल का खुलासा हुआ है। नरसिंगी पुलिस, विशेष अभियान दल, और आबकारी अधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से यह कार्रवाई की गई। बताया गया कि मकिला पुलिस स्टेशन क्षेत्र के अंतर्गत स्थित इस फार्महाउस में एक रेव पार्टी की सूचना मिलने पर छापेमारी कई गई थी। देर रात हुए इस छापे में अधिकारियों ने पार्टी में मौजूद 35 लोगों को हिरासत में लिया, जिसमें 21 पुरुष और 14 महिलाएं शामिल थीं। छानबीन के दौरान 10 ।5 लीटर विदेशी शराब की सात बोतलें और दस भारतीय शराब की बोतलें भी बरामद की गईं, जिनके लिए कोई लाइसेंस नहीं था। यह राज्य के आबकारी कानूनों का उल्लंघन है।

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा सरकार के प्रमुख से मिलना डील होना नहीं

-वे न्यायपालिका के लिए बजट देते हैं, अगर पत्रों पर निर्भर रहेंगे तो काम नहीं होगा

पुणे (एजेंसी)। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा है कि सरकार के प्रमुख जब हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस से मिलते हैं तो इन मुलाकातों में राजनीतिक परिपक्वता होती है। मुंबई के एक कार्यक्रम सीजेआई ने कहा कि हम राज्य या केंद्र सरकार के मुखिया से मिलते हैं तो इसका अर्थ यह नहीं है कि कोई डील हो गई।

चीफ जस्टिस ने ये भी कहा कि हमें राज्य के सीएम के साथ बातचीत करनी होती है, क्योंकि वे न्यायपालिका के लिए बजट देते हैं। यदि मुलाकात न करके केवल लेटर्स पर निर्भर रहें तो काम नहीं होगा। ये मीटिंग पॉलिटिकल मैच्योरिटी का एक साइन है। मेरे करियर में ऐसा कभी नहीं हुआ कि किसी सीएम ने कभी भी मुलाकात के दौरान किसी लंबित केस के बारे में कुछ कहा हो। सीजेआई ने कहा कि कोर्ट और सरकार के बीच का एडमिनिस्ट्रेटिव रिलेशन, ज्यूडिशियरी के काम से अलग है। सीएम या चीफ जस्टिस त्योहारों या शोक में एक-दूसरे से मिलते हैं। यह हमारे काम पर कोई असर नहीं डालता।

जजों को सोचने का समय नहीं

अदालतों में छुट्टियों को लेकर उठने वाले सवालों पर सीजेआई ने कहा- लोगों को यह समझना चाहिए कि जजों पर काम का बहुत बोझ है। उन्हें सोचने-विचारने का भी समय चाहिए होता है, क्योंकि उनके फैसले समाज का भविष्य तय करते हैं। मैं खुद रात 3:30 बजे उठता हूं और सुबह 6:00 बजे से अपना काम शुरू कर देता हूं। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट एक साल में 181 केस निपटाता है। जबकि भारतीय सुप्रीम कोर्ट में इतने केस तो एक ही दिन में निपटाए जाते हैं। हमारा सुप्रीम कोर्ट हर साल 50,000 केस निपटाता है।

कोलेजियम की जिम्मेदारी राज्य-केंद्र और ज्यूडिशियरी में बंटी

सीजेआई ने कहा कि कॉलेजियम सिस्टम एक यूनियन सिस्टम है, जहां जिम्मेदारियां अलग-अलग लेवल पर केंद्र सरकार, राज्य सरकार और ज्यूडिशियरी में बंटी हैं। इसमें आम सहमति बनती है, लेकिन कभी-कभी ऐसा भी होता है जब सहमति नहीं बन पाती। ऐसे में ज्यूडिशियरी के अलग अलग लेवल पर और सरकारों के अलग-अलग लेवल पर मैच्योरिटी के साथ निपटाया जाता है। मैं चाहता हूं कि हम एक आम सहमति बनाने में सक्षम हों। हर संस्थान में सुधार किया जा सकता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि इसमें बुनियादी तौर पर कुछ गड़बड़ है। सीजेआई ने कहा कि जिस संस्था को हमने ही बनाया है, उसकी आलोचना करना बहुत आसान है। हर संस्था में बेहतरी का स्कोप होता है, लेकिन हमें यह नहीं सोचना चाहिए कि बुनियादी तौर पर कुछ गड़बड़ है। ये संस्थाएं 75 साल से चल रही हैं। हमें डेमोक्रेटिक गवर्नेंस के हमारे सिस्टम पर भरोसा करना चाहिए, ज्यूडिशियरी भी इसी का एक भाग है।

पूरी दुनिया की न्यायपालिका में बदलाव आया

सीजेआई ने कहा कि सोशल मीडिया के कारण फैसला सुनाने में पूरी दुनिया की न्यायपालिकाओं में बदलाव आया है। हालांकि, जजों को अपनी बातों को लेकर बहुत सावधान रहने की जरूरत होती है। जजों को सही भाषा का इस्तेमाल करना होता है। सोशल मीडिया हमारी सोसाइटी के लिए अच्छा है, क्योंकि यह यूजर्स को सोसाइटी के एक बड़े वर्ग तक पहुंचने में सक्षम बनाता है।

शाह करेंगे बंगाल में सदस्यता अभियान की शुरुआत

-भाजपा नेता राहुल सिन्हा ने जानकारी देते हुए बांद्रा हादसे पर भी कह दी बड़ी बात...

कोलकाता। बीजेपी नेता राहुल सिन्हा ने रविवार को कई मुद्दों पर अपनी राय व्यक्त की, जिसमें मुंबई के बांद्रा टर्मिनल पर हुई भगदड़ की घटना और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के पश्चिम बंगाल दौरे भी शामिल है। सिन्हा ने कहा कि देशभर में बीजेपी का सदस्यता अभियान जारी है। हालांकि, पश्चिम बंगाल में आरजी कर की घटना सहित कुछ अन्य कारणों से यहां सदस्यता अभियान की प्रक्रिया थोड़ी देर से शुरू हुई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जल्द ही बंगाल दौरे पर आएंगे, जहां वह सदस्यता अभियान की शुरुआत करेंगे। इसके बाद, बंगाल में तेजी से इस अभियान को आगे बढ़ाया जाएगा, ताकि ज्यादा से ज्यादा नए सदस्य बनाए जा सकें। मुंबई में हाल ही में हुई भगदड़ के बारे में उन्होंने कहा कि यह एक दुखद घटना है। प्लेटफॉर्म पर भारी भीड़ थी, जिसके कारण यह समस्या पैदा हुई। हालांकि, मुझे विश्वास है कि जिन परिवारों को नुकसान हुआ है या जो घायल हुए हैं, उनके लिए सरकार और रेलवे की ओर से व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा कि मैं घायलों के परिजनों के साथ खड़ा हूं। सिन्हा ने आगे कहा कि बीजेपी के खौफ के चलते टीएमसी में डर है। जब उन्हें पता चला कि पवन सिंह आसनसोल आने वाले हैं, तो उनमें खलबली मच गई, जिसके कारण उन्होंने भोजपुरी गीतों का कार्यक्रम रद्द करना पड़ा। इस तरह, राहुल सिन्हा ने बीजेपी की सदस्यता अभियान की योजनाओं के साथ-साथ राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर अपनी स्पष्ट राय रखी, जो पार्टी के लिए अहम है।

किसानों को फ्री बिजली देने की बात कहकर मीटर लगा रही सरकार: राकेश टिकैत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने रविवार को यहां एक महापंचायत में कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक वर्ष तक किसानों को फ्री बिजली देने की बात कही थी लेकिन अधिकारियों ने किसानों के खेतों पर मीटर लगाना शुरू कर दिया है।

उन्होंने पूछा कि अगर मीटर लग जाएंगे तो फ्री बिजली कैसे आएगी टिकैत ने यहां मुंडेरा में आयोजित किसान महापंचायत के बाद संवाददाताओं से कहा, 'अगर मीटर लगाना है तो 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले इस मुद्दे को अपने घोषणा पत्र में शामिल करना होगा नहीं तो किसान के खेत में मीटर नहीं लगेगा।' उन्होंने धान की कीमतों को लेकर आरोप लगाया कि पूर्वांचल में जौनपुर, मिर्जापुर और बलिया में 1200 रुपये प्रति क्विंटल के भाव में धान किसानों से लिया जा रहा है। टिकैत ने कहा कि यही हाल मक्का का है। भाकियू नेता ने कहा कि अकेले बिहार में एक लाख करोड़ रुपये का नुकसान फसलों को कम कीमत पर बेचने से किसानों को होता है और यह हाल सभी राज्यों का है। टिकैत ने आरोप लगाया, 'सरकार चाहती है कि लोग बंधुआ मजदूर बनकर रहें। यह एक बड़ी साजिश रची जा रही है। यह सरकार देश को श्रमिकों का देश बनाना चाहती है क्योंकि उद्योगों में श्रमिकों की भारी कमी है।'

उन्होंने कहा, 'अग्निवीर आने वाले दिनों में गार्ड का काम करेंगे क्योंकि अकेले अदाणी समूह को 25,000 गार्डों की जरूरत है। यह भर्ती (अग्निवीरों की) अडानी के लिए हो रही है। यह देश कृषि प्रधान देश से श्रमिक प्रधान देश बनेगा।

मोदी सरकार के कार्यकाल में देश में हुए 25 से ज्यादा ट्रेन हादसे, कई की गई जान

-बांद्रा टर्मिनस स्टेशन पर भगदड़ पर शिवसेना सांसद ने जताई चिंता, उठाए सवाल

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के बांद्रा टर्मिनस स्टेशन पर रविवार तड़के हुई एक भगदड़ ने यात्री सुरक्षा और रेलवे प्रबंधन की खामियों को उजागर कर दिया है। हादसे के समय प्लेटफार्म पर यात्रियों की बहुत ज्यादा भीड़ थी, जिसके कारण कई लोग घायल हो गए हैं। इस घटना पर शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के राज्यसभा सांसद एवं प्रवक्ता संजय राउत ने गंभीर चिंता व्यक्त की है।

राउत ने कहा कि जब से पीएम मोदी की सरकार सत्ता में आई है, तब से देश में 25 से ज्यादा बड़े रेल हादसे हुए हैं। इनमें सैकड़ों लोग अपनी जान जा चुकी है। यह सवाल उठता है कि क्या यह स्थिति अब भी सहन की जाएगी? उन्होंने यह भी कहा कि मुंबई जैसे शहर में जहां सबसे ज्यादा यात्री यात्रा करते हैं, वहां की रेलवे स्थिति पर गंभीर सवाल हैं। राउत ने आगे कहा कि सरकार बुलेट ट्रेन, मेट्रो और हाईस्पीड ट्रेन के बारे में बात करती है, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और है। बांद्रा हादसे में घायल हुए यात्रियों का जिम्मेदार कौन है? उन्होंने यह भी कहा कि मुंबई से सबसे ज्यादा राजस्व मिलने के बावजूद शहर के विकास और नागरिकों की सुरक्षा की अनदेखी की जा रही है।

घटना के बारे में जानकारी देते हुए, रेलवे अधिकारियों ने बताया कि बांद्रा टर्मिनस के प्लेटफार्म नंबर एक पर यात्रियों की अधिक भीड़ के कारण यह हादसा हुआ। इस भीड़ को नियंत्रित करने में पुलिसकर्मी असमर्थ नजर आए। इसके परिणामस्वरूप, साप्ताहिक चलने वाली बांद्रा-गोरखपुर एक्सप्रेस ट्रेन को रीशेड्यूल करना पड़ा।

इस घटना ने मुंबई की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था की सुरक्षा और प्रबंधन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। संजय राउत की प्रतिक्रियाओं ने न केवल रेलवे प्रशासन बल्कि स्थानीय प्रशासन की जिम्मेदारियों की ओर भी ध्यान आकर्षित करती है। यह हादसा एक बार फिर से यह पुष्टि करता है कि समय रहते सुधार और व्यवस्थापन की जरूरत है, ताकि भविष्य में यात्रियों की सुरक्षा तय की जा सके।

जब बिहार में शराबबंदी लागू है तो राजद ने कंपनियों से क्यों लिया करोड़ों का चंदा?

-जदयू के नीरज कुमार ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर बोला जोरदार हमला

पटना (एजेंसी)। बिहार में जदयू के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा है बिहार में जब शराबबंदी लागू है तो फिर उन्होंने शराब बनाने वाली कंपनियों से चंदा क्यों लिया? नीरज ने यह बात एक संवाददाता सम्मेलन में कही। जदयू प्रवक्ताओं ने कहा कि बिहार को बदनाम करने के लिए तेजस्वी यादव ने लोकसभा चुनाव के ठीक पहले शराब बनाने वाली कंपनियों से इलेक्ट्रॉल बांड के रूप में 46.64 करोड़ रुपए लिए थे। शराबबंदी के विषय में उनका अनर्गल प्रलाप महज संयोग नहीं बल्कि एक राजनीतिक प्रयोग है।

नीरज ने कहा कि जहरीली शराब से होने वाली मौत पर राजनीतिक टिप्पणी करने से पहले तेजस्वी को एनसीआरबी का डाटा देख लेना चाहिए। राबड़ी देवी के शासनकाल (1999-2005) में जहरीली शराब से होने वाली मौत के आंकड़े मुताबिक पूरे देश में बिहार छठे स्थान पर था। वही, नीतीश कुमार के शासनकाल में जब शराबबंदी लागू नहीं थी तब बिहार आठवें स्थान पर था। शराबबंदी लागू होने के बाद बिहार 13वें स्थान पर आ गया। राबड़ी देवी के शासन काल में जहरीली शराब से 456 लोगों की मौत हुई थी। उन्होंने सवाल किया क्या इसकी जिम्मेदारी लालू प्रसाद लेंगे? यह राजद को स्पष्ट करना चाहिए।

राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद, पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बयान जारी कर कहा कि राजो बाबू के निधन से समाजवादी आंदोलन और बिहार को अपूर्णीय क्षति हुई है। वे कर्मठ व अपने कार्यों के प्रति ईमानदार थे। प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद ने बताया कि उनके सम्मान में राजद के राज्य कार्यालय में पार्टी का झंडा आधा झुका दिया गया। प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह, राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता प्रो. मनोज कुमार झा, राष्ट्रीय महासचिव भोला यादव, प्रदेश के प्रधान महासचिव रणविजय साहू आदि ने शोक प्रकट किया है। राजो बाबू मधेपुरा से कांग्रेस व राजद के टिकट पर विधायक रहे थे। वार्ड कमिश्नर से शुरू हुई उनकी राजनीतिक-यात्रा नगरपालिका के अध्यक्ष, विधायक होते हुए उद्योग राज्य मंत्री तक पहुंची। बता दें शुक्रवार रात राजो बाबू में अंतिम सांस ली थी।

केंद्र का दीपावली तोहफा, 80 साल से ज्यादा उम्र वालों को मिलेगी अतिरिक्त पेंशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र ने सरकारी कर्मचारियों को रिटायरमेंट के बाद मिलने वाली पेंशन में एक नई सुविधा जोड़ दी है। सरकार ने 80 साल से ज्यादा उम्र के पेंशनर्स को अनुकंपा भत्ता देने का फैसला लिया है। यह जानकारी लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय द्वारा दी गई है।

मंत्रालय के मुताबिक 80 साल से ज्यादा उम्र के पेंशनर्स को अब अतिरिक्त पेंशन का लाभ मिलेगा। इसके लिए सरकार ने नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं, जिससे पेंशन का वितरण आसान और तेजी से किया जा सकेगा। सीसीएस (पेंशन) नियम 2021 के नियम 44 के तहत पेंशनर्स को मूल पेंशन के साथ अतिरिक्त पेंशन या अनुकंपा भत्ता मिलेगा। जिसमें 80 से 85 साल के लिए मूल पेंशन का 20फीसदी, 85 से 90 के लिए मूल पेंशन का 30 फीसदी, 90 से 95 साल के लिए मूल पेंशन का 40 फीसदी, 95 से 100 साल के लिए मूल पेंशन का 50 फीसदी और 100 साल से ज्यादा उम्र के लिए मूल पेंशन का 100 फीसदी शामिल है। जैसा कि यदि किसी पेंशनर की आयु 81 साल है और उसे 5,000 रुपए की पेंशन मिल रही है, तो उसे अतिरिक्त पेंशन के रूप में 1,000 रुपए और मिलेंगे। इसी तरह 85 से 90 साल के पेंशनर को 1500 रुपए अनुकंपा भत्ता मिलेगा।

मंत्रालय के मुताबिक जब पेंशनर की आयु सीमा 80 साल तक पहुंचेगी, तो उस महीने के पहले दिन से अतिरिक्त पेंशन या अनुकंपा भत्ता लागू हो जाएगा। यह निर्णय पेंशनर्स के जीवन-यापन को आसान बनाने के लिए लिया गया है, ताकि उन्हें कोई आर्थिक समस्या न हो। सभी पेंशनर्स को समय पर अतिरिक्त पेंशन का लाभ मिले। इसके लिए मंत्रालय ने संबंधित विभागों और बैंकों को सूचना भेजने का निर्देश दिया है।

कहीं खुशी तो कहीं गम देकर गया चक्रवात दाना, खुशी से झूमी दिल्ली

नई दिल्ली (एजेंसी)। चक्रवात दाना का असर खत्म हो गया है। जाते जाते कहीं खुशी तो कहीं गम देकर गया है। ओडिशा और पश्चिम बंगाल में तेज हवाओं के कारण जहां बिजली के पोल उखड़ गए तो कुछ घरों को भी नुकसान हुआ है। जबकि केरल के लिए मौसम विभाग ने भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इसी बीच दिल्ली से राहत भरी खबर आ रही है। माना जा रहा है कि चक्रवात दाना के कारण दिल्ली को जहरीली हवा से काफी हद तक मुक्ति मिली है। और दिल्ली खुशी से झूम उठी है।

दिल्ली में वायु गुणवत्ता में पिछले दो दिनों में सुधार देखने को मिला है। शनिवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 255 दर्ज किया गया, जो 'बहुत खराब' से 'खराब' श्रेणी में है। हालांकि, कुछ क्षेत्रों में एक्यूआई अभी भी 'बहुत खराब' है। इसके साथ ही, तेज हवाओं के चलते दिल्ली की हवा की गुणवत्ता भी बेहतर हुई है। यह बदलाव न केवल मौसम में सुधार लाने में सहायक रहा है, बल्कि नागरिकों के स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। सीपीसीबी के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में वायु प्रदूषण के प्रमुख प्रदूषक पीएम10 और ओ3 हैं। परिवहन क्षेत्र इस प्रदूषण में सबसे बड़ा योगदान दे रहा है, जिससे वायु गुणवत्ता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। परिवहन से होने वाले उत्सर्जन का योगदान शनिवार को 14.8 प्रतिशत तक पहुंच गया, जो स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर चिंता का विषय है। सीपीसीबी के अनुसार, दिल्ली में पीएम 2.5 का स्तर 110.6 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर दर्ज किया गया है, जो स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा कर सकता है। इस प्रकार, चक्रवात 'दाना' के प्रभाव से राहत मिलने के बावजूद, मौसम और वायु गुणवत्ता की स्थिति पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

24 घंटे में 152.8 मिलीमीटर बारिश दर्ज

चक्रवात 'दाना' के प्रभाव से बारिश रुकने के बाद कई इलाकों से पानी कम होने से लोगों को राहत मिली है। शनिवार सुबह साढ़े छह बजे तक कोलकाता में 24 घंटे में 152.8 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कुछ क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है।चक्रवात ने ओडिशा के केंद्रपाड़ा और भद्रक जिले में करीब 110 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने के साथ दस्तक दी। इससे पेड़ और बिजली के खंभे उखड़ गए, जिससे बुनियादी ढांचे और फसलों को गंभीर नुकसान हुआ।पश्चिम बंगाल में चक्रवात से संबंधित घटनाओं में चार लोगों की मौत हुई है। कोलकाता में स्थिति में सुधार हुआ है, लेकिन कुछ जिलों में जलभराव बना हुआ है, जिससे फसलें भी प्रभावित हुई हैं। आईएमडी ने पूर्व मेदिनीपुर, पश्चिम मेदिनीपुर और झारग्राम जिलों में भारी बारिश की संभावना जताई है।मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले दिनों में वायु गुणवत्ता में सुधार की उम्मीद है। अगले सप्ताह में किसी बड़ी मौसमी गतिविधि की संभावना नहीं है, जिससे स्थिति स्थिर रहने की संभावना है। हवा की दिशा में बदलाव और गति में वृद्धि भी इस सुधार में योगदान कर सकती है, जिससे प्रदूषण स्तर में कमी आने की संभावना है। इस दौरान, लोग अपेक्षाकृत बेहतर वायु गुणवत्ता का अनुभव कर सकते हैं।

भारत में फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस में वृद्धि की महत्वपूर्ण संभावना: एरिक्सन

- भारत में 4जी, 5जी सेवाओं में अब भी काफी अवसर

नई दिल्ली ।
स्वीडन की दूरसंचार उपकरण विनिर्माता कंपनी एरिक्सन का कहना है कि भारत में अंतिम उपयोगकर्ता तक डेटा खपत बढ़ने से उसकी वृद्धि का अगला चरण नेटवर्क सघनीकरण (नेटवर्क डेंसिफिकेशन) से आगे बढ़ेगा। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह बात कही है। एरिक्सन के भारत में प्रबंध निदेशक और दक्षिण-पूर्व एशिया, ओसियाना और भारतीय बाजार क्षेत्र के लिए एक अे धिकारी ने बताया कि भारत में फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस में वृद्धि की महत्वपूर्ण संभावना है, और तैनाती की संख्या के मामले में यह जल्द ही अमेरिका के आंकड़े को पार कर जाएगी। अे धिकारी ने कहा` कि वृद्धि का अगला चरण मुख्य रूप से नेटवर्क उपयोग को बढ़ाने के लिए नेटवर्क सघनीकरण के माध्यम से बढ़ती ट्रैफिक' जरूरतों को पूरा करने पर केंद्रित है। नेटवर्क का इस्तेमाल बढ़ने से नेटवर्क सघन होता है। नेटवर्क सघनीकरण नेटवर्क में नोड्स का घनत्व बढ़ाने की प्रक्रिया है, जिससे क्षमता, कवरेज सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होता है। एरिक्सन का अनुमान है कि भारत में डेटा ट्रैफिक 2029 तक प्रति स्मार्टफोन उपयोगकर्ता प्रतिमाह 29 जीबी से बढ़कर 68 जीबी तक पहुंच जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि यह रुख जारी रहता है तो सेवाप्रदाता उपयोगकर्ताओं के अनुभव को बढ़ाने के लिए नेटवर्क को सघन करेंगे। भारत में 2022 की दूसरी छमाही और 2023 की शुरुआत में 5जी की तेजी से शुरुआत की वजह से एरिक्सन और अन्य दूरसंचार उपकरण विनिर्माताओं के कारोबार में काफी तेजी आई थी। हालांकि, अब उनके कारोबार की रफ्तार धीमी हुई है। एरिक्सन ने दक्षिण-पूर्व एशिया, ओसियाना और भारतीय क्षेत्र में सितंबर, 2024 की तीसरी तिमाही के लिए कारोबार में सालाना आधार पर 44 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की है।

यस बैंक का मुनाफा सितंबर तिमाही में बढ़कर 566.59 करोड़ हुआ

- बीते वित्त वर्ष बैंक का मुनाफा 228.64 करोड़ रुपए रहा था

मुंबई।
निजी क्षेत्र के यस बैंक का मुनाफा चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही के लिए 147 प्रतिशत बढ़कर 566.59 करोड़ रुपए रहा है।
बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में बैंक का मुनाफा 228.64 करोड़ रुपए रहा था। पिछली अप्रैल-जून तिमाही में बैंक का मुनाफा 516 करोड़ रुपए रहा था। समग्र कर्ज में 12.4 प्रतिशत की वृद्धि तथा शुद्ध ब्याज मार्जिन के 2.4 प्रतिशत तक बढ़ने के कारण समीक्षाधीन तिमाही में मुख्य (कोर) शुद्ध ब्याज आय 14.3 प्रतिशत बढ़कर 2,200 करोड़ रुपए हो गई।
बैंक की गैर-ब्याज आय 16.3 प्रतिशत बढ़कर 1,407 करोड़ रुपए हो गई। कुल जमा राशि 18 प्रतिशत रही, जो उद्योग-व्यापी प्रवृत्ति के विपरीत है कि यह ऋण वृद्धि से कम रही। बैंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक (एमडी) प्रशांत कुमार ने कहा कि बैंक ने चालू वित्त वर्ष में जमा में 17-18 प्रतिशत और कर्ज में 13-14 प्रतिशत की वृद्धि का लक्ष्य रखा है। परिसंपत्ति गुणवत्ता के मोर्चे पर, बैंक की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) सितंबर 2024 के अंत तक घटकर सकल कर्ज का 1.6 प्रतिशत रह गई, जबकि एक साल पहले यह दो प्रतिशत थी।
इसी प्रकार शुद्ध एनपीए घटकर 0.42 प्रतिशत रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के अंत में 0.43 प्रतिशत था। एकीकृत आधार पर बैंक का मुनाफा 19 प्रतिशत की वृद्धि के साथ सितंबर तिमाही में 12,948 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 10,896 करोड़ रुपये थी।

बीते सप्ताह खाद्य तेल-तिलहन के भाव तेजी के साथ बंद हुए

त्योहारी मांग बढ़ने से सभी तेल-तिलहनों में सुधार दर्ज हुआ

नई दिल्ली।
वैश्विक बाजारों में तेजी और देश में त्योहारी मांग बढ़ने से देश के खाद्य तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह सभी तेल-तिलहनों के भाव मजबूत बंद हुए। इस तेजी के कारण सरसों, सोयाबीन एवं मूंगफली तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल के दाम में सुधार देखने को मिला। बाजार सूत्रों ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह में कच्चे पामतेल (सीपीओ) का भाव 1,200 डॉलर प्रति टन हो गया जो उसके पिछले सप्ताह 1,135-1,140 डॉलर प्रति टन था। इसी तरह सोयाबीन तेल का दाम 1,140-1,045 डॉलर प्रति टन से बढ़कर समीक्षाधीन सप्ताह में 1,242-1,247 डॉलर प्रति टन हो गया। इसके अलावा त्योहारी मांग बढ़ने से सभी तेल-तिलहनों में सुधार दर्ज हुआ। सूत्रों ने कहा कि सरकार को सूरजमुखी तेल की ही तरह आयात होने वाले सोयाबीन तेल, सीपीओ और पामोलीन तेल के लिए भी बाजार भाव के हिसाब से आयात शुल्क मूल्य (टैरिफ) निर्धारण की व्यवस्था कर देनी चाहिये, क्योंकि आयात शुल्क में वृद्धि के बाद सूरजमुखी और बाकी तेल के आयात शुल्क मूल्य निर्धारण के अलग-अलग मानदंड अपनाने की वजह से अब इन्हीं खाद्य तेलों के आयात भाव का अंतर काफी बढ़ जाता है, जिससे सूरजमुखी महंगा बैठता है। इससे इसका आयात प्रभावित हो सकता है। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 75 रुपये के सुधार के साथ 6,475-6,525 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का थोक भाव 400 रुपये की तेजी के साथ 13,500 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 45 रुपये और 55 रुपये की तेजी के साथ क्रमशः 2,160-2,260 रुपये और 2,160-2,285 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 115 रुपये और 110 रुपये की तेजी के साथ क्रमशः 4,760-4,810 रुपये और 4,460-4,695 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 550 रुपये, 500 रुपये और 450 रुपये बढ़कर क्रमशः 13,650 रुपये, 13,150 रुपये और 10,050 रुपये क्विंटल पर बंद हुए। मूंगफली तेल-तिलहन कीमतों में भी पिछले सप्ताहांत के मुकाबले सुधार का रुख रहा।

शेयर बाजार में पिछले एक माह में निवेशकों के करोड़ों रुपये डूबे

मुम्बई ।
दिवाली से ठीक पहले शेयर बाजार में निराशा का माहौल है। पिछले कुछ समय में ही निवेशकों के 40 लाख करोड़ रुपये डूब गये हैं। बाजार में पिछले कुछ हफ्तों से लगातार गिरावट रही है। ऐसे में जिन निवेशकों का पोर्टफोलियो लाभ में था वह भी अब पिछले एक माह से घाटे में आ गये हैं। रिटेल निवेशकों का मानना है कि सालभर में जो भी कमाई हुई थी, वह सब कुछ दिनों में ही हाथ से निकल गयी है। कोविड के बाद इस तरह की गिरावट पहली बार आई है। सबसे ज्यादा नुकसान रिटेल (छोटे निवेशकों) को हुआ है। बाजार खराब दौर से गुजर रहा है। हर दिन निवेशकों को यही लगता है कि अब बाजार में तेजी आएगी परबिकवाली से उनकी उम्मीदें टूट जाती हैं। इससे निवेशक परेशान हैं। पिछले एक माह में मिडकैप-स्मॉलकैप शेयर भी 50 फीसदी नीचे आये हैं। बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी शीर्ष स्तर से गिरे हैं। इसके अलावा डिफेंस इंडेक्स भी नीचे आया है। ऑटो सेक्टर में 14 फीसदी और कैपिटल गुड्स में 13.5 फीसदी की गिरावट आई है। बीएसई का मार्केट कैप करीब 477 लाख करोड़ रुपये था, जो अब घटकर 437 लाख करोड़ पर आ गया है। वित्त वर्ष 2023-24 में जीएसटी कलेक्शन कुल 20.18 लाख करोड़ रुपये रहा था जबकि पिछले एक महीने में निवेशकों को 40 लाख करोड़ रुपये बाजार का नुकसान हुआ है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि बाजार में गिरावट का क्या कारण है। इसको लेकर कहा जा रहा है कि मुनाफावसूली से बाजार नीचे आ रह है। ऐसे में अभी निवेशकों को सावधानी रखनी होगी। विदेशी निवेशक भारतीय बाजार में तेजी से बिकवाली कर रहे हैं। वे भातरीय बाजार से पैसा निकालकर चीन के बाजार में निवेश कर रहें हैं। इसका अंदाज इसी से होता है कि इसी माह विदेशी निवेशकों ने 1.08 लाख करोड़ रुपये बाजार से निकाले हैं। इसके अलावा कई बड़ी कंपनियों की दूसरी तिमाही के परिणाम खराब आ रहे हैं, जिससे शेयरों में गिरावट रही है। इससे भी बाजार की भावना कमजोर पड़ी है। उपभोक्ता और कुछ टेक कंपनियों के परिणाम से भी बाजार को झटका लगा है। पिछले एक-डेढ़ साल में फंडामेंटली स्टॉक्स में अच्छी-खासी तेजी देखने को मिली पर इसमें भी कुछ ऐसे शेयर भी तेजी में थे, जिसके बढ़ने के कोई खास कारण नहीं थे। खासकर सरकारी कंपनियां के शेयर, रेलवे शेयर, न्यू टेक्नोलॉजी कंपनियों के शेयर और सरकारी बैंकों के शेयरों में खूब तेजी आई

विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर में शेयरों से 85,790 करोड़ निकाले

एफपीआई की निरंतर बिकवाली से बाजार की धारणा प्रभावित हुई

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का भारतीय शेयर बाजार में बिकवाली का सिलसिला जारी है। इस महीने एफपीआई ने अब तक भारतीय बाजार से 85,790 करोड़ रुपये या 10.2 अरब डॉलर की निकासी की है। चीन के प्रोत्साहन उपायों, वहां शेयरों के आकर्षक मूल्यांकन तथा घरेलू शेयरों के ऊंचे मूल्यांकन की वजह से एफपीआई भारतीय बाजार में लगातार बिकवाली कर रहे हैं। विदेशी कोषों की निकासी के मामले में अक्टूबर का महीना सबसे खराब साबित हो रहा है। मार्च, 2020 में, एफपीआई ने शेयरों से 61,973 करोड़ रुपये निकाले थे। इससे पहले सितंबर में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार में 57,724 करोड़ रुपये का निवेश किया था, जो उनके निवेश का नौ माह का उच्चस्तर है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, जून से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक लगातार लिवाल बने हुए थे। अप्रैल-मई में उन्होंने जरूर 34,252 करोड़ रुपये की निकासी की थी। बाजार के` विशेषज्ञों ने कहा कि भविष्य में एफपीआई का भारतीय बाजार में निवेश भू-राजनीतिक स्थिति और ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव जैसे वैश्विक घटनाक्रमों पर निर्भर करेगा। उन्होंने कहा कि घरेलू मोर्चे पर मुद्रास्फीति का रुख, कंपनियों के तिमाही नतीजे और त्योहारी सत्र की मांग पर एफपीआई की निगाह रहेगी। आंकड़ों के अनुसार एफपीआई ने एक से 25 अक्टूबर के बीच भारतीय शेयर बाजार से 85,790 करोड़ रुपये की` निकासी की है। एफपीआई की निरंतर बिकवाली ने बाजार की धारणा को प्रभावित किया है, जिससे एनएसई का निफ्टी अपने शीर्ष स्तर से आठ प्रतिशत नीचे आ गया है। एफपीआई की निरंतर बिकवाली के रुख में तत्काल बदलाव आने की संभावना नहीं है। चीन के प्रोत्साहन उपायों की वजह से एफपीआई वहां के बाजार का रुख कर रहे हैं। इसके अलावा भारत में मूल्यांकन ऊंचा होने की वजह से भी एफपीआई बिकवाल बने हुए हैं। आंकड़ों के अनुसार एफपीआई ने समीक्षाधीन अवधि के दौरान बॉन्ड से सामान्य सीमा के माध्यम से 5,008 करोड़ रुपये निकाले हैं और स्वैच्छिक प्रतिधारण मार्ग (वीआरआर) से 410 करोड़ रुपये का निवेश किया।

जियो भारत 4जी फोन सिर्फ 699 रुपये में उपलब्ध

- दिवाली ऑफर सभी ग्राहकों के लिए

मुंबई । दूरसंचार कंपनी जियो फेस्टिव सीजन में रिलायंस की तरफ से अभी हाल ही में रिचार्ज प्लान में कई तरह के उपहार का ऐलान किया गया था। वहीं अब रिलायंस जियो ने अपने जियोभारत 4जी फोन की कीमतों में बड़ी कटौती की है। दिवाली के इस खास ऑफर के तहत अब जियोभारत 4जी फोन सिर्फ 699 रुपये में उपलब्ध होगा, जो पहले 999 रुपये में मिल रहा था। कंपनी ने इस सीमित समय के ऑफर की घोषणा करते हुए कहा कि यह ऑफर सभी यूज़र्स के लिए उपलब्ध है। इस फोन में 1.77 इंच का क्यूवीजीए टीएफटी डिस्प्ले है और इसमें 1000एमएएच की रिमूवेबल बैटरी दी गई है। फोन में टॉर्च लाइट, एफएम रेडियो, हेडफोन जैक और 0.3 मेगापिक्सल का कैमरा है। यह फोन 128जीबी तक के एसडी कार्ड को सपोर्ट करता है, जिससे स्टोरेज बढ़ाया जा सकता है। हालांकि, इस फोन में केवल जियो का सिम इस्तेमाल किया जा सकता है।

डीएलएफ की बिक्री बुकिंग अप्रैल-सितंबर में 66 फीसदी बढ़कर 7094 करोड़

पिछले साल इसी अवधि में इसकी बिक्री बुकिंग 4,268 करोड़ रुपये थी

नई दिल्ली । रियल एस्टेट क्षेत्र की प्रमुख कंपनी डीएलएफ की बिक्री बुकिंग मजबूत आवास मांग के कारण चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में 66 प्रतिशत बढ़कर 7,094 करोड़ रुपये हो गई। पिछले साल इसी अवधि में इसकी बिक्री बुकिंग 4,268 करोड़ रुपये थी। कंपनी पहली तिमाही में मजबूत प्रदर्शन के कारण अप्रैल-सितंबर अवधि के दौरान बिक्री बुकिंग में वृद्धि हासिल करने में सक्षम रही है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के दौरान डीएलएफ की बिक्री बुकिंग तीन गुना होकर लगभग 6,400 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले साल की समान अवधि में 2,040 करोड़ रुपये थी। हालांकि, 2024-25 की दूसरी तिमाही में बिक्री बुकिंग 69 फीसदी घटकर 692 करोड़ रुपये रह गई, जो एक साल पहले समान अवधि की 2,228 करोड़ रुपये थी। निवेशकों को डीएलएफ ने बताया कि नए उत्पाद पेश के लिए अपेक्षित अनुमोदन प्राप्त करने में देरी के कारण बिक्री में कमी आई है।

जल्द ही भारत अमेरिका और यूरोप की कतार में खड़ा होगा

- टाटा समूह ने हवाई जहाज निर्माण क्षेत्र में किया प्रवेश

नई दिल्ली । जल्द ही भारत अमेरिका और यूरोप की कतार में खड़ा होने वाला है। दरअसल, टाटा समूह ने हवाई जहाज निर्माण क्षेत्र में प्रवेश कर लिया है। उसका एक प्लांट गुजरात के बडोदरा शहर में बनकर तैयार है। इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और स्पेन के उनके समकक्ष पेड्रो सांचेज सोमवार करेंगे। टाटा के इस एयरक्राफ्ट कांप्लेक्स में सी-295 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट का निर्माण किया जाएगा। यह पहली बार है जब देश की कोई निजी कंपनी भारतीय सेना के लिए सैन्य विमान बनाएगी। गौरतलब है कि दुनिया में इस वक्त विमान निर्माण की कुछ चुनिंदा कंपनियां हैं। सबसे चर्चित कंपनी है बोइंग और एयरबस। ये कंपनियां अमेरिका और यूरोप की हैं। रूस और चीन के यहां विमान निर्माण कंपनियां हैं लेकिन वे इतनी लोकप्रिय नहीं हैं। ऐसे में भारत का यह कदम उसे अगली कतार में खड़ा करता है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक बयान जारी कहा कि टाटा समूह का बडोदरा प्लांट में एक पूरा इकोसिस्टम बनेगा। जहां विमानों के निर्माण से लेकर उनकी एसेंबली की जाएगी। सितंबर 2001 में रक्षा मंत्रालय ने 56 विमानों के लिए एयरबस के साथ 21,935 करोड़ रुपये का एक कान्ट्रेक्ट किया था। इनमें से 40 विमानों का निर्माण भारत में करना था। इसके लिए टाटा एडवांस सिस्टम लिमिटेड और एयरबस ने समझौता किया था। भारत सरकार के साथ समझौते के मुताबिक एयरबस को पूरी तरह तैयार 16 विमान सेना को सौंपने थे। बाकी का भारत में निर्माण करना था।

वैश्विक रुख और कंपनी परिणाम से तय होगी शेयर बाजार की दिशा : विशेषज्ञ

- ईरान-इजराइल संघर्ष और कच्चे तेल की कीमतों का भी बाजार पर रहेगा असर

नई दिल्ली ।
स्थानीय शेयर बाजारों की दिशा इस कम कारोबारी सत्र वाले सप्ताह के दौरान विदेशी निवेशकों की गतिविधियों, वैश्विक रुख और कंपनियों के तिमाही नतीजों से तय होगी। बाजार के विश्लेषकों ने कहा है कि मासिक डेरिवेटिव्स अनुबंधों के निपटान की वजह से बाजार में कुछ और गिरावट देखने को मिल सकती है। विदेशी कोषों की भारी निकासी और कंपनियों के दूसरी तिमाही के नतीजे अच्छे नहीं रहने की वजह से पिछले सप्ताह बाजार में बड़ी गिरावट आई थी। एक विशेषज्ञ ने कहा कि अगले महीने की शुरुआत में अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से पहले निवेशकों के सतर्क रहने से निकट अवधि में बाजार में कमजोरी का रुख जारी रह सकता है। दिवाली के मौके पर शुक्रवार को शेयर बाजार बंद रहेंगे, लेकिन शाम को एक घंटे के लिए विशेष मुहूर्त कारोबार होगा। प्रमुख स्टॉक एक्सचेंज बीएसई और एनएसई एक नवंबर को दिवाली के अवसर पर एक घंटे का विशेष मुहूर्त कारोबार आयोजित करेंगे, जो नए संवत 2081 की शुरुआत का प्रतीक है। बाजार के विश्लेषकों ने कहा कि हमें उम्मीद है कि अल्पावधि में बाजार में गिरावट जारी रहेगी। इस रुख में बदलाव एफआईआई की बिकवाली की रफ्तार कम होने और अमेरिका के राष्ट्रपति चुनावों के नतीजों पर निर्भर करेगा। आगे चलकर एफआईआई का प्रवाह बाजार की दिशा निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, जबकि अक्टूबर के वायदा एवं विकल्प निपटान की वजह से बाजार में उतार-चढ़ाव रहने की उम्मीद है। अभी दूसरी तिमाही के नतीजों का सत्र चल रहा है। ऐसे में आगामी तिमाही नतीजे बाजार को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि वैश्विक मोर्चे पर भू-राजनीतिक घटनाक्रम, विशेष रूप से ईरान-इजराइल संघर्ष और कच्चे तेल की कीमतों पर इसका असर बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण रहेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से पहले दुनियाभर के बाजार सतर्क और इंतजार करो का रुख अपना सकते हैं। महत्वपूर्ण आंकड़े जैसे अमेरिका के रोजगार के आंकड़े, सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़े, चीन का पीएमआई विनिर्माण आंकड़ा बाजार के लिए महत्वपूर्ण संकेतक होंगे। अमेरिका का मुख्य पीसीई मूल्य सूचकांक 31 अक्टूबर को जारी होगा, जिसके आधार पर अमेरिकी केंद्रीय बैंक महंगाई का आकलन करता है। इसके अलावा बैंक ऑफ जापान भी 31 अक्टूबर को अपने ब्याज दर पर निर्णय की घोषणा करने वाला है। इस सप्ताह अदाणी पावर, बीएचईएल, अदाणी एंटरप्राइजेज, अदाणी पोर्ट्स और डाबर इंडिया अपने तिमाही नतीजों की घोषणा करेंगी। एक विश्लेषक ने कहा कि अक्टूबर की शुरुआत में शुरू हुई एफपीआई की बिकवाली का सिलसिला जारी है और अभी इस रुख के पलटने का कोई संकेत नहीं है। चीन द्वारा प्रोत्साहन उपायों की घोषणा के बाद एफपीआई की बिकवाली शुरू हुई है। इसके अलावा चीन के शेयरों का मूल्यांकन भी कम है। भारत में शेयरों के ऊंचे मूल्यांकन की वजह से एफपीआई बिकवाल बने हुए हैं। एफपीआई की बिकवाली से बाजार धारणा प्रभावित हुई है और निफ्टी अपने शीर्ष स्तर से आठ प्रतिशत नीचे आ गया है।

अगस्त में ईएसआई योजना में 20.74 लाख नए कर्मचारी शामिल हुए

नई दिल्ली । केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने बताया कि अगस्त, 2024 में ईएसआई योजना के तहत करीब 20.74 लाख नए श्रमिक जोड़े गए हैं। मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार नए पंजीकरण में 25 वर्ष तक की आयु वर्ग के लगभग 9.89 लाख युवा कर्मचारी शामिल हैं। पेरोल आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि ईएसआई योजना में नामांकित महिला सदस्यों की कुल संख्या 4.14 लाख थी। आंकड़ों से पता चलता है कि अगस्त 2024 के महीने में लगभग 28,917 नए प्रतिष्ठानों को ईएसआई योजना के सामाजिक सुरक्षा दायरे में लाया गया है, जिससे अधिक श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित होगी। वर्ष दर वर्ष विश्लेषण से पता चलता है कि अगस्त 2023 की तुलना में शुद्ध पंजीकरण में 6.80 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसके अलावा वर्ष दर वर्ष विश्लेषण से पता चलता है कि पिछले वर्ष अगस्त की तुलना में शुद्ध पंजीकरण में 6.80 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसके अलावा अगस्त, 2024 के महीने में कुल 60 ट्रांसजेंडर कर्मचारियों को भी ईएसआई योजना के तहत पंजीकृत किया गया है, जो समाज के हर वर्ग को इसका लाभ पहुंचाने के लिए ईएसआईसी की प्रतिबद्धता को प्रमाणित करता है।

सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों में से नौ का मार्केट कैप 2.09 लाख करोड़ घटा

- सबसे अधिक नुकसान में हिंदुस्तान यूनिलीवर और रिलायंस इंडस्ट्रीज रहीं

नई दिल्ली ।
पिछले सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में गिरावट के रुख के बीच सेंसेक्स की प्रमुख 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से नौ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 2,09,952.26 करोड़ रुपये की गिरावट आई। सबसे अधिक नुकसान में हिंदुस्तान यूनिलीवर और रिलायंस इंडस्ट्रीज रहीं। सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों में सिर्फ एचडीएफसी बैंक के बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई। समीक्षाधीन सप्ताह में हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार मूल्यांकन 44,195.81 करोड़ रुपये घटकर 5,93,870.94 करोड़ रुपये रह गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 41,994.54 करोड़ रुपये घटकर 17,96,726.60 करोड़ रुपये रह गई। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का बाजार मूल्यांकन 35,117.72 करोड़ रुपये घटकर 6,96,655.84 करोड़ रुपये पर आ गया, जबकि भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 24,108.72 करोड़ रुपये घटकर 9,47,598.89 करोड़ रुपये रह गई। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार पूंजीकरण 23,137.67 करोड़ रुपये घटकर 14,68,183.73 करोड़ रुपये रह गया। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मूल्यांकन 19,797.24 करोड़ रुपये घटकर 5,71,621.67 करोड़ रुपये पर आ गया, जबकि इन्फोसिस का मूल्यांकन 10,629.49 करोड़ रुपये घटकर 7,69,496.61 करोड़ रुपये रह गया। आईटीसी की बाजार हैसियत 5,690.96 करोड़ रुपये घटकर 6,02,991.33 करोड़ रुपये पर और आईसीआईसीआई बैंक की 5,280.11 करोड़ रुपये के नुकसान के साथ 8,84,911.27 करोड़ रुपये पर आ गई। इस रुख के उलट एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 46,891.13 करोड़ रुपये बढ़कर 13,29,739.43 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमश- टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, एसबीआई, आईटीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एलआईसी का स्थान रहा।

हंसी और मस्ती का धमाका लेकर आ रही है खिचड़ी 2, जी सिनेमा पर

मुंबई : हंसी और मस्ती से भरपूर इस त्यौहार के मौके पर जी सिनेमा पर खिचड़ी 2 का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर होने जा रहा है! रविवार, 3 नवंबर को रात 8 बजे, खिचड़ी 2 की खास बात यह है कि इसमें हंसी के साथ-साथ एक अनोखा मिशन भी है-देश की सुरक्षा का। दर्शक एक बार फिर प्रफुल्ल और हंसा की मजेदार नोकझोंक, जयश्री की मस्त चालबाजियां, हिमांशु की गुदगुदाने वाली हरकतें, और बाबूजी के तंज भरे मजाक का लुत्फ उठाएंगे झ यानी वो सब, जिन्होंने खिचड़ी को सालों से दर्शकों का पसंदीदा शो बनाए रखा है। जमनादास मजेठिया, कीर्ति कुल्हारी, राजीव मेहता, सुप्रिया पाठक, वंदना पाठक, अनंग देसाई और आतिश कपाड़िया ने कहा, खिचड़ी 2 परिवारों के प्यार, एकता और हंसी का जश्न है। ये फिल्म परिवारों के लिए है और परिवारों के बारे में है। खिचड़ी सीरीज और फिल्मों के फैंस को इस बार दोगुनी मस्ती और धमाल मिलेगा, क्योंकि उनके पसंदीदा किरदार झ प्रफुल्ल, हंसा, हिमांशु, जयश्री और बाबूजी, इस फिल्म में और भी मजेदार अंदाज में लौट रहे हैं। खिचड़ी 2 हमें फिर से याद दिलाएगी कि क्यों हंसी सबसे बड़ी दवा है।

आईडीएफसी फर्स्ट का सितंबर तिमाही में मुनाफा 73 प्रतिशत घटा

- बैंक की ब्याज आय बढ़कर 8,957 करोड़ रुपये रही

नई दिल्ली । आईडीएफसी फर्स्ट बैंक का एकल आधार पर मुनाफा चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर में 73 प्रतिशत घटकर 11,746 करोड़ रुपये रहा है। बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का मुनाफा 751 करोड़ रुपये रहा था। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि हालांकि कुल आमदनी समीक्षाधीन अवधि में 10,684 करोड़ रुपये रही है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 8,786 करोड़ रुपये रही थी। बैंक की ब्याज आय बढ़कर 8,957 करोड़ रुपये रही है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 7,356 करोड़ रुपये थी। शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) बढ़कर 4,788 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वर्ष की दूसरी तिमाही में 3,950 करोड़ रुपये थी। परिसंपत्ति गुणवत्ता के संबंध में, बैंक की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) सितंबर, 2024 के अंत तक घटकर सकल कर्ज का 1.92 प्रतिशत रह गई, जो एक साल पहले 2.11 प्रतिशत थी। इसी प्रकार, शुद्ध एनपीए या खराब ऋण पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के अंत में 0.68 प्रतिशत से घटकर 0.48 प्रतिशत हो गया।

न्यूजीलैंड से दूसरा टेस्ट हारने के बाद गंभीर का सख्त रुख, रोहित-कोहली की टीम से छीना 'विशेषाधिकार'

पुणे (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट में भारतीय क्रिकेट टीम की हार ने पूरे क्रिकेट जगत को झकझोर कर रख दिया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में मिली हार का मतलब है कि भारतीय टीम को 12 साल में पहली बार घरेलू मैदान पर हार का सामना करना पड़ा, इससे पहले 2012 में इंग्लैंड ने उसे हराया था। पहले दो टेस्ट के नतीजों के बाद टीम प्रबंधन ने कथित तौर पर एक सख्त कदम उठाते हुए सभी के लिए 'वैकल्पिक प्रशिक्षण' सत्र रद्द कर दिया है जिसमें विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे वरिष्ठ सितारे और जसप्रीत बुमराह जैसे तेज गेंदबाज शामिल हैं।

परंपरागत रूप से खिलाड़ियों के लिए एक प्रशिक्षण सत्र को वैकल्पिक रखा जाता है। यह चलन रहा है कि शीर्ष बल्लेबाज और तेज गेंदबाज अक्सर उस सत्र को छोड़ देते थे और खुद को केवल हल्के प्रशिक्षण तक ही सीमित रखते थे। हालांकि, अब ऐसा नहीं है। एक रिपोर्ट के अनुसार टीम प्रबंधन ने हर एक खिलाड़ी से अभ्यास सत्र छोड़ने का विकल्प छीन लिया है। रिपोर्ट में एक सूत्र के हवाले से कहा गया है, %टीम प्रबंधन ने खिलाड़ियों से 30 और 31 अक्टूबर को दो दिन अभ्यास के लिए उपस्थित रहने को कहा है। यह अनिवार्य है और कोई भी इसे छोड़ नहीं सकता।'

भारत भले ही न्यूजीलैंड से टेस्ट सीरीज हार गया हो, क्योंकि मेहमान टीम पहले ही 0-2 की बढ़त ले चुकी है, लेकिन मुंबई में होने वाला तीसरा टेस्ट अभी भी टीम के लिए जीतना जरूरी है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की स्थिति को ध्यान में रखते हुए भारतीय टीम एक और चूक बर्दाश्त नहीं कर सकती। इसलिए भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर और टीम प्रबंधन के अन्य सदस्य चाहते हैं कि हर खिलाड़ी सभी प्रशिक्षण सत्रों में भाग ले।

आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में उतर सकते हैं ऋषभ

नई दिल्ली (एजेंसी)। आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के आईपीएल 2025 के लिए मेगा नीलामी में उतरने की संभावनाएं हैं। माना जा रहा है कि दिल्ली कैपिटल्स अब ऋषभ को कप्तान के तौर पर रिटेन नहीं करना चाहती है। सभी 10 टीमों को आने वाले दिनों में अपनी रिटेंशन लिस्ट जमा करनी हैं। ऐसे में सभी फ्रेंचाइजी अपनी सूची को अंतिम रुप देना चाहती हैं।

प्राप्त जानाकरी के अनुसार ऋषभ को प्रबंधन एक बार फिर कप्तान बनाने को लेकर स्पष्ट नहीं है। प्रबंधन इस मामले पर संशय में है।

ऋषभ साल 2016 से दिल्ली कैपिटल्स के साथ जुड़े हुए हैं, लेकिन अब उनकी स्थिति स्पष्ट नहीं है। रिटेंशन लिस्ट जमा करने की समय सीमा के करीब आने के साथ, यह अटकलें तेज हो गई हैं कि उन्हें रिटेन नहीं किया जाएगा। वह हालांकि आईपीएल में सबसे चर्चित नामों में से एक हैं और उनकी टीम में भूमिका हमेशा अहम रही है। दिल्ली कैपिटल्स के प्रबंधन के लिए उनकाभविष्य तय करना एक बड़ा निर्णय होगा। इसका कारण है कि ये विकेटकीपर बल्लेबाज एक मैच विजेता खिलाड़ी हैं। पंत के आईपीएल में प्रदर्शन को देखते हुए, कई फ्रेंचाइजी उनकी नीलामी में रुचि दिखा सकती हैं, खासकर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी), जो एक नए कप्तान की तलाश में हैं।

इसके अलावा, पंत के पूर्व कोच रिकी पोंटिंग के साथ उनके अच्छे संबंध भी चर्चा का विषय हैं हालांकि, पोंटिंग अब दिल्ली कैपिटल्स की जगह पर पंजाब किंग्स के कोच बन गए हैं, जिससे यह संभावना बढ़ गई है कि पंजाब भी इस क्रिकेटर को खरीदने के लिए बड़ी बोली लगा सकती है। ऐसे में ऋषभ को लेकर आने वाले दिनों में स्पष्टता मिलने की उम्मीद है। दिल्ली कैपिटल्स के प्रशंसक बेसब्री से इस निर्णय का इंतजार कर रहे हैं, जो टीम के भविष्य को प्रभावित कर सकता है।

एक सीरीज हारने से रणनीति नहीं बदल सकते : रोहित

पुणे (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में हार को निराशाजनक बताया है पर कहा कि इससे कुछ निष्कर्ष नहीं निकाले जा सकते हैं न ही अपनी रणनीति बदली जा सकती है। उन्होंने कहा कि भविष्य को ध्यान में रखते हुए शांति से इस बारे में बात करनी होगी, किसी प्रकार का अलग तरीका अपनाना फायदेमंद नहीं रहेगा। न्यूजीलैंड ने दूसरे टेस्ट में भारत को हराकर तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है।

रोहित ने कहा, 'कुछ खिलाड़ियों से शांत माहौल में बातचीत करने की जरूरत है। उन्हें यह बताना जरूरी है कि वे कहां है और टीम उनसे क्या उम्मीद रखती है।' अब उनका लक्ष्य खिलाड़ियों को वास्तविकता से अवगत कराना है पर इस दौरान वह कोई विवाद नहीं चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि आपको उन्हें एक-एक करके टीम रूम में बिठाने, उनकी पारियों को देखने और उन्हें यह बताने की ज़रूरत है कि उन्हें क्या करना चाहिए और क्या नहीं।'

रोहित ने कहा, 'केवल इसलिए कि हम एक सीरीज हार गए हैं तो हमें अलग तरह से बात करने या अलग तरीके अपनाने की जरूरत है। हमें केवल उन हालातों से बाहर आने की जरुरतत है।' रोहित ने कहा कि उन्हें अपने खिलाड़ियों पर भरोसा है, जिन्होंने भारत को कई मैच जिताए हैं। भारतीय कप्तान ने कहा, 'मुझे किसी की क्षमता पर कोई संदेह नहीं है। इस हार से सीख लेते हुए बल्लेबाजों को अपनी तय रणनीति के साथ मैदान पर उतरना होगा। साथ ही अपने पर भरोसा रखना होगा पर मैं किसी प्रकार का गैरजरुरी दबाव नहीं बनाना चाहूंगा।'

पंजाब किंग्स के साथ क्या हुई थी गड़बड़, ग्लेन मैक्सवेल ने खुद किया खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल का इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में उतार-चढ़ाव भरा सफर रहा। उन्होंने पंजाब के लिए खेलते हुए कई रिकॉर्ड बनाए। अब अपनी पुस्तक द शोमैन में मैक्सवेल ने अपनी आईपीएल यात्रा का वर्णन किया है। साथ ही पूर्व साथी और गुरु वीरेंद्र सहवाग के साथ जटिल संबंधों पर प्रकाश डाला है। मैक्सवेल 2014 में किंग्स इलेवन पंजाब में शामिल हुए थे। टीम ने केवल तीन ही मैच गंवाए और फाइनल में पहुंच गई। मैक्सवेल ने इस दौरान सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 552 रन बनाए और किसी भी अन्य खिलाड़ी की तुलना में अधिक छक्के लगाए। हालांकि फाइनल में कोलकाता नाइट राइडर्स से पंजाब जीत नहीं पाई।

पंजाब के साथ अपने परफेक्ट सीजन पर बात करते हुए मैक्सवेल ने कहा कि हम उस वक्त अंतिम ओवर में हार गए। आईपीएल में आपका कितना भी परफेक्ट सीजन न हो अगर ट्रॉफी न हो तो कुछ नहीं। तब मेरे से वादा किया गया था कि टीम मुझे विश्वास में लेकर बनाई जाएगी। लेकिन फिर इसमें असंगतता आ गई। पंजाब का आगामी सीजन में फॉर्म गिर गया। बता दें कि 2014 के बाद पंजाब का प्रदर्शन गिर गया और वह अंक तालिका में आखिरी स्थानों पर रही। मैक्सवेल ने उस चुनौतीपूर्ण समय को याद करते हुए कहा कि एक युवा खिलाड़ी के रूप में, यह अधिक कठिन था। मुझे खुद पर संदेह हुआ, नकारात्मकता महसूस हुई, जब मैंने उक्त सोशल मीडिया पोस्ट देखी।

2017 में मैक्सवेल दोबारा पंजाब में लौटे। सहवाग तब मेंटर बन चुके थे। मैक्सवेल का बतौर कप्तान स्वागत हुआ। मैक्सवेल ने कहा कि टीम बनते ही स्पष्ट हो गया था कि इसपर सहवाग का प्रभाव है। उन्होंने कोच जे अरुणकुमार के साथ निर्णय लेने की जिम्मेदारी ली, जिससे खिलाड़ियों और कोचों के बीच भ्रम पैदा हो गया। सेटअप में दरारें स्पष्ट थीं। इस पर मैक्सवेल ने एक उदाहरण याद करते हुए लिखा- एक मुकाबले में इशांत शर्मा को आखिरी समय पर प्लेइंग 11 में जगह दे दी गई जोकि निर्णय लेने में अव्यवस्था को उजागर करता है। टीम पर सहवाग की पकड़ बढ़ती गई और निराशाजनक सीज़न के बाद मैक्सवेल और सहवाग के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया।

मैक्सवेल ने स्वेच्छा से मीडिया को संबोधित किया, लेकिन सहवाग ने इसे स्वयं करने का निर्णय लिया। बाद में, मैक्सवेल को यह जानकर आश्चर्य हुआ कि सहवाग ने सार्वजनिक रूप से उनकी आलोचना की थी और उन्हें ÷बड़ी निराशा÷ कहा था। मैक्सवेल ने साझा किया कि यह अप्रिय था, खासकर जब मुझे लगा कि हम अच्छी शर्तों पर अलग हुए हैं। उस घटना के बाद दोनों ने फिर कभी बात नहीं की और मैक्सवेल ने फ्रेंचाइजी मालिकों को सूचित किया कि अगर सहवाग जारी रहेगा तो वह चले जाएंगे। फ्रेंचाइजी के साथ सहवाग का कार्यकाल अगले सीजन में समाप्त हो गया।

विराट ने गुस्से में आईस बॉक्स पर मारा बल्ला

पुणे । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली न्यूजीलैंड के खिलाफ हुई सिरीज में पहले दोनो ही टेस्ट मैचों में असफल रहे और रन नहीं बना पाये। विराट कीवी टीम के स्पिनरों विशेषकर मिचेल सैंटनर के सामने टिक नहीं पाये। वह पहली पारी में फुल टॉस पर क्लीन बोल्ड हो गए। विराट सैंटनर की गेंद खेल नहीं पाये और आउट होने के बाद हताश होकर उन्होंने अपना बल्ला आईस बॉक्स पर दे मारा। विराट के खराब प्रदर्शन के कारण भारतीय टीम सीरीज के दोनो ही मैचों में रन नहीं बना पायी और उसे हार का सामना करना पड़ा। इस दौरे पर ना सिर्फ मेहमान टीम ने 35 साल बाद भारत में आकर पहली टेस्ट जीत हासिल की बल्कि पहली बार भारत को उसी के घर पर टेस्ट सीरीज में हराने में सफलता की। सैंटनर ने दूसरे टेस्ट में कुल 13 विकेट लेकर भारतीय बल्लेबाजी को धवस्त कर दिया। उन्होंने दोनों पारी में विराट को आउट किया। विराट इस सीरीज में एक बार ही अर्धशतक लगा पाये और बाकि मैचों में वह रन नहीं बना पाये। विराट पिछली चार पारी में 0, 70, 1, 17 रन ही बना पाये।

पेरिस मास्टर्स नहीं खेल रहे जोकोविच

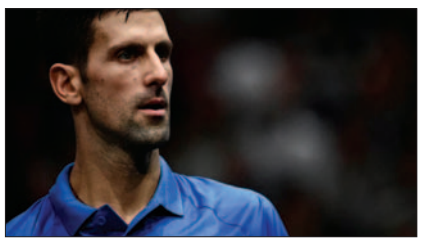

पेरिस । सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच इस बार पेरिस मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट नहीं खेल रहे हैं। जोकोविच के नहीं खेलने के कारणों की जानकारी नहीं है। वहीं आयोजकों ने भी कहा है कि जोकोविच ने अपना नाम वापस ले लिया है पर उसके पीछे के कारण नहीं बताये हैं। जोकोविच ने पिछले सप्ताह 'सिक्स किंग्स स्लैम प्रदर्शनी टूर्नामेंट में भाग लिया था। सबसे लंबे समय तक विश्व रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर रहे इस सर्बियाई खिलाड़ी ने कहा, 'मुझे उन प्रशंसकों के लिए दुख है जो मुझे वहां खेलते हुए देखना चाहते थे। वहां सात खिताब जीतने के दौरान पेरिस में मेरी कई अच्छी यादें हैं और उम्मीद है कि अगले साल में वहां वापसी करुंगा। जोकोविच ने पेरिस इनडोर टूर्नामेंट में रिकॉर्ड सात खिताब जीते हैं। उनके इसमें नहीं खेलने से साल के अंत में होने वाले एटीपी फाइनल्स के लिए उनके क्वालीफाई करने की संभावनाओं भी कम हुई हैं। एटीपी फाइनल्स में शीर्ष आठ खिलाड़ी शामिल होंगे। जोकोविच अभी एटीपी फाइनल्स की दौड़ में छठे स्थान पर बने हुए हैं। वहीं जैनिक सिनर, कार्लोस अलकराज, अलेक्जेंडर ज्वेरेव और डेनियल मेदवेदेव ने 10 से 17 नवंबर तक होने वाली एटीपी फाइनल्स के लिए पहले ही क्वालीफाई कर लिया था।

लुईस का शतक, वेस्टइंडीज ने तीसरे और अंतिम वनडे में श्रीलंका को हराया

पाल्लेकल (श्रीलंका) (एजेंसी)। एविन लुईस के नाबाद 102 रन की मदद से वेस्टइंडीज ने शनिवार को वर्षा से प्रभावित तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में डकवर्थ-लुईस पद्धति के तहत श्रीलंका को आठ विकेट से हराया। श्रीलंका ने 2-1 से श्रृंखला जीती।

वर्ष 2021 से अपना पहला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेल रहे लुईस ने छक्के के साथ 61 गेंद में अपना पांचवां शतक पूरा किया और टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। इस सलामी बल्लेबाज ने 51 रन के स्कोर पर टखना मुड़ने के बावजूद खेलना जारी रखा। श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट पर 156 रन बनाए थे लेकिन इसके बाद बारिश के कारण पांच घंटे खेल रुका रहा और मैच को 23 ओवर का कर दिया गया।

वेस्टइंडीज को 195 रन का लक्ष्य मिला

और टीम ने 22 ओवर में दो विकेट पर 196 रन बनाकर जीत दर्ज की। श्रीलंका को जीवनदान पाने वाले दोनों सलामी बल्लेबाजों पथुम निसांका (56) और अविष्का फर्नांडो (34) ने पहले विकेट के लिए 17 आवेर में 81 रन जोड़कर अच्छी शुरुआत दिलाई। इसके बाद बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा। दोबारा खेल शुरू होने पर कुसाल मेंडिस (नाबाद 56) ने शुरुआती चार गेंद पर चौके लगाए।

निसांका ने रन आउट होने से पहले 58 गेंद में अपना 15वां अर्धशतक पूरा किया। मेंडिस ने सिर्फ 19 गेंद में अर्धशतक जड़ा। उन्हें भी दो जीवनदान मिले। उन्होंने 22 गेंद का सामना करते हुए नौ चौके और एक छक्का मारा। लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज ने 36 रन के स्कोर पर ब्रेंडन किंग (16) का विकेट गंवा दिया। लुईस और कप्तान शाई होप (22) ने दूसरे विकेट के लिए 72 रन जोड़कर पारी को संवारा। होप के आउट होने के बाद लुईस और शेरफेन रदरफोर्ड (नाबाद 50, 26 गेंद, चार चौके, तीन छक्के) ने मोर्चा संभाला और एक ओवर शेष रहते टीम को जीत दिलाई दी। रदरफोर्ड ने सिर्फ 26 गेंद में अपना चौथा अर्धशतक पूरा किया।

ब्राजील के फुटबॉल खिलाड़ी को तीन सेकेंड के भीतर दिखाया गया लाल कार्ड

साओ पाउलो । ब्राजील के एक फुटबॉल खिलाड़ी को शीर्ष डिविजन मुकाबले में दौरान विरोधी खिलाड़ी को कोहनी मारने के लिए मैच शुरू होने के तीन सेकेंड के भीतर लाल कार्ड दिखाया गया। क्रुजेइरो के राफा सिल्वा ने एथलेटिको पेरेनाएंसे के केइके रोचा को मैच शुरू होते ही कोहनी मारी जिससे टीम को बाकी मुकाबला 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। रैफरी रोड्रिगो जोस परेरा डि लिमा ने क्रुजेइरो के 32 साल के खिलाड़ी सिल्वा को लाल कार्ड दिखाया जो फुटबॉल के इतिहास में सबसे जल्दी दिखाए गए लाल कार्ड में से एक है। क्रुजेइरो को इस मैच में 0-3 से शिकस्त झेलनी पड़ी।

हरभजन बोले, धोनी उपलब्ध रहे तो जरुर रिटेन करेगी सीएसके

मुम्बई । 2025 आईपीएल सत्र को लेकर सभी टीम अभी से अपनी योजनाएं बनाने लगी हैं। इसमें शामिल सभी फ्रैंचाइजियों के एक तय समय के अंदर उन खिलाड़ियों की सूची सौंपनी है जिन्हें वह रिटेन करेंगी। इसके अलावा किन खिलाड़ियों को मेगा नीलामी के लिए रिलीज किया जाएगा ये भी तय करना होगा। वहीं एक ओर जहां दिग्गज खिलाड़ी महेन्द्र सिंह धोनी के खेलने को लेकर संशय जाहिर किया जा रहा है। वहीं पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह का मानना है कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम इस बार भी धोनी को अपने पास बनाये रखेगी। हरभजन ने धोनी के आईपीएल भविष्य पर अनिश्चितता व्यक्त की पर कहा कि अगर वह उपलब्ध रहते हैं तो वह सीएसके की पहली पसंद होंगे। हरभजन ने मेगा नीलामी 2025 से पहले धोनी के अलावा सीएसके टीम के कप्तान रुतुराज गायकवाड़, ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा, रचिन रवींद्र और तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना को भी रिटेन किये जाने की उम्मीद जताई है। गौरतलब है कि नये नियमों के तहत आईपीएल फ्रेंचाइजी अपनी टीम के कुल 6 खिलाड़ियों को बरकरार रख सकती हैं। छह रिटेंशन/आरटीएम में अधिकतम पांच कैप्ड खिलाड़ी (भारतीय और विदेशी) और अधिकतम 2 अनकैप्ड खिलाड़ी हो सकते हैं। वहीं हरभजन ने कहा कि मुझे धोनी के खेलने का भरोसा नहीं है पर अगर वह उपलब्ध हैं, तो वह निश्चित रूप से टीम की पहली पसंद होंगे, भले ही उन्हें इस सत्र में अनकैप्ड खिलाड़ी माना जाए पर इसके बाद, अगली पसंद रवींद्र जड़ेजा और फिर रचिन रवींद्र होंगे। जहां तक कप्तान रुतुराज गायकवाड़ भी बरकरार रखे जाएंगे।

शमी की अनुपस्थिति बड़ा झटका, लेकिन भारत के रिजर्व तेज गेंदबाजों को कम नहीं आंकेगे: मैकडोनाल्ड

सिडनी (एजेंसी)। आस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड का मानना है कि अगले महीने से शुरू होने वाली पांच टेस्ट मैच की बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखला के दौरान भारत को मोहम्मद शमी की बहुत कमी खलेगी लेकिन उन्होंने कहा कि उनकी टीम इस अनुभवी तेज गेंदबाज की जगह लेने वाले तेज गेंदबाजों को कम नहीं आंकेगी। शमी ने 2018 में ऑस्ट्रेलिया दौरे में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वह टखने की चोट के कारण पिछले साल नवंबर में वनडे विश्व कप फाइनल के बाद से नहीं खेले हैं। उनका ऑपरेशन किया गया। इसके बाद वह राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में थे। हाल में उनके घुटनों में सूजन आ गई जिससे उनकी पूर्ण फिटनेस हासिल करने की प्रक्रिया प्रभावित हुई।

ईएसपीएन क्रिकइन्फो के अनुसार मैकडोनाल्ड ने कहा,''मोहम्मद शमी की अनुपस्थिति उनके लिए बहुत बड़ा झटका है। जिस तरह से हमारे बल्लेबाज उनके जज्बे, उनकी लाइन और लेंथ और अपने काम के प्रति उनके समर्पण की बात करते हैं उसे देखते हुए भारत को उनकी कमी खेलगी।'' भारत ने दिल्ली के तेज गेंदबाज हर्षित राणा और आंध्र के ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी को पहली बार मौका दिया है। तेज गेंदबाज आकाश दीप और प्रसिद्ध कृष्णा को भी ऑस्ट्रेलिया के दौरे के लिए भारतीय टीम में चुना गया है। तेज गेंदबाजी विभाग की कमान जसप्रीत बुमराह संभालेंगे।''

मैकडोनाल्ड ने कहा,''लेकिन हम जानते हैं कि पिछली बार क्या हुआ था। उनके रिजर्व खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करके भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी, इसलिए उनके खिलाड़ियों को बिल्कुल भी कम करके नहीं आंका जा सकता है।'' ऑस्ट्रेलिया घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करने वाले युवा बल्लेबाज सैम कोन्स्टास को अपनी टीम में चुन सकता है। वह उस्मान ख्वाजा के साथ पारी का आगाज करने के लिए दौड़ में शामिल हैं। मैकडोनाल्ड ने कहा,''हम अपनी सर्वश्रेष्ठ टीम का चयन करेंगे और अगरइसमें कोई युवा खिलाड़ी शामिल होता है, तो हम उस दिशा में आगे बढ़ेंगे। यदि चयनकर्ताओं को लगता है कि वह सबसे अच्छा विकल्प है तो हम उसे मौका देंगे।

फिटनेस को बेहतर बनाने ताइक्वांडो और कराटे का अभ्यास कर रही दीक्षा

गुरुग्राम । महिला गोल्फर दीक्षा डागर आजकल अपनी फिटनेस को बेहतरत बनाने में लगी हैं। इसी के तहत ही वह आजकल ताइक्वांडो और कराटे का अभ्यास कर रही है। दीक्षा कुछ समय पहले एक सड़के हादसे में घायल हो गयीं थी। उसके बाद से ही वह फिटनेस की समस्या से जूझ रही हैं। इससे उनके प्रदर्शन पर भी प्रभाव पड़ा है। दीक्षा ने कहा, ''मैं अपनी फिटनेस के साथ ताकत हासिल करने पर काम कर रही हूं। मैं इसके लिए कराटे सीख रही हूं और नियमित तौर पर जिम जा रही हूं।'' अपने पेशेवर करियर में तीन खिताब जीतने वाली दीक्षा ने कहा, ''मैंने एक सुबह पार्क में जॉगिंग करते समय कुछ बच्चों को कराटे करते हुए देखा और फिर मैंने भी इसे सीखना शुरू कर दिया। इस युवा खिलाडी ने कहा कि पेरिस में हुई सड़क दुर्घटना का उनके खेल पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। दुर्घटना में हालांकि उन्हें ज्यादा चोट नहीं लगी थी।'' हीरो वुमेंस इंडियन ओपन में खेल रही दीक्षा ने कहा, ''इस कोर्स पर अच्छा करने का मंत्र है कि आप अपने हर शॉर्ट का आनंद उठाओ। मैं अपने खेल में सुधार करने पर काम कर रही हूं और अपनी लय से खुश हूं। मैं इस बार अपने से कोई उम्मीद रखे बिना बस अपने खेल का आनंद उठाना चाहती हूं।'' पिछले सत्र में तीसरे स्थान पर रही दीक्षा ने कहा, ''मैं पिछले साल के प्रदर्शन से सकारात्मक सीख ले रही हूं। यहां मैदान पर गेंद की गति काफी ज्यादा हैं, मैं ताइवान में खेल कर आयी हूं, यहां गति बहुत कम थी। ऐसे में यहां तालमेल बिठाने के लिए थोड़ा परिश्रम करना होगा। यह मानसिक पहलू के बारे में ज्यादा है।'' गौरतलब है कि हीरो वुमेंस इंडियन ओपन में दुनिया भर से 114 महिला गोल्फ खिलाड़ी भाग ले रही है।

संक्षिप्त समाचार

फिलीपींस : तूफान ने ढाया कहर, 46 की मौत, 20 लापता

मनीला, एजेंसी। फिलीपींस में इस हफ्ते आए उष्णकटिबंधीय तूफान ट्रामी से मरने वालों की संख्या बढ़कर 46 हो गई है। अधिकारियों ने शुक्रवार को जानकारी दी कि कम से कम 20 लोग अभी भी लापता हैं। सिविल डिफेंस एडमिनिस्ट्रेटर एरियल नेपोमुसेनो के कार्यालय ने एक रिपोर्ट में कहा कि देश भर के नौ क्षेत्रों में ट्रामी से संबंधित मौतों की सूचना मिली है। मनीला के दक्षिण-पूर्व में स्थित बिकोल क्षेत्र, (जो तूफान का सबसे अधिक प्रकोप झेल रहा है), में सबसे अधिक 28 मौतें हुई हैं। कैलाबारजोन क्षेत्र में 15 मौतें हुई हैं। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने बताया कि फिलीपींस के अन्य क्षेत्रों में भी ट्रामी से संबंधित मौतों की सूचना मिली है। इस वर्ष फिलीपींस में आने वाला 11वां तूफान ट्रामी मुख्य लूजोन द्वीप से होकर गुजरा, जो बिकोल और कैलाबारजोन क्षेत्रों में विनाशकारी बाढ़ और भूस्खलन का कारण बना। मृतकों के आंकड़े बढ़ सकते हैं, क्योंकि पुलिस और अन्य एजेंसियां ट्रामी के प्रभाव का आकलन करना जारी रखे हुए हैं। एजेंसी ने कहा कि शुक्रवार तक देश भर में 293 सड़कें और 67 पुल अभी चलने लायक नहीं हैं। कुछ क्षेत्रों में बिजली अभी भी बहाल नहीं हुई है। राज्य मौसम ब्यूरो ने कहा कि शुक्रवार सुबह उत्तरी फिलीपींस में इलोकोस सुर प्रांत से 255 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में ट्रामी को देखा गया। यह पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ रहा था, जिसमें 95 किलोमीटर प्रति घंटे की हवाएं और 151 किलोमीटर प्रति घंटे की हवाएं चल रही थीं। राज्य मौसम ब्यूरो ने शुक्रवार दोपहर या शाम को ट्रामी के फिलीपींस से बाहर निकलने का अनुमान लगाया है। फिलीपींस में हर साल औसतन 20 तूफान आते हैं।

चिली की राजधानी में स्कूल विस्फोट के दो दिन बाद 23 छात्र अस्पताल में भर्ती

सैंटियागो, एजेंसी। चिली की राजधानी सैंटियागो के एक स्कूल में बुधवार को हुए धमाके में घायल हुए 35 में से 23 छात्र अभी भी अस्पताल में भर्ती हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, मंत्रालय ने बताया कि दो घायल छात्रों की हालत बेहद गंभीर है, जबकि आठ अन्य गंभीर स्थिति में हैं। अच्छी बात यह है कि इस घटना में किसी की मौत नहीं हुई है। शिक्षा मंत्री निकोलस कैटलडो ने स्थानीय मीडिया को बताया कि शुक्रवार को 12 छात्रों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। कैटलडो ने इस बात को खारिज किया कि यह घटना एक अलग घटना है, जैसा कि स्कूल हेड मारिया अलेजांद्रा बेनावाइडेस ने पहले मीडिया से कहा था। स्थानीय पुलिस के अनुसार, बारोस अराना नेशनल बोर्डिंग स्कूल के कुछ छात्र बुधवार को सार्वजनिक सड़कों पर विस्फोटक उपकरण लॉन्च करने की तैयारी कर रहा था। लेकिन इन उपकरणों में अज्ञात कारणों से एक बाथरूम में ही विस्फोट हो गया।

अमेरिकी चुनाव में सेंध लगाने में जुटा चीन! डोनाल्ड ट्रंप के फोन पर भी हैकर्स का हमला

वाशिंगटन, एजेंसी। चीन के हैकर दुनिया के कई देशों में साइबर अटैक कर चुके हैं। वहीं अब अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के बीच खबर है कि पूर्व राषट्रपति और रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप और उनके साथी उपराष्ट्रपति उम्मीदवार जेडी वेंस के फोन को निशाना बनाया गया है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक चीनी हैकर अब अमेरिका में शीर्ष नेताओं के डेटा को निशाना बनाना चाहते हैं। चीनी हैकरों ने राष्ट्रपति जो बाइडेन के सीनियर अधिकारियों को भी टारगेट किया था। इसी सप्ताह अमेरिकी अधिकारियों ने जानकारी दी कि चीनी हैकरों ने जिनके फोन को निशाना बनाया था उनमें डोनाल्ड ट्रंप और जेडी वेंस भी शामिल हैं। वहीं ट्रंप के प्रचार प्रवक्ता स्टीव चेउंग ने कहा कि कमला हैरिस ही चीन का उत्साहवर्धन कर रही हैं। अभी तक यह नहीं पता चल पाया है कि हैकर कोई जानकारी निकाल पाए हैं या नहीं। रिपोर्ट के मुताबिक वर्तमना और पूर्व अधिकारियों के फोन हैकर करने की कोशिश हो रही थी। शुक्रवार को एफबीआई और अमेरिकी साइबर सिक्योरिटी एजेंसी ने कहा, अमेरिकी सरकार इस बात की जांच कर रही है कि क्या चीन से अमेरिका के कमर्शल टेलिकम्यनिकेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर में दखल देने की कोशिश की गई है। सीआईएसए और एफबीआई ने संबंधित कंपनियों को नोटिस भी जारी किया है और कहा है कि वे तकनीकी सुधार करें। सबसे पहले न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि डोनाल्ड ट्रंप और जेडी वेंस के फोन हैक करने की कोशिश की गई है। कई महीनों से चीनी हैकर अमेरिकी कंपनियों में घुसपैठ की कोशिश में लगे हुए हैं। वे अमेरिका की सुरक्षा से जुड़ी खुफिया जानकारी लेना चहते हैं। वहीं चीनी सरकार ने इन आरोपों को खारिज किया है।

ईरान पर हमले के बाद इजराइल बोला- हमारे विमान सुरक्षित लौटे, मध्यपूर्व में बढ़ा खतरा

दुबई, एजेंसी। इजराइल के ईरान पर हमले ने पूरे मध्य पूर्व में तनाव बढ़ा दिया है. यह पहली बार है कि इजराइल ने खुलेआम ईरान पर हमला किया है. ईरान पर 1980 के बाद किसी भी देश ने सीधा हमला नहीं किया है. इजराइल ने देर रात हमला शुरू किया और सूर्योदय होने से ठीक पहले इसे रोक दिया. इजराइली सेना ने कहा कि उसके सभी विमान सुरक्षित लौट चुके हैं. सेना ने कहा कि उसने उन जगहों को निशाना बनाया है, जहां पर ईरान मिसाइल निर्माण कर रहा है, और इन्हीं मिसाइलों से ईरान ने इजराइल पर हमला किया था. इजराइली सेना ने बताया कि उसने ईरानी हवाई क्षमता पर भी आक्रमण किया. इस हमले से पहले ऐसा माना जा रहा था कि इजराइल ईरान की परमाणु क्षमता पर हमला कर सकता है. हालांकि, इजराइल ने अमेरिका को आश्वासन दिया था कि वह परमाणु सुविधाओं और तेल प्रतिष्ठानों पर हमले नहीं करेगा. यहां आपको बता दें कि ईरान ने एक अक्टूबर को इजराइल पर हमला किया था. उसने 180 से अधिक मिसाइल छोड़े थे. ईरान ने इजराइल के प्रधानमंत्री आवास पर भी हमला किया था. इजराइली सैन्य प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल ने कहा, ईरान सात अक्टूबर से लगातार इजराइल पर हमला कर रहा है, जिसमें ईरानी धरती से सीधे हमले भी शामिल हैं. इसलिए दुनिया के हर दूसरे संप्रभु देश की तरह,

इजराइल को भी जवाब देने का अधिकार है और यह उसका अपने देश के प्रति कर्तव्य भी है. हालांकि, इस हमले के बाद अमेरिका ने इजराइल को चेतावनी दी है कि वह आगे और हमले न करे.

क्या कहा ईरान ने : ईरान की सरकारी मीडिया ने इन धमाकों की पुष्टि की है. हालांकि, उसने कहा कि इससे उसे बहुत अधिक नुकसान नहीं पहुंचा है. धमाकों की आवाज ईरान में भी सुनाई दे रही थी. एयर डिफेंस सिस्टम पर हमले की कोशिश की गई है. ईरान की सेना ने कहा कि हमलों में इलम, खुजेस्तान और तेहरान प्रांतों में सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया है और इससे बहुत अधिक नुकसान नहीं हुआ है.

मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि हमले की खबर के तुरंत बाद सामान्य खबरें दिखाई जाने लगीं. एपी न्यूज एजेंसी ने बताया है कि एक स्थानीय नागरिक ने सात विस्फोट सुने जाने को लेकर जानकारी दी है. सरफेस टू एयर मिसाइलों को स्पॉट किया गया. शहर में कई जगहों पर आग की ऊंची-ऊंची लपटें देखी गईं. ईरान ने अपने हवाई क्षेत्र बंद कर दिए हैं. क्या कहा अमेरिका ने अमेरिका चाहता है कि इस युद्ध का दायरा और अधिक न बढ़े. अमेरिका राष्ट्रपति को पल-पल की सूचना दी जा रही है. मेजर जनरल पैट राइडर ने शुक्रवार देर रात कहा कि अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने ईरान में सैन्य ठिकानों पर इजराइल के हमलों के बारे में अपने इजराइली समकक्ष योव गैलेंट से बात की. अमेरिका इस बात का पक्षधर है कि इजराइल को सेल्फ डिफेंस का अधिकार है, लेकिन इसे और अधिक बढ़ाने की जरूरत नहीं है.

क्या है पृष्ठभूमि : पिछले साल सात अक्टूबर को हमास और अन्य आतंकवादियों ने इजराइल पर हमला किया था. इस हमले में 1200 से अधिक लोग मारे गए और 250 से अधिक लोगों को बंधक बना लिया गया था. इसके जवाब में इजराइल ने हमास के खिलाफ कार्रवाई शुरू की. कई हमले किए. इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि जब तक सारे बंधकों को छुड़ा नहीं लिया जाता है, तब तक हमले जारी रहेंगे. लोकल हेल्थ अधिकारियों के मुताबिक इस युद्ध में अब तक 42 हजार पिलिस्तीनी मारे गए हैं. और मरने वालों में आधे से अधिक महिलाएं और बच्चे हैं. इजराइल के उत्तर में लेबनान है. दक्षिणी लेबनान से हिजबुल्लाह ने इजराइल पर हमला किया था. इजराइल ने हिजबुल्लाह के वरिष्ठ कमांडरों को मार गिराया. हिजबुल्लाह को ईरान का समर्थन प्राप्त है. ईरान में 1979 को इस्लामिक क्रांति आई थी. इसके बाद से ईरान और इजराइल एक दूसरे के कट्टर दुश्मन बने हुए हैं. ईरान तभी से इजराइल के खिलाफ कई आतंकवादी समूहों का साथ देता रहा है।

ईरान पर हमले के बाद अमेरिका ने ठोकी इजरायल की पीठ, नसीहत भी दी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने कहा है कि ईरान पर इजराइल के हमलों से हिसाब बराबर हो चुका है और अब दोनों

शत्रु देशों के बीच प्रत्यक्ष सैन्य हमले बंद होने चाहिए। अमेरिका ने ईरान को अब इजराइल पर जवाबी हमले करने पर अंजाम भुगतने की चेतावनी दी। वाइट हाउस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उनके प्रशासन को लगता है कि इजराइली (सैन्य) अभियान के उपरांत अब दोनों देशों के बीच सीधे सैन्य हमले बंद होने चाहिए और उसने कहा कि अन्य सहयोगी देश भी इससे सहमत हैं। उन्होंने बताया कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन को उनके राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवान ने शुक्रवार को पूरे दिन अभियान के बारे में जानकारी दी। वाइट हाउस के नियमों के अनुसार नाम न उजागर करने की शर्त पर अधिकारी ने बताया कि इजराइली अभियान ''व्यापक, सटीक और लक्षित'' था। उन्होंने कहा कि अमेरिका की इस हमले में कोई संलिप्तता नहीं है। अमेरिका ने इजरायल की पीठ ठोकते हुए कहा है कि यहूदी देश ने बदला भी ले लिया और किसी परमाणु ठिकाने को निशाना भी नहीं बनाया है। बता दें कि शनिवार की सुबह ही इजरायल ने ईरान पर हमला कर दिया। इजरायल के इस मिसाइल अटैक को ईरान विफल नहीं कर पाया। ईरानी सेना ने एक वीडियो जारी कर दावा किया है कि कुछ मिसाइलों को रास्ते में ही नष्ट कर दिया गया। हालांकि इजरायल का कहना है कि उसने तेहरान में सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है और उससे ईरान को नुकसान हुआ है। इजरायल ने कहा कि महीने भर से ईरान उसपर बलिस्टिक मिसाइल से अटैक कर रहा था। ऐसे में यह केवल जवाब भर दिया गया है। बता दें कि तेहरान में हमास चीफ की हत्या के बाद से ही ईरान बौखलाया हुआ है और लगातार इजरायल पर हमले की धमकी दे रहा है। वहीं लेबनान में हिजबुल्लाह चीफ की हत्या के बाद ईरान ने हमले भी शुरू कर दिए। पहले से ही आशंका थी कि इजरायल ईरान पर हमले कर सकताहै।

मलेशिया में बस-ट्रक की टक्कर में एक जापानी पर्यटक की मौत, 12 घायल

कुआला लुम्पुर, एजेंसी। मलेशिया में जापानी पर्यटकों को लेकर जा रही एक बस ट्रक से टकरा गई, जिससे एक पर्यटक की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हो गए। यह जानकारी जापान की एक प्रमुख ट्रैवल एजेंसी जेटीबी कॉर्प ने शुक्रवार को दी।

यह हादसा बृहस्पतिवार को मध्य मलेशिया के पेरक प्रांत में हुआ, जब बस पेनांग से लोकप्रिय पर्यटन स्थल कैमरुन हाईलैंड की ओर जा रही थी, जो अपने चाय बागानों के लिए जाना जाता है। जेटीबी के अध्यक्ष और सीईओ ईजीरो यामाकिता ने टोक्यो में संवाददाता सम्मेलन में बताया कि हादसे में एक 70 वर्षीय महिला की मौत हो गई।

मलेशिया के दमकल एवं बचाव विभाग ने कहा कि बस में जापान के तीन पुरुष और आठ महिलाएं शामिल थीं। सभी वरिष्ठ नागरिक थे। बस चालक और एक स्थानीय टूर गाइड भी बस में मौजूद थे। सभी 13 पीड़ितों को स्ट्रेचर पर बाहर निकाला गया और दुर्घटनास्थल पर प्रारंभिक उपचार के बाद अस्पताल ले जाया गया। यामाकिता ने कहा कि कुछ पीड़ित गंभीर रूप से घायल हुए हैं, लेकिन उनकी वास्तविक स्थिति अभी ज्ञात नहीं हो पाई है। दुर्घटना के कारण की जांच की जा रही है।

ईरान पर हमले के बाद बोला इजरायल- बदला पूरा हुआ, अपनी आत्मरक्षा में कदम उठाए

येरूशलम, एजेंसी। इजरायली सेना ने शनिवार को ईरान के सैन्य ठिकानों पर हमला किया। इजरायली सेना के मुताबिक यह हमला एक अक्टूबर को ईरानी मिसाइलों के हमले का बदला लेने के लिए किया गया है। इजरायल ने कहा है कि सभी संप्रभु देशों की तरह उसे भी अधिकार है वह अपनी आत्मरक्षा में कदम उठाए। उसने यह भी कहा है कि उसका मिशन पूरा हुआ। ईरान ने अपने हवाई क्षेत्र को बंद कर दिया है। वहीं, ईराक ने भी अपनी फ्लाइट्स कैंसिल कर दी हैं। इन हमलों ने दोनों कट्टर दुश्मनों के बीच पूर्ण युद्ध का खतरा और बढ़ा दिया है। बता दें कि पश्चिम एशिया में ईरान समर्थित चरमपंथी समूह-गाजा में हमास और लेबनान में हिजबुल्लाह-पहले से ही इजरायल के साथ युद्धरत हैं। गौरतलब है कि ईरान ने पहले ही कहा है कि अगर उसके ऊपर हमला हुआ वह भी चुप नहीं बैठेगा। वहीं, अमेरिकी समाचार चैनल फॉक्स न्यूज के मुताबिक हमले से कुछ ही देर पहले व्हाइट हाउस को इसकी जानकारी मिली थी।

यह हमला ऐसे वक्त में हुआ है जब अमेरिकी विदेश सचिव एंटनी ब्लिंकेन समझौते और मिडिल ईस्ट में शांति के मकसद से इजरायल पहुंचे हुए हैं। इजरायल ने शनिवार सुबह सीरिया पर भी बम बरसाए, जिसके धमाके दमिश्क में सुनाई दिए। सितंबर अंत से इजरायल सीरिया और लेबनान के खिलाफ अभियान चला रहा है। उसके मुताबिक वह हिजबुल्लाह के आतंकी ठिकानों को नष्ट करने के लिए ऐसा कर रहा है। इस बीच

शुक्रवार को पत्रकारों के परिसर पर हमले के लिए इजरायल की आलोचना भी हो रही है। दक्षिण पूर्व लेबनान में हुए इस हमले में तीन पत्रकार मारे गए थे। अगली नोटिस तक ईरान-इराक की फ्लाइट्स कैंसिल इजरायल के हमले के बाद ईरान ने बड़ा कदम उठाया है। ईरान के नागरिक उड्डयन संस्था के प्रवक्ता ने कहा कि ईरान में सभी रूट्स की फ्लाइट्स को अगली सूचना तक बंद कर दिया है। वहीं, इराक ने भी फ्लाइट्स का संचालन बंद कर दिया है। इराक ने यह फैसला ईरान की राजधानी तेहरान और आसपास के इलाकों में इजरायली हवाई हमलों के बाद लिया। इस बीच ईरान-इराक के एक गुट ने इजरायल पर ड्रोन हमले की जिम्मेदारी ली है। समाचार एजेंसी एएफपी ने इसकी जानकारी दी है। वहीं, अर्धसरकारी समाचार एजेंसी तंसीम के मुताबिक ईरान भी इजरायल पर जवाबी हमले के लिए तैयार है। एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से कहाकि इस बारे में कोई शक नहीं है कि इजरायल को इस हमले का खामियाजा भुगतना होगा। वहीं, अमेरिका ने इजरायल के हमलों में खुद के शामिल होने की बात खारिज की है। एक अमेरिकी रक्षा अधिकारी ने बीबीसी को बताया कि ईरान पर हुए इजरायल के ताजा हमले में अमेरिका की कोई भूमिका नहीं है। गौरतलब है कि एक अक्टूबर को ईरान ने इजरायली ठिकानों पर लगभग 180 मिसाइलें दागीं।

दक्षिण कोरिया में बढ़ रहे हैं लम्पी स्किन डिजीज के मामले

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया में लम्पी स्किन डिजीज (एलएसडी) का एक और मामला सामने आया है, जिससे इस साल कुल मामलों की संख्या 14 हो गई है। कृषि मंत्रालय ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। नया मामला मंकयोंग के एक पशु फार्म में पाया गया, जो सियोल से करीब 140 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में है। मंत्रालय ने इस फार्म और उसके आसपास के छह क्षेत्रों में सभी जुड़े लोगों और वाहनों के लिए 24 घंटे का प्रतिबंध लागू किया है।

शुक्रवार को भी दक्षिण कोरिया में तीन और मामले सामने आए थे। सरकार ने कहा कि इस बीमारी के फैलाव को रोकने के लिए सभी उपलब्ध सैनिटाइजेशन वाहनों का इस्तेमाल किया जाएगा। एलएसडी एक संक्रामक बीमारी है जो गायों और भैंसों में त्वचा पर दाने, बुखार, भूख कम होना और दूध उत्पादन में गिरावट जैसे लक्षण पैदा करती है। गंभीर मामलों में इससे मौत भी हो सकती है। यह बीमारी मच्छरों और अन्य खून चूसने वाले कीड़ों से फैलती है। इसके

अलावा, राजधानी सियोल से पूर्व में 118 किलोमीटर दूर इनजे और दक्षिण में 80 किलोमीटर दूर डांगजिन में भी एलएसडी के अलग-अलग मामले पाए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि संक्रमण को रोकने के लिए प्रभावित फार्म को सील कर दिया गया है और क्वारंटीन उपाय लागू किए गए हैं। कृषि मंत्रालय ने सभी प्रांतों को सतर्क रहने और इस महीने के अंत तक सभी गायों का टीकाकरण पूरा करने का निर्देश दिया है। दक्षिण कोरिया में इस साल अगस्त में एलएसडी का पहला मामला सामने आया था, जो सियोल से 65 किलोमीटर दक्षिण में अंसियोंग के एक फार्म में पाया गया, जहां 80 गायें थीं। पिछले साल नवंबर के बाद यह पहली बार था जब दक्षिण कोरिया में एलएसडी का मामला पाया गया। मंत्रालय ने यह भी बताया कि वे 2025 तक एक ऐसा जेनेटिक डायग्नोस्टिक किट विकसित करने की योजना बना रहे हैं जिससे संक्रमित गायों की पहचान कर, पूरे झुंड को नष्ट करने की बजाय केवल बीमार जानवरों को अलग किया जा सके।

ईरान का दावा- इस्राइली हमला नाकाम किया, अमेरिका ने तेहरान को दी चेतावनी

तेहरान, एजेंसी। इस्राइल के हवाई हमले के बाद ईरान ने बयान जारी कर कहा है कि उनके हवाई सुरक्षा सिस्टम ने इस्राइली हमले को नाकाम कर दिया। ईरान ने कहा कि कई मिसाइलों को हवा में ही तबाह कर दिया गया। जो मिसाइलें और रॉकेट गिरे हैं, उनसे बेहद कम नुकसान हुआ है। ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी ने कहा कि हवा में ही इस्राइल की मिसाइलों को तबाह कर दिया गया। वहीं अमेरिका ने जवाबी हमले के लिए ईरान को चेताया है। साथ ही दोनों देशों को एक दूसरे पर सैन्य हमले बंद करने की सलाह दी है।

ईरान का दावा- इस्राइली हमला नाकाम किया : मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान की राजधानी तेहरान में धमाके की छह आवाजें सुनी गईं। हवाई सुरक्षा सिस्टम ने तेहरान में तीन जगहों पर हमले को नाकाम कर दिया। ईरान ने इस्राइल पर जवाबी हमले की धमकी भी दी है। इससे पहले इस्राइली सेना ने बयान जारी कर ईरान पर हवाई हमले की जानकारी दी। इस्राइली सेना ने कहा कि ईरान के सैन्य ठिकानों पर पूरी सटीकता से हमले किए गए। इस्राइल ने ईरान के साथ ही सीरिया में भी ईरान समर्थित ठिकानों पर हमले किए। इस्राइली सेना के प्रवक्ता ने कहा कि हमारा संदेश साफ है कि अगर कोई भी इस्राइल को डराने-धमकाने की कोशिश करेगा तो उसे इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। हमने आज इसका नमूना दिखा दिया है। हम इस्राइल और इसके लोगों की सुरक्षा के लिए रक्षात्मक और आक्रामक दोनों तरीकों से तैयार हैं। इस्राइली सेना ने ईरान को जवाबी हमले को लेकर भी चेतावनी दी है।

सऊदी अरब ने की इस्राइली हमले की आलोचना : इस्राइल के ईरान पर हमले की सऊदी अरब ने आलोचना की है और इसे ईरान की संप्रभुता का उल्लंघन बताया है। सऊदी अरब ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की है कि वे संघर्ष को खत्म कराने के लिए एकजुट होकर कार्रवाई करें। वहीं हमले के बाद इस्राइल ने अपना हवाई क्षेत्र एहतियातन बंद करने का फैसला किया है। ईरान ने भी हमले के तुरंत बाद अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया था और सभी उड़ानों को रद्द कर दिया था, लेकिन अब ईरान ने अपनी उड़ान सेवाओं को फिर से चालू करने का फैसला किया है।

अमेरिका ने ईरान को चेतावनी : वहीं अमेरिका भी इस्राइल के समर्थन में आ गया है और उसने ईरान को जवाबी हमले को लेकर चेतावनी दी है। अमेरिका ने कहा कि ईरान पर इजराइल के हमलों के बाद दोनों देशों के बीच प्रत्यक्ष सैन्य हमले बंद हो जाने चाहिए, उसने तेहरान को चेतावनी दी कि वह इजराइल के खिलाफ कोई जवाबी कार्रवाई न करे। अमेरिका के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि इस्राइल ने ईरान पर हमले से पहले ही व्हाइट हाउस को इसके बारे में जानकारी दे दी थी।

जेलेंस्की का दावा- जंग में रूस उतारेगा नॉर्थ कोरियाई सैनिक:इसी हफ्ते होगी तैनाती; पश्चिमी देश बोले- इससे जंग भड़केगी

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने शुक्रवार को दावा किया कि रूस अब जंग में नॉर्थ कोरिया के सैनिकों को उतारने की तैयारी में हैं। इन सैनिकों को इसी हफ्ते तैनात किया जाएगा। दूसरी तरफ पश्चिमी देशों ने इस कदम से जंग के भड़कने और इसका असर दूसरे क्षेत्रों खासतौर पर इंडो-पैसिफिक में होने की बात कही है। जेलेंस्की ने बताया कि यूक्रेन की खुफिया एजेंसियों ने जो जानकारी जुटाई है उसके मुताबिक नॉर्थ कोरियाई सैनिकों को रविवार से सोमवार के बीच जंग में भेजा जाएगा। यूक्रेन की खुफिया एजेंसी ने दावा किया कि नॉर्थ कोरिया ने रूस को 12 हजार सैनिक भेजे हैं। इनमें 500 अधिकारी और 3 जनरल शामिल हैं। इससे पहले बुधवार को अमेरिका ने दावा किया था कि रूस में पहले से ही 3 हजार नॉर्थ कोरियाई सैनिक तैनात हैं। दावे के मुताबिक इन सैनिकों ने रूस के पूर्वी हिस्से में मौजूद सैन्य ठिकानों पर ट्रेनिंग दी गई है। साउथ कोरिया बोला- नॉर्थ कोरिया ने पिछले हफ्ते 1500 सैनिक भेजे पिछले हफ्ते 18 अक्टूबर को साउथ कोरिया ने भी दावा किया था कि नॉर्थ कोरिया ने यूक्रेन जंग में रूस की मदद के लिए सैनिक भेजे हैं। साउथ कोरिया की खुफिया एजेंसी नेशनल इंटेलिजेंस सर्विसर (एनआईएस) ने बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। एजेंसी ने अपने बयान में कहा कि 8 से 13 अक्टूबर के बीच नॉर्थ कोरिया के 1500 सैनिक, रूसी नौसेना के जहाजों से रूस के व्लादिवोस्तोक बंदरगाह पर पहुंचे है। ये सभी सैनिक नॉर्थ कोरिया की स्पेशल मिशन फोर्सेस का हिस्सा हैं। एजेंसी ने दावा किया कि नॉर्थ कोरिया जल्द ही कुछ और सैनिकों को रूस भेजेगा। एनआईएस ने कहा कि इन नॉर्थ कोरियाई सैनिकों को रूसी सेना की वर्दी, हथियार और

नकली पहचान पत्र दिए गए हैं। इन्हें तैनात करने से पहले रूसी माहौल में ढलने की ट्रेनिंग दी जा रही है। ये सभी सैनिक रूस के व्लादिवोस्तोक उस्सुरिस्क, खाबरोवस्क और ब्लागोवेशचेंस्क मिलिट्री बेस पर रह रहे हैं।

अंतरिक्ष में लंबे समय तक रहने के बाद लौटे नासा के अंतरिक्ष यात्री अस्पताल में भर्ती

वाशिंगटन, एजेंसी। अंतरिक्ष यान के उतरने के तुरंत बाद, नासा ने कहा कि उसके एक अंतरिक्ष यात्री को चिकित्सा संबंधी समस्या हो गई है और एहतियात के तौर पर चालक दल को फ्लोरिडा के पेंसाकोला के एक अस्पताल में ले जाया गया है। अंतरिक्ष स्टेशन पर लगभग आठ महीने तक रहने के बाद लौटे नासा के एक अंतरिक्ष यात्री को अज्ञात चिकित्सा समस्या के कारण अस्पताल ले जाया गया। अंतरिक्ष एजेंसी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इन अंतरिक्ष यात्रियों का अंतरिक्ष प्रवास बोइंग के कैप्सूल की खराबी और तूफान मिल्टन के कारण बढ़ गया था। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से सप्ताह के मध्य में रवाना होने के बाद 'स्पेस एक्स' के कैप्सूल में लौटे ये अंतरिक्ष यात्री पैराशूट की मदद से फ्लोरिडा के तट के पास मैक्सिको की खाड़ी में उतरे। अंतरिक्ष यान के उतरने के तुरंत बाद, नासा ने कहा कि उसके एक अंतरिक्ष यात्री को चिकित्सा संबंधी समस्या हो गई है और एहतियात के तौर पर चालक दल को फ्लोरिडा के पेंसाकोला के एक अस्पताल में ले जाया गया है। अंतरिक्ष एजेंसी ने एक बयान में कहा कि अंतरिक्ष यात्री की हालत स्थिर है और उसे एहतियाती उपाय के तौर पर अस्पताल में रखा गया है। अन्य अंतरिक्ष यात्री ह्यूस्टन लौट गये हैं।

संक्षिप्त खबरें

दीवाली, छठ पर्व, गुरु पर्व के दौरान अब केवल दो घंटे ही आतिशबाजी की अनुमति होगी

देवघर(बिभा) : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी श्री विशाल सागर द्वारा जानकारी दी गई है कि झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने आगामी त्यौहारों के लिए आतिशबाजी पर कड़े नियम लागू किए हैं, जिसका उद्देश्य ध्वनि प्रदूषण पर अंकुश लगाना है। दीवाली, छठ पर्व, गुरु पर्व के दौरान अब केवल दो घंटे ही आतिशबाजी की अनुमति होगी। क्रिसमस और नए साल के जश्न के लिए समय सीमा और भी कम कर दी गई है, जिसमें केवल 35 मिनट तक ही आतिशबाजी की अनुमति होगी। इसके अलावा दीवाली पर आतिशबाजी रात 08 बजे से रात 10 बजे तक की जा सकेगी , जबकि छठ पर सुबह 6 बजे से सुबह 8 बजे तक की अनुमति है। गुरु पर्व के लिए आतिशबाजी रात 08 बजे से रात 10 बजे तक लिया जा सकता है , और नए साल की पूर्व संध्या पर, उन्हें रात 11:55 बजे से रात 12:30 बजे तक की अनुमति है। इसके अलावा झारखंड हाईकोर्ट ने भी बढ़ते ध्वनि प्रदूषण के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए आदेश दिया है कि शोर से जुड़ी शिकायतों को गोपनीय रखा जाए। केवल 125 डेसिबल से कम ध्वनि क्षमता वाले पटाखों की बिक्री की अनुमति होगी। इसके अलावा, निर्धारित साइलेंट जोन के 100 मीटर के दायरे में आतिशबाजी पर प्रतिबंध रहेगा। साथ ही वायु प्रदूषण रोकथाम नियंत्रण अधिनियम के तहत उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी।

गढ़वा में प्रेम प्रसंग में देवर- भाभी ने कुएं में कूद कर दी जान

गढ़वा(बिभा) : गढ़वा जिले के रंका थाना के खरडीहा गांव में एक एसी घटना हुई जिसकी चर्चा पूरे इलाके में हो रही है। खरडीहा के में देवर-भाभी के प्रेम प्रसंग का दुखद अंत हो गया। जानकारी के अनुसार गांव का अनिल यादव बाहर काम करता था. कुछ दिनों पहले कमाकर गांव लौटा था। गांव आने पर पड़ोसियों ने बताया कि उसकी पत्नी ललिता देवी का छोटे भाई सुनील यादव के साथ संबंध है। दोनों एक-दूसरे से प्रेम करते हैं. पड़ोसी भी इस बात के लिए ललिता को ताना देते थे। अनिल यादव ने पत्नी से इस संबंध में पूछताछ की. इसी बात पर पति-पत्नी में विवाद बढ़ गया। गुस्से में आकर ललिता देवी पास के कुएं में कूद गई। जब भाभी के कुएं में कूदने की सूचना देवर सह प्रेमी सुनील यादव को मिली तो उसने भी कुएं में छलांग लगा दी। जब तक ग्रामीण दोनों को कुएं से बाहर निकालते तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी। इस घटना से गांव में मातम है। ललिता देवी के तीन छोटे-छोटे बच्चे भी बेसहारा हो गए। रंका पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस का भी कहना है कि मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा हुआ है।

वैश्य एकता मंच पूर्णिमा दास को समर्थन करेगी

जमशेदपुर(बिभा) : झारखंड विधानसभा चुनाव के मद्देनजर वैश्य एकता मंच के बैनर चले वैश्य के कई घटकों ने आज बाराद्वारी स्थित विश्वकर्मा भवन में मंच के जिलाध्यक्ष गोपाल प्रसाद जायसवाल की अध्यक्षता में आयोजित की गई. बैठक में देश व प्रदेश में विकास के प्रति सजग एवं हिंदुत्व की रक्षा करने के प्रति समर्पित भाव रखने वाले उम्मीदवार को लेकर आज उपस्थित सभी वैश्य बंधुओ ने चर्चा की. कार्यक्रम में उपस्थित पूर्वी विधानसभा क्षेत्र की प्रत्याशी पूर्णिमा दास साहू जी ने उपस्थित सामाजिक संगठन के पदाधिकारी के सदस्यों का आशीर्वाद ग्रहण की और उन्होंने कहा की मैं जमशेदपुर की बेटी भी हूं बहू भी हूं और क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने जा रही हूं आप सबों का आशीर्वाद चाहिए ताकि हम समाज की उम्मीद पर खड़ा उतर सके और क्षेत्र का विकास में भागीदारी बन सके. पूर्णिमा का समाज की ओर से सोल ओढ़ाकर एवं पुष्प कुछ पुष्प माला पहनकर सम्मानित किया गया. बैठक में विशेष रूप से मंच के प्रदेश अध्यक्ष बैजनाथ प्रसाद, कार्यकारी अध्यक्ष हलदर नारायण शाह, श्रीकांत देव, डॉ संतोष गुप्ता, उपाध्यक्ष उत्तम गुप्ता, सुनीता जायसवाल, गंगा प्रसाद साह, हेमंत जायसवाल, मानिक लाल साहू, राजेश्वर साहू, राजकुमार शाह, भोला शर्मा, रंजीत प्रसाद, शेखर कुमार, रामविलास शर्मा, सुमित शर्मा, धर्मेंद्र कुमार, कृष्ण कुमार गुप्ता, बृजेश सोनकर, मुन्ना प्रसाद, मनोज भगत, बंटी गुप्ता, जितेंद्र साव, महेंद्र प्रसाद, रानी गुप्ता, विमला देवी, गीतांजलि साह, श्यामली तिवारी, परमानंद प्रसाद शाह, शशिनाथ साह एवं अन्य शामिल थे.

कोयल रिवर पॉइंट पर फूड फेस्टिवल सह दिया फेस्टिवल का हुआ आयोजन

पलामू(बिभा) : विधानसभा चुनाव के तहत लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से स्वीप कार्यक्रम के तहत विभिन्न तरह के कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं .इसी क्रम में कोयल रिवर व्यू पॉइंट पर रविवार शाम फूड फेस्टिवल व दिया फेस्टिवल का आयोजन किया गया .इस दौरान कोयल नदी के तट पर विभिन्न तरह के व्यंजनों के फूड स्टॉल लगाए गए थे .सभी स्टॉल से मतदाता जागरूकता का संदेश दिया जा रहा था .इसी तरह नदी के तट पर सैकड़ो दिये जलाकर मतदाता जागरूकता का संदेश दिया गया .कोयल रिवर पॉइंट पर आने वाले आगंतुकों को जिला समाज कल्याण पदाधिकारी नीता चौहान द्वारा मतदाता मार्गदर्शिका देकर लोगों से आगामी 13 नवंबर को वोट देने की अपील की जा रही थी.

अंतर जिला फुटबॉल : सीएए ने खूंटी को 5 गोल से हराया

रांची(बिभा). अंतर जिला फुटबाल टूर्नामेंट में छोटानागपुर एथलेटिक एसोसिएशन (सीएए), रांची ने अपने पहले ही मैच में धमाकेदार जीत दर्ज की. खूंटी के कामता ग्राउंड में खेले गए मुकाबले में रांची ने आसानी से मेजबान खूंटी को पांच गोल से रौंद डाला. शुरूआती खेल से ही रांची के खिलाड़ियों ने खेल को अपने में कब्जे में कर लिया. पहले हाफ के 28 में मिनट में ही रांची के कप्तान उपेंद्र हजाम ने गोल कर रांची टीम को बढ़त दिला दी. इस गोल के बाद रांची के खिलाड़ी और आक्रामक हो गए. पहले हाफ के खेल तक रांची ने एक गोल की बढ़त बनाए रखा. दूसरे हाफ के खेल में रांची के खिलाड़ियों ने जोरदार हमला कर खूंटी के खिलाड़ियों को परेशान कर दिया. 58वें मिनट में रोहित तिग्गा ने बेहतरीन गोलकर रांची की बढ़त 2-0 कर दी. 75वें और 88वें मिनट में शंकर उरांव ने लगातार दो गोलकर रांची की 4-0 कर दी. उप कप्तान पवन नायक ने 82वें मिनट में रांची टीम के लिए गोल दागा. इस तरह रांची ने अपने पहले ही मैच में शानदार जीत दर्ज की. सोमवार को रांची का मुकाबला गुमला से होगा.

समाज को बांट कर चुनावी आतंकवाद कर रही भाजपा : कांग्रेस

बिभा संवाददाता

रांची। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने कहा कि भाजपा ने झारखंड में रचुनावी आतंकवादर की शुरूआत कर दी है और इसी के सहारे चुनावी वैतरणी पार करना चाहती है।
बाबूलाल मरांडी के बयान पर पलट वार करते शांति ने रविवार को कहा कि जब-जब देश के किसी राज्य में चुनाव होता है। भाजपा इसी रचुनावी आतंकवादर का प्रयोग रक्षात्मक हथियार के रूप में करती है। इसमें धर्म,छल, प्रपंच,घुसपैठ,नफरती भाषण, धनबल,झूठा प्रोपेगेंडा,जांच एजेंसियों का दुरुपयोग का बारूदी मसाला भरा हुआ रहता है।
उन्होंने कहा कि भाजपा हर चुनाव में इस शस्त्र का प्रयोग समाज को विभक्त कर दो धुरी में बांटने का प्रयास करती है ताकि इसका फायदा उठाया जा सके।
उन्होंने कहा कि विगत कई माह से भाजपा महागठबंधन सरकार के कल्याणकारी योजनाओं के खिलाफ मुद्दों को योजनाबद्ध तरीके से फैलाने में लगी थी लेकिन इसमें फेल होने पर सोशल मीडिया सहित अन्य माध्यमों से अपने एजेंडे को खाद पानी देकर उसे फैलाने की कोशिश भाजपा नेता कर रहे हैं। भाजपा ने अपने इस एजेंडे के लिए संथाल परगना क्षेत्र को मुफीद जगह माना है,यही कारण है कि चुनाव में जीत हासिल करने के लिए संथाल परगना को भाजपा ने विशेष रूप से लक्ष्य बनाया है और वहां के मतदाताओं के बीच सामुदायिक विभेद पैदा करने की मुहिम चला रही है।
आदिवासी मुस्लिम के बीच घुसपैठ के मुद्दे पर जब हिमंता बिस्वा सरमा और बाबूलाल मरांडी को मुंह की खानी पड़ी तो अब महिला सम्मान के नाम पर महिलाओं को बरगलाने की जा रही है। भाजपा के सांसद निशिकांत दुबे जब एक चुनी हुई महिला जनप्रतिनिधि के संबंध में नगरवधू जैसे शब्दों का प्रयोग करते हैं तब बाबूलाल मरांडी के मुंह से महिला सम्मान के लिए कोई आवाज नहीं निकलती। पूरे देश में भाजपा शासित राज्य में महिला अत्याचारों के आंकड़ों से स्पष्ट है कि महिला आत्मसम्मान भाजपा के लिए सिर्फ चुनावी मुद्दे हैं। महागठबंधन सरकार के एजेंडे में महिला सम्मान की रक्षा और आर्थिक सुदृढ़ीकरण प्राथमिकता है। मईंया सम्मान योजना से हतप्रभ भाजपा महिलाओं को अपने पाले में करने के लिए कांग्रेस विधायक इरफान अंसारी को मोहरा बना रही है।

स्वीप कार्यक्रमः छः मुहान चौक से समाहरणालय परिसर तक दिव्यांगजनों ने निकाली मतदाता जागरूकता रैली

बिभा संवाददाता

पलामू : जिले में 13 नवंबर को मतदान होना है,इस दिन शत-प्रतिशत मतदान कराने के उद्देश्य से स्वीप अंतर्गत कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं इसी क्रम में रविवार को शहर के छः मुहाँन चौक से समाहरणालय परिसर तक दिव्यंजनो के तरफ से मतदाता जागरूकता रैली निकाली गयी रैली को पीडब्लूडी कोषांग के नोडल पदाधिकारी सेवाराम साहू व जिला समाज कल्याण पदाधिकारी नीता चौहान,दिव्यांगजन आइकॉन अविनाश कुमार तिवारी व लोकसभा चुनाव 2024 के दिव्यांगजन आइकॉन सह ब्रांड एंबेसडर पवन कुमार गुप्ता ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया इस दौरान रैली में 60 से अधिक दिव्यांगजन पैदल,ट्राई साईकल,मोपेड,बैसाखी व अन्य माध्यम से समाहरणालय परिसर पहुंचे.इस दौरान सभी ने मतदाता जागरूकता से संबंधित पोस्टर,बैनर और नारे लगाते नजर आये साथ ही सभी से 13 नवंबर को मतदान करने की अपील की.पीडब्लूडी कोषांग के जिला आइकॉन अविनाश कुमार तिवारी ने बताया कि लोकसभा निर्वाचन 2024 में 60% से अधिक मतदान दिव्यांगजनों द्वारा किया गया था,इस विधानसभा चुनाव में हमारा प्रयास है कि 75% से अधिक दिव्यांग मतदाता अपना मतदान करें.रैली के पश्चात समाहरणालय परिसर में मटकाफोड़,गुलेल से निशानेबाजी एवं ग्लास का मीनार निर्माण आदि प्रतियोगिता का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया इस अवसर पर सभी ने 13 नवंबर को मतदान करने की शपथ ली.

जेएलकेएम के शंकर महतो समेत कई दल के नेता एलएपी में शामिल हुए

रांची(बिभा) : राँची प्रदेश कार्यालय में कई दल के नेता लोकहित अधिकार पार्टी (एलएपी) में शामिल हुए। शामिल होने वालों में धनबाद जिला से शंकर महतो , गोड्डा जिला से डॉ. जयप्रकाश दास , साहेबगंज जिला से नाथानिएल मालतो , राँची जिला से रंथा महली , रामगढ़ जिला से फारुक अंसारी , गिरिडीह जिला से अजय कुमार रंजन और बोकारो जिला से मो. सुल्तान अपने प्रमुख समर्थकों के साथ एलएपी में शामिल हुए। शामिल होने वाले सभी नेताओं ने अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने के लिए पार्टी के प्रधान महासचिव मो. अजहर आलम के समक्ष आवेदन दिया है। प्रदेश उपाध्यक्ष हरिनाथ साहू , प्रमोद प्रसाद गुप्ता एवं नंदलाल साह ने सभी को माला और पट्टा पहनाकर एलएपी में शामिल किया। मौके पर प्रदेश अध्यक्ष सुनील साहू ने कहा कि कोर कमेटी की बैठक करने के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष रोशन लाल गुप्ता जी की सहमती से 28 अक्टूबर को उम्मीदवारों की अंतिम सूची जारी करुंगा।

महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आइंद ने चमत्कारी ढोरी माता के तीर्थस्थल पर अर्पित किया मिस्सा बलिदान

बिभा संवाददाता

रांची : रांची महाधर्मप्रांत के महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आइंद बोकारो जिले के ढोरी में स्थित चमत्कारी ढोरी माता के तीर्थस्थल पर पहुंचे। यहां उन्होंने कोयले की खान से प्राप्त चमत्कारी ढोरी माता मरियम के दर्शन कर, वार्षिक तीर्थयात्रा के अवसर तीर्थयात्री विश्वासियों के लिए पवित्र मिस्सा बलिदान अर्पित किया।
प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी चमत्कारी ढोरी माता के तीर्थस्थल पर वार्षिक तीर्थयात्रा का आयोजन किया गया जिसमे 10 हजार से अधिक की संख्या में विश्वासी शामिल हुए। मिस्सा के आरंभ होने से पहले ही हजारीबाग के धर्माध्यक्ष आनंद जोजो ने महाधर्माध्यक्ष एवं उपस्थित सभी लोगों का औपचारिक स्वागत किया। मिस्सा के दौरान महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आइंद अपने धर्मोपदेश में सभी तीर्थयात्रा पर आए विश्वासी को माता मरियम के जीवन के अनुसार अपने जीवन को अर्थपूर्ण बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि रहम माता मरियम के समान ही अपने परिवार के सदस्यों के प्रति साथ ही अन्य लोगों के जरूरत के प्रति संवेदनशील बनें। ऐसा करने से ही हम सच्चे अर्थ में एक दूसरे का साथ देते हुए स्वर्ग की ओर कदम बढ़ाने वाले सच्चे तीर्थयात्री कहलाएंगे। विश्वासी अपने जीवन में शांति प्राप्त करने, ईश्वरीय कृपा प्राप्त करने, शारीरिक और आत्मिक चंगाई प्राप्त करने तथा अन्य मनोकामनाओं की प्राप्ति के इस तीर्थस्थल पर आते हैं।
चमत्कारी ढोरी माता के तीर्थस्थल पर वार्षिक तीर्थयात्रा के समापन के अवसर पर रांची के महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आइंद के साथ हजारीबाग के धर्माध्यक्ष आनंद जोजो, 30 से अधिक पुरोहितगण, धर्म बंधुगण, धर्म बहनें एवं 10 हजार से अधिक विश्वासी मौजूद रहे ।

चमत्कारी ढोरी माता के तीर्थस्थल का संक्षिप्त इतिहास

12 जून 1956 ई० की बात है कि श्री रूपा नामक सतनामी ने डोरी बेरमो खदान में कोयला तोड़ते समय कोयला में ही एक लकड़ी की मूर्ति पायी। खान मजदूरों को यह मूर्ति काली माई जैसी कोई देवी सी लगी। अतः उन्होंने बड़े उल्लास के साथ उसे मजदूरों के कार्यालय में रखकर उसकी पूजा की।
किसी ने कहा कि यह मूर्ति माँ मरियम की है। इस पर खीस्तीय भाई लोग तथा स्वः फा० अल्बर्ट भरभराकन ने जाकर देखा। उन्होने सचमुच में पाया कि यह खीस्तीय परम्परा और कला के अनुसार बनायी गई बालक येसु को गोद में ली हुई माँ मरियम की मूर्ति है। इसकी सूचना ढोरी कोलियरी के अधिकारियों को दी गई। इस पर उन्होंने मूर्ति को फादर के सुपूर्द कर दी। अतः एक वर्ष तक ढोरी मजदूर कार्यालय में रखने के बाद इसे सन 1957 के अक्टूबर को बड़े धूमधाम के साथ जारंगडीह के छोटे प्रार्थनालय में प्रतिष्ठत कर दिय गया। आज यह ढोरी की माता के नाम से सादर पुकारी जाती है। श्री रूपा के कथनानुसार ढोरी माता ने उन्हें दर्शन देकर यह आदेश दिया कि उनके लिए एक सुन्दर प्रार्थनालय बनाया जाए, जहाँ पर उनकी भक्ति हो। अतः जारंगडीह में माँ की इच्छा पूरी हो गई। एक सुन्दर तीर्थालय बन गया है। जिसका उद्घाटन समारोह 30 अक्टूबर 1983 ई० को सम्पन्न हुआ। माँ के उपलक्ष्य में प्रत्येक वर्ष अक्टूबर माह के अंतिम शुक्रवार, शनिवार एवं रविवार को जारंगडीह तीर्थालय में समारोह मनाया जाता है।

ईचागढ़ विधानसभा से इस बार एनडीए के प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित है:संजय सेठ

बिभा संवाददाता

रांची : ईचागढ़ विधानसभा एनडीए मंत्री एवं आजसु सुप्रीमो सुदेश कुमार महतो एनडीए के प्रत्याशी ईचागढ़ विधानसभा एनडीए गठबंधन की बैठक हुई जिसमें भाजपा एवं आजसु के कार्यकताओं उपस्थित रहे इस अवसर पर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री एवं आजसु सुप्रीमो सुदेश कुमार महतो एनडीए के प्रत्याशी हरे लाल महतो सरायकेला खरसावां के जिला अध्यक्ष उदय सिंहदेव विशेष रूप से उपस्थित रहे।
इस अवसर पर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा ईचागढ़ विधानसभा से इस बार एनडीए के प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित है वर्तमान झारखंड की हेमंत सोरेन की सरकार ने राज्य की जनता के साथ धोखा किया यहां के लोगों को छलने का काम किया है हेमंत सोरेन की सरकार ने यहां के युवाओं को किसानों को धोखा दिया यहां के महिलाओं के सम्मान के साथ खिलवाड़ किया चारों ओर भ्रष्टाचार व्याप्त है यहां की जनता इस बार मन बनाकर बैठी है इस चुनाव में जनता झारखंड मुक्ति मोर्चा एवं कांग्रेस की सरकार को सबक सिखाएगी लाल महतो विशेष रूप से उपस्थित रहे
इस अवसर पर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा ईचागढ़ विधानसभा से इस बार एनडीए के प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित है वर्तमान झारखंड की हेमंत सोरेन की सरकार ने राज्य की जनता के साथ धोखा किया यहां के लोगों को छलने का काम किया है हेमंत सोरेन की सरकार ने यहां के युवाओं को किसानों को धोखा दिया यहां के महिलाओं के सम्मान के साथ खिलवाड़ किया चारों ओर भ्रष्टाचार व्याप्त है यहां की जनता इस बार मन बनाकर बैठी है इस चुनाव में जनता झारखंड मुक्ति मोर्चा एवं कांग्रेस की सरकार को सबक सिखाएगी।

वैश्य मोर्चा के प्रमुख सदस्यों-नीति निर्धारकों की बैठक में 21 सदस्यीय संचालन समिति का गठन

रांची(बिभा) : झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा के प्रमुख सदस्यों एवं नीति निर्धारकों की एक महत्वपूर्ण बैठक रांची के रेडियम रोड़ स्थित आलोका सभागार में की गयी. इस बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु ने किया. बैठक में संपन्न स्थापना दिवस कार्यक्रम की समीक्षा, सत्र 2024-25 के लिए केंद्रीय समिति का गठन एवं विधानसभा चुनाव को लेकर विस्तार से चर्चा की गई. बैठक में सर्वसम्मति से कहा गया कि विपरित परिस्थितियों में भी वैश्य मोर्चा का 6वां स्थापना दिवस कार्यक्रम काफी सफल रहा. यह सभी कार्यकताओं की मेहनत से सम्भव हो सका. वैश्य मोर्चा का गठन जिस उद्देश्य और मुद्दों को लेकर किया गया है, इसके लिए आगे भी आंदोलन और अभियान जारी रहेगा. बैठक में तय किया गया कि विधानसभा चुनाव को देखते हुए स्थाई केंद्रीय समिति का गठन अगले माह नवंबर के अंतिम सप्ताह में किया जायेगा. इसके लिए सर्वसम्मति से केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु को अधिकृत किया गया. जबकि सांगठनिक गतिविधियों को सुचारू रूप से जारी रखने के लिए 21 सदस्यीय संचालन समिति का गठन किया गया है, जिसमें केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु के अलावा हीरानाथ साहु, मोहन साव, सुरेश साहु, अश्विनी साहु, रामसेवक प्रसाद, परशुराम प्रसाद, अशोक गुप्ता, आदित्य नारायण प्रसाद, दिनेश्वर मंडल, कपिल प्रसाद साहु, लखन अग्रवाल, जगदीश साहु, डॉ. अरविंद कुमार, अनिल वैश्य, राजेन्द्र साहु, हलधर साहु को सदस्य बनाया गया है. बाकी चार सदस्यों को केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु मनोनीत करेंगे. राहुल कुमार साहु मीडिया प्रभारी बने रहेंगे.

सीमा सुरक्षा बल मेरू परिसर में भव्य दिवाली मेला का आयोजन

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : असत्य पर सत्य व अधंकार पर प्रकाश की जीत के प्रतीक दीपावली पर्व के उपलक्ष्य पर दिनांक 27 अक्टूबर 2024 को सीमा सुरक्षा बल मेरू परिसर में 01 दिवसीय भव्य दीवाली मेले का आयोजन हुआ। इस दिवाली मेले का विशेष महत्व रहा क्योंकि यहाँ पर न केवल रहने वाले सीमा प्रहरी व इनके परिवारजनों वरन समस्त आम जनता को भी इस मेले के एक ही प्रांगण में समभाव के साथ समायोजित व आनंदित कर दिया।
प्रातः 1000 बजे श्रीमती नीतू बन्याल, बावा प्रमुख व के0एस0 बन्याल, महानिरीक्षक, प्रशिक्षण केन्द्र एवं विद्यालय एवं सहायक प्रशिक्षण केन्द्र के द्वारा रिबन काट कर मेले का विधिवत उद्घाटन किया गया, इस मौके पर राजेश कुमार, राकेश रंजन लाल, , डी0 के0 प्रमाणिक, , गणेश कुमार, , मुकुंद झा व अन्य अधिकारी मौजूद रहे व मेले में लगाए गए स्टॉलों का भ्रमण किया।
मेले में प्रशिक्षण केन्द्र एवं विद्यालय व सहायक प्रशिक्षण केन्द्र के समस्त स्कंधो एवं समूहों ने अपने अलग-अलग खानपान, खेलों और सामान के स्टॉल लगाए। सीमा सुरक्षा बल की अपनी विशेषता है; यहाँ भारत के प्रत्येक प्रान्त के कार्मिक सेवारत है, जिसकी छाप इस मेले में देखने को मिली जहाँ सम्पूर्ण भारतवर्ष में बनाए जाने वाले स्वादिष्ट व्यंजन की विशेष व्यवस्था रही।
धनतेरस एवं आगामी दीवाली पर्व की खरीदारी हेतु आम दुकानदारों ने भी अपने स्टॉल लगाए जिसमें पटाखें, कपड़े, साज सज्जा, महिलाओं के श्रृगांर, अन्य घरेलू सामान की दुकाने साथ ही मिताली ऑटोमोबाईल्ज, हजारीबाग द्वारा दो पहिया वाहन का बिक्री स्टॉल लगाया गया। एक तरफ लोग खरीदारी करते रहे, वहीं दूसरी तरफ विभिन्न स्टॉलों पर खेलों और ज्ञान पर आधरित प्रतियोगिताएं आयोजित की गई, जहाँ किशोरों और नव आरक्षकों की भारी संख्या मेले के अंत तक बनी रही। बच्चों के मनोरंजन हेतु विशेष प्रकार के झूले लगाये गए, जिस पर नव- नौनिहाल मेला समाप्ति तक मनोरंजित होते रहे।
सीमा सुरक्षा बल की जॉज एवं ब्रास बैंड टीम की निरन्तर नई धुनों और गीतों पर मेले में आए लोग झूमते रहें। सीमाप्रहरियों के मध्य रस्साकशी प्रतियोगिता में कार्मिकों का जोश देखते ही बनता था, जोकि प्रशिक्षण केन्द्र एवं विद्यालय व सहायक प्रशिक्षण केन्द्र के सीमा प्रहरियों के मध्य आयोजित की गई। तंबोला और महिलाओं के मध्य आयोजित म्यूजिकल चेयर राउण्ड प्रतियोगिता के विजेताओं की खुशी उनके चेहरों पर स्पष्ट नजर आ रही थी। मेले के पूर्ण आयोजन में अनुशासन व सुरक्षा का पूरी दृढ़ता से पालन किया गया।

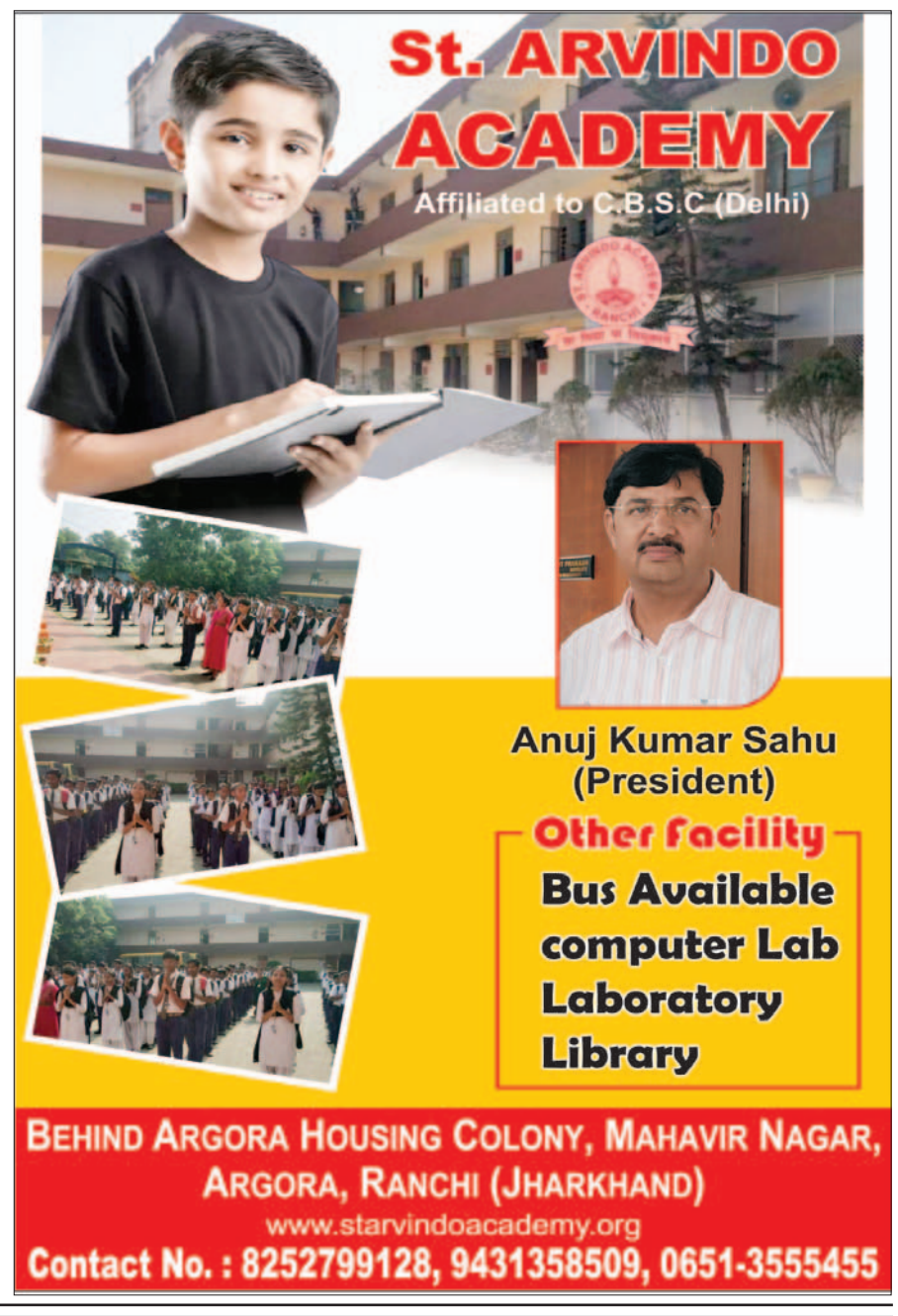

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक संजय कुमार के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि., काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। संपादक कविता साहू*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार । Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com